वर्ष-07 - अंक 316
पृष्ट-12 मूल्य : 03 रुपया

लखनऊ
रविवार, 23 अगस्त 2026

RNI.No. UPHIN/2019/79073

केंद्रीय सुचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार CBC (DAVP) द्वारा जारी दर पर विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अख़बार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

महासंघ की मांगों पर रक्षा मंत्री के ओएसडी ने दिया समाधान का आश्वासन 3
अतिक्रमण का जाल और रेंगती आम आदमी की जिंदगी 4
सनसनीखेज वारदातः प्रेमी-प्रेमिका ने मिलकर प्रेमिका के पिता की हत्या की.... 12

महंगी चीनी के लिए एथनॉल नहीं, जमाखोरी और कृत्रिम कमी जिम्मेदार

महंगी चीनी के लिए एथनॉल नहीं, ये है कीमतें बढ़ने की असली वजह

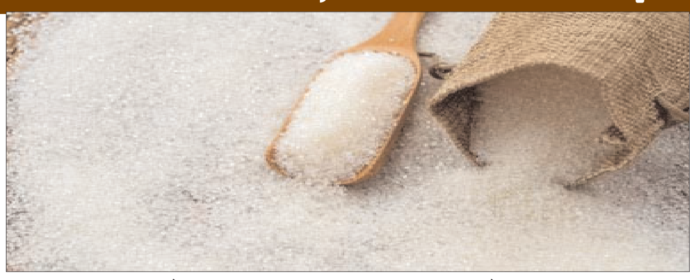

नई दिल्ली। देश में चीनी की बढ़ती कीमतों को लेकर सरकार ने बड़ा स्पष्टीकरण दिया है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने एथनॉल उत्पादन के लिए चीनी के इस्तेमाल को कीमतों में हालिया तेजी का कारण मानने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि देश में घरेलू जरूरत पूरी करने के लिए पर्याप्त चीनी उपलब्ध है, इसके बावजूद बाजार में कृत्रिम कमी पैदा कर कीमतें बढ़ाई जा रही हैं। सरकार ने राज्यों को जमाखोरी, कालाबाजारी और सट्टेबाजी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। चीनी की औसत खुदरा कीमत 20 जुलाई को करीब 48 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो बढ़कर 56 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। वहीं, मिल स्तर पर कीमत सात से दस दिनों में करीब 47-48 रुपये से बढ़कर 62 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। खाद्य सचिव ने इतनी कम अवधि में हुई इस तेज वृद्धि को अनुचित बताया।

संजीव चोपड़ा ने कहा कि चीनी की कीमतों में हालिया तेजी को एथनॉल उत्पादन से जोड़ना सही नहीं है। चालू विपणन वर्ष में एथनॉल उत्पादन के लिए करीब 28 लाख टन चीनी का इस्तेमाल हुआ है। उन्होंने बताया कि एथनॉल उत्पादन में अब चीनी की हिस्सेदारी सीमित है और बड़ी मात्रा में एथनॉल मक्का जैसे अनाज से तैयार किया जा रहा है। सरकार के मुताबिक 2025-26 विपणन वर्ष में चीनी उत्पादन पहले अनुमानित 343 लाख टन से घटकर करीब 306 लाख टन रहने का अनुमान है। गन्ने की फसल में रोग और अधिक बारिश से जलभराव को उत्पादन में कमी का प्रमुख कारण बताया गया है। इसके बावजूद देश में चीनी की सालाना मांग करीब 280-285 लाख टन है। सितंबर 2026 के अंत तक देश में 33-35 लाख टन चीनी का भंडार रहने का अनुमान है। सरकार का कहना है कि उपलब्धता पर्याप्त होने के बावजूद बाजार में कृत्रिम कमी पैदा करना चिंता का विषय है। बाजार में आपूर्ति बनाए रखने के लिए सरकार ने 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है। इसके अलावा कारोबारियों और कोल्ड ड्रिंक तथा आइसक्रीम जैसे उत्पाद बनाने वाले थोक उपभोक्ताओं के लिए भंडारण सीमा लागू की गई है। सरकार कारोबारियों की मौजूदा 400 टन की भंडारण सीमा को और कम करने पर भी विचार कर रहा है। एक सितंबर से थोक उपभोक्ताओं को 15 दिन की खपत से अधिक चीनी रखने की अनुमति नहीं होगी।

अक्टूबर में बढ़ेगी चीनी की उपलब्धता

सरकार के अनुसार चीनी मिलों में इस वर्ष करीब 15 अक्टूबर से पेराई सत्र शुरू होने की उम्मीद है। इससे अक्टूबर में करीब 10-12 लाख टन अतिरिक्त चीनी बाजार में उपलब्ध हो सकती है। सरकार ने प्रमुख चीनी उत्पादक राज्यों को जमाखोरों, कालाबाजारियों और सट्टेबाजों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सरकार का मानना है कि इन कदमों से बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ेगी और त्योहारी मौसम के दौरान आपूर्ति को लेकर किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। अधिकारियों ने संबंधित पक्षों को अनुचित मुनाफाखोरी से बचने और बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने की चेतावनी दी है।

गोरखालैंड पर हलचल तेज, अमित शाह की विशेष कमेटी गठित

अमित शाह की पहाड़ी नेताओं संग बैठक के बाद लिया गया फैसला

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर बंगाल के अपने दौर के तीसरे और अंतिम दिन शनिवार को दार्जिलिंग की पहाड़ियों की तलहटी में स्थित सुकना के एक होटल में पर्वतीय नेताओं के साथ बैठक की, जिसमें पहाड़ी इलाकों से जुड़े कई पुराने मुद्दों और मांगों को सुलझाने को लेकर बातचीत हुई। इस बैठक में अमित शाह के अलावा पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और पहाड़ी इलाकों के कई नेता शामिल हुए। अधिकारियों ने बताया कि माना जा रहा है कि बैठक में संवैधानिक ढांचे के तहत दार्जिलिंग पहाड़ियों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के 'स्थायी राजनीतिक समाधान' तलाशने के मुद्दे पर चर्चा हुई माना जा रहा है कि बैठक में बीजेपी के चुनावी वादे के तहत गोरखा समुदाय और पर्वतीय क्षेत्रों के अन्य निवासियों के लिए 'स्थायी राजनीतिक समाधान' के मुद्दे पर मुख्य रूप से चर्चा हुई है. गोरखा समुदाय और क्षेत्र के लोग कई दशकों से अलग गोरखालैंड राज्य की मांग करते रहे हैं। पिछली राज्य सरकारों ने दार्जिलिंग गोरखा हिल काउंसिल (डीजीएचसी) और

गोरखालैंड क्षेत्रीय प्रशासन (जीटीए) जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से इस मुद्दे के समाधान का प्रयास किया था, लेकिन इन पहलों से क्षेत्र में लंबे समय तक शांति, आर्थिक समृद्धि और राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित नहीं हो सकी। हालांकि अलग गोरखालैंड की मांग को लेकर राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन श्रृंगला ने इस मुद्दे पर कुछ भी कहने से इनकार किया है. उन्होंने कहा कि वह अभी इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। वहीं, बैठक में मौजूद अन्य नेताओं की ओर से भी इस मुद्दे पर कोई स्पष्ट बयान नहीं आया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इलाके की समस्याओं को हल करने के लिए एक खास कमेटी बनाने का फैसला किया गया है। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए दार्जिलिंग के सांसद राजू बिस्टा ने घोषणा की कि पहाड़ी इलाकों की पुरानी समस्याओं से निपटने के लिए एक कमेटी बनाई जाएगी। पंकज कुमार सिंह इस कमेटी के लिए मध्यस्थ के तौर पर काम करेंगे। उन्हें पहले केंद्र ने यह जिम्मेदारी सौंपी थी। इस नई कमेटी में पहाड़ी इलाकों के राजनीतिक और सामाजिक नेता भी शामिल होंगे, जो इलाके के विभिन्न मुद्दों, मांगों और उनसे जुड़े मामलों को हल करने पर काम करेंगे।

संवैधानिक नियमों के अनुसार तलाशा जाएगा समाधान

वहीं, गोरखा जनमुक्ति मोर्चा के नेता रोशन गिरी ने भी कहा कि केंद्र के सामने पहाड़ी इलाकों के मुद्दे रखने के लिए एक कमेटी बनाई गई है। इस कमेटी के जरिए इलाके की पुरानी मांगों और समस्याओं को केंद्र सरकार तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि संवैधानिक नियमों के अनुसार समाधान तलाशा जाएगा। इस तरह, पहाड़ी इलाकों के राजनीतिक हलके अब बारीकी से देख रहे हैं कि इस नई कमेटी के जरिए इलाके की समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में कितनी प्रगति होती है।

एनालॉग पनीर परोसने वाले रेस्टोरेंट को हाईकोर्ट से राहत नहीं

मुंबई। महाराष्ट्र में प्रतिबंधित 'एनालॉग पनीर' परोसने के मामले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की कार्रवाई को बॉम्बे हाईकोर्ट का समर्थन मिला है। ठाणे के एक रेस्टोरेंट ने एफडीए द्वारा लाइसेंस निलंबित किए जाने के खिलाफ अदालत का रुख किया था, लेकिन हाईकोर्ट ने उसे अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति गौतम अंखाड की पीठ ने सुनवाई के दौरान सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि ग्राहकों को प्रतिबंधित खाद्य पदार्थ खिलाने वाले रेस्टोरेंट को भी कुछ समय तक कार्रवाई का सामना करना होगा। अदालत ने 'काव्यात्मक न्याय' का उल्लेख करते हुए कहा कि जिसने दूसरों को परेशानी दी है, उसे भी उसके परिणाम भुगतने होंगे।

रेस्टोरेंट ने एफडीए के 11 अगस्त के आदेश को चुनौती दी थी। इस आदेश के तहत प्रतिबंधित एनालॉग पनीर परोसने के आरोप में उसका लाइसेंस निलंबित कर दिया गया था। रेस्टोरेंट की ओर से दलील दी गई कि लाइसेंस निलंबित करने से पहले उसे सुधार संबंधी नोटिस दिया जाना चाहिए था। अदालत ने फिलहाल इस दलील पर अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया और एफडीए को अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई सात सितंबर को होगी।

क्या है एनालॉग पनीर?

एनालॉग पनीर पारंपरिक दूध से बने पनीर का गैर-डेयरी विकल्प है। इसे आमतौर पर वनस्पति तेल, स्टार्च, इमल्सीफायर और अन्य पदार्थों की मदद से तैयार किया जाता है। यह सामान्य पनीर की तुलना में सस्ता होता है और इसकी पोषण संरचना भी अलग होती है। महाराष्ट्र सरकार ने खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी चिंताओं के मद्देनजर एनालॉग या गैर-डेयरी पनीर के निर्माण और बिक्री पर एक साल का प्रतिबंध लगाया है। इसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई तेज की है। अदालत की सख्त टिप्पणी और एफडीए की कार्रवाई के बाद खाद्य पदार्थों में मिलावट तथा प्रतिबंधित उत्पादों के इस्तेमाल को लेकर रेस्टोरेंट संचालकों के बीच भी चिंता बढ़ गई है।

खबरें छपीं, शिकायतें हुई, फिर भी कार्रवाई नहीं: पीड़ितों का आरोप

दरोगा ने थाने में बैठाकर धमकाया, ग्राम प्रधान पर गंभीर आरोप

मलिहाबाद/लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर बस्ती में ग्राम प्रधान रामशंकर कश्यप पर लगाए गए गंभीर आरोपों के मामले में अब तक कार्रवाई नहीं होने को लेकर पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन पर सवाल खड़े किए हैं। मामले को लेकर पहले भी शिकायतें और खबरें सामने आ चुकी हैं, लेकिन पीड़ित परिवार का आरोप है कि इसके बावजूद न तो आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया और न ही उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराई गई। उल्टा शिकायत करने वाले परिवार को लगातार दबाव और धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ित परिवार के मुताबिक, उनके पिता लल्लू की वर्ष 2021 में नदी में डूबने से मौत हो गई थी। इसके बाद शासन की ओर से परिवार को आर्थिक सहायता दी गई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इसी सरकारी सहायता की रकम को लेकर ग्राम प्रधान द्वारा परिवार से कथित रूप से पैसे की मांग की गई। आरोप है कि पैसे नहीं देने पर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए दबाव बनाया गया और परिवार को परेशान किया गया। पीड़ित पक्ष ने जमीन के विवाद, घर के निर्माण में बाधा डालने और जान से मारने की धमकी दिए जाने के भी आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि उसका बड़ा भाई अपनी जान बचाने के लिए घर से बाहर रहने को मजबूर है। आरोप है कि ग्राम प्रधान जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहा है और पीड़ित परिवार की

मदद करने वालों को भी धमकी दी जा रही है।

घर पहुंचे दरोगा पर भी गंभीर आरोप

पीड़ित परिवार का आरोप है कि हाल ही में चौकी इंचार्ज के साथ एक अन्य दरोगा उनके घर पहुंचे। वहां पीड़ित के सबसे छोटे भाई से कथित तौर पर काफी गर्म लहजे में बातचीत की गई और उसे धमकाने का प्रयास किया गया। दरोगा द्वारा घर की तस्वीर भी खींचे जाने की बात कही गई है। पीड़ित का कहना है कि जब उसने परिवार के साथ फोटो खिंचवाने से मना किया तो दरोगा और नाराज हो गए। पीड़ित परिवार का यह भी आरोप है कि पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य मामले की निष्पक्ष जांच करने के बजाय उन पर दबाव बनाना प्रतीत हो रहा है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

थाने पहुंचे तो इंस्पेक्टर के सामने नहीं जाने दिया पीड़ितों के मुताबिक, जब वे अपनी शिकायत लेकर थाने पहुंचे तो हल्के के एक दरोगा ने कथित तौर पर उन्हें इंस्पेक्टर के सामने जाने नहीं दिया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि उन्हें थाने के बाहर बैठने के लिए कहा गया और दरोगा ने कहा कि वह रामशंकर को बुलाकर पूछेंगे कि आखिर उनका क्या मामला है। पीड़ितों का कहना है कि उनके पास ग्राम प्रधान द्वारा दी गई धमकी की रिकॉर्डिंग भी मौजूद है। उनका आरोप है कि रिकॉर्डिंग और लिखित शिकायत देने के बावजूद पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि रास्ते में उनके बड़े भाई को ढूंढने और उसके साथ किसी अप्रिय घटना को अंजाम देने की धमकी दी जा रही है।

सरकारी सहायता की रकम को लेकर भी सवाल शिकायत में सरकारी आर्थिक सहायता की रकम में कथित हेराफेरी का आरोप भी लगाया गया है। पूर्व में सामने आई शिकायत के मुताबिक परिवार को शासन की ओर से करीब 1.25 लाख रुपये की सहायता राशि मिली थी, जिसमें से करीब 16 हजार रुपये कथित रूप से हड़पने का आरोप लगाया गया था। वहीं अब पीड़ित पक्ष का कहना है कि उसके भाई के खाते में संबंधित रकम पहुंचने की बात कही गई, लेकिन वास्तविक रूप से उसके खाते में पैसा नहीं आया। पीड़ित परिवार का दावा है कि करीब 1.80 लाख रुपये दिए जाने की बात भी कही गई थी, जिसकी वास्तविक स्थिति जांच का विषय है। पीड़ितों का कहना है कि सरकारी सहायता, जमीन विवाद और धमकी से जुड़े आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री तक पहुंचा मामला

पीड़ित परिवार की ओर से पूरे मामले की शिकायत उच्च अधिकारियों के साथ-साथ मुख्यमंत्री को भी भेजे जाने की बात कही गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ग्राम प्रधान और उसके समर्थकों की ओर से लगातार मानसिक दबाव बनाया जा रहा है। पीड़ितों ने अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा की मांग भी की है। पीड़ित परिवार का कहना है कि मामले को लेकर कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं और खबरें भी प्रकाशित हो चुकी हैं, लेकिन अभी तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि यदि पुलिस प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो भविष्य में कोई गंभीर घटना होने पर इसकी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी। पीड़ितों ने साफ कहा है कि धमकियां लगातार मिल रही हैं और यदि आरोपितों पर कार्रवाई नहीं की गई तो उन्हें किसी भी समय अप्रिय घटना का डर है। परिवार ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच, धमकी की रिकॉर्डिंग की जांच, जमीन विवाद की जांच तथा आरोपों के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

पीएम पोषण रसोइयों को सम्मानित करेंगे सीएम योगी

मुख्यमंत्री के हाथों मंच पर 11 रसोइए होंगे सम्मानित, सभी जनपदों और तहसील स्तर पर भी होंगे कार्यक्रम

लखनऊः जो हाथ हर दिन विद्यालयों में बच्चों के लिए भोजन तैयार कर उनके पोषण और स्वास्थ्य को मजबूती देते हैं, योगी सरकार अब उन्हीं हाथों के श्रम को सम्मान के साथ सुविधा देने जा रही है। पीएम पोषण योजना से जुड़े रसोइयों के योगदान को केंद्र में रखते हुए आज 23 अगस्त को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ के जुपिटर सभागार में सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि पीएम पोषण रसोइए बच्चों के पोषण और स्वस्थ भविष्य की आधारशिला हैं। योगी सरकार उनके सम्मान, सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में प्रस्तावित इस कार्यक्रम में उनके हाथों मंच पर 11 रसोइयों को सम्मानित किया जाएगा, जबकि प्रदेशभर से 1500 रसोइयों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। खास बात यह है कि इसी दिन जनपद एवं तहसील स्तर पर भी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में रसोइया सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी के निर्देशों के अंतर्गत संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी करने और आपसी समन्वय से आयोजन को सफल बनाने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम में प्रदेश के राजकीय, परिषदीय एवं अशासकीय सहायता प्राप्त प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं कम्पोजिट विद्यालयों में पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत रसोइयों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के साथ जनपद एवं तहसील स्तर पर भी रसोइया सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे। इनमें सांसद, मंत्री, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष और अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों मंच पर 11 रसोइयों को सम्मानित किया जाएगा। प्रदेश के विभिन्न जनपदों से 1500 रसोइयों को कार्यक्रम में सहभागी बनाया जाएगा। रसोइयों को कैशलेस कार्ड उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। भोजन तैयार करने के दौरान स्वच्छता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हेड कवर, ग्लव्स एवं एप्रन किट उपलब्ध कराने की तैयारी है। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पीएम पोषण योजना की उपलब्धियों और रसोइयों के योगदान पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित की जाएगी। योजना की उपलब्धियों पर आधारित बुकलेट, पोस्टर और फ्लेक्स के माध्यम से भी उपलब्धियों को सामने लाया जाएगा।

नालियों पर ढक्कन लगाने की मांग

बांसी (सिद्धार्थनगर)। अकबरनगर वार्ड की सभासद शमा आरा ने थाना समाधान दिवस के साथ ही नगर पालिका अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी को शिकायती पत्र देकर डा. आब्दी चौराहा से रामबाबू की दुकान तक बनी नाली पर ढक्कन लगाए जाने की मांग की है। सभासद ने बताया कि उक्त मार्ग पर कई स्थानों पर नाली खुली हुई है। आगामी 26 अगस्त को जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी का जुलूस इसी मार्ग से निकलना है, जिसमें हजारों लोग शामिल होंगे। जुलूस में बड़ी संख्या में झांकियां और वाहन भी शामिल रहते हैं।

ऐसे में खुली नालियों के कारण दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। उन्होंने मांग की कि जुलूस निकलने से पहले मार्ग पर जहां भी नाली खुली है, वहां ढक्कन लगवाए जाएं, ताकि जुलूस के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। इस संबंध में नगर पालिका अध्यक्ष चमन आरा राईनी ने बताया कि नालियों पर ढक्कन लगाने के लिए संबंधित सफाई प्रभारी को निर्देश दे दिया गया है। जल्द ही आवश्यक स्थानों पर ढक्कन रखवा दिए जाएंगे।

यूपी में स्कूलों को लेकर फर्जी वीडियो पर सीएम योगी सख्त, एफआईआर के दिए आदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कतिपय जनपदों में स्कूल-कॉलेजों को लेकर भ्रामक वीडियो प्रसारित किए जाने की जानकारी पर कड़ी नाराजगी जताई. उन्होंने निर्देश दिए कि गलत और भ्रामक जानकारी फैलाकर माहौल खराब करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाए. मुख्यमंत्री ने मिड-डे मील, बालक-बालिकाओं के लिए शौचालय और कक्षाओं की स्थिति की स्थलीय जांच कराने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को अच्छी सुविधाएं और बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने जिलाधिकारियों को विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को अच्छी सुविधाएं मिलें और पठन-पाठन का बेहतर वातावरण

बना रहे. बाल वाटिकाओं का संचालन सुनिश्चित किया जाए।

दूसरी ओर, सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रदेश में चीनी के स्टॉक की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को चीनी की जमाखोरी और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए. मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही किसी भी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राज्य सरकार के मुताबिक, प्रदेश की चीनी मिलों में इस समय कुल 179.38 लाख क्विंटल चीनी का स्टॉक मौजूद है। इसमें सहकारी चीनी मिलों के पास 23.60 लाख क्विंटल, कॉर्पोरेशन की मिलों में 5.28 लाख क्विंटल और निजी चीनी मिलों में 150.50 लाख क्विंटल चीनी उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कोई भी व्यक्ति या संस्था 30 दिनों से अधिक की जरूरत के बराबर चीनी का स्टॉक जमा न कर सके. साथ ही, एक बार में 400 टन से अधिक चीनी का स्टॉक रखने वाले डीलरों की जांच कर उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया है. सरकार ने कहा कि आवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम और अन्य लागू कानूनों के तहत नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बारहवफात को लेकर पीस कमेटी की बैठक, सौहार्द बनाए रखने की अपील

निगोहां, लखनऊ। आगामी बारहवफात के त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को निगोहां थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी रविंद्र कुमार कन्नौजिया ने की। इसमें क्षेत्र के धर्मगुरु, संभ्रांत नागरिक और संबंधित लोग शामिल हुए। थाना प्रभारी ने कहा कि बारहवफात का त्योहार आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं। जुलूस और अन्य कार्यक्रम निर्धारित मार्ग व समय के अनुसार ही आयोजित किए जाएंगे। किसी भी नई परंपरा की शुरुआत नहीं की जाएगी। उन्होंने लोगों से जुलूस के दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह के भड़काऊ भाषण, आपत्तिजनक नारेबाजी या विवादित सामग्री का इस्तेमाल न किया जाए।

संक्षिप्त खबरें

ग्राम न्यायालय की स्थापना को लेकर अधिवक्ताओं ने भरी हुंकार

रुद्रपुर-देवरिया। ग्राम न्यायालय की स्थापना की मांग को लेकर तहसील बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने आंदोलन का ऐलान किया है। शुक्रवार को अधिवक्ता भवन में आयोजित बैठक में अधिवक्ताओं ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम न्यायालय की स्थापना की मांग को लेकर आंदोलन किया जाएगा। अधिवक्ताओं ने कहा कि ग्राम न्यायालय की स्थापना से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्थानीय स्तर पर त्वरित एवं सुलभ न्याय मिल सकेगा। मांग पूरी नहीं होने पर आवश्यकता पड़ने पर धरना-प्रदर्शन सहित अन्य लोकतांत्रिक माध्यमों से आंदोलन को तेज किया जाएगा। बैठक में तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्यानंद पांडे महामंत्री विनोद पाठक फणींद्र पांडेय, कृष्नमूर्ति मणि त्रिपाठी, गोपीनाथ यादव, सत्य प्रकाश गुप्ता बीना शर्मा, विनय शुक्ला शशि भूषण आदि बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

राजा ऐश्वर्यराज ने जताया आभार, बस्ती आगमन पर हुआ था ऐतिहासिक स्वागत

बस्ती। बस्ती जिले मे राष्ट्रीय लोकदल का प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने पर 18 अगस्त को बस्ती प्रथम आगमन पर राजा ऐश्वर्यराज सिंह के स्वागत मे पहुंचे पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा सम्मानित आम जनता के प्रति मंडल अध्यक्ष राधेश्याम चौधरी ने आभार व्यक्त किया है। उन्होने प्रेस को जारी विज्ञप्ति मे कहा कि राजा ऐश्वर्यराज सिंह के स्वागत मे जिस तरह समर्थकों की भीड़ देखी गई, इससे साफ है कि बस्ती की जनता नेतृत्व परिवर्तन चाहती स्वागत के दौरान समर्थकों का उत्साह देखने लायक था। बस्ती जनपद की सीमा मे प्रवेश करते ही घघौवा से लेकर राजभवन तक अनेक स्थानों पर रालोद प्रदेश अध्यक्ष का फूल मालाओं से स्वागत हुआ। राजा ऐश्वर्यराज सिंह ने भी जनता से मिले अपार स्नेह और समर्थन के लिये हार्दिक आभार जताया है। उन्होने कहा वर्षो से बस्ती सदर विधानसभा के विकास की रफ्तार थम सी गई है। आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव मे जनता ने सही निर्णय लिया तो प्रदेश के अन्य जिलों की भांति बस्ती जनपद भी विकास की मुख्य धारा मे शामिल होगा।

मोहम्मदाबाद विद्युत उपकेंद्र पर 23 अगस्त को तीन घंटे रहेगी बिजली आपूर्ति बाधित

टूण्डला। आगामी त्योहारों को देखते हुए उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं बेहतर विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र मोहम्मदाबाद पर मशीनों के अनुरक्षण का कार्य कराया जाएगा। अवर अभियंता विद्युत उपकेंद्र मोहम्मदाबाद, टूण्डला ने बताया कि रविवार 23 अगस्त 2026 को प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक विद्युत उपकेंद्र पर अनुरक्षण कार्य किया जाएगा। इस दौरान उपकेंद्र से संबंधित क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति निर्धारित अवधि तक बाधित रहेगी। उन्होंने विद्युत उपकेंद्र मोहम्मदाबाद से जुड़े सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि वे विद्युत आपूर्ति बाधित रहने से पहले अपने आवश्यक कार्य, विशेषकर पानी की व्यवस्था आदि, सुबह 9:00 बजे से पूर्व ही पूरा कर लें, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से अनुरक्षण कार्य में सहयोग करने की अपील की है। विभाग के अनुसार अनुरक्षण कार्य पूरा होने के बाद विद्युत आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी।

चौकड़ी टोल प्लाजा पर सुरक्षा व्यवस्था सवालों में, टूटे बोर्ड से हादसे का खतरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में नेशनल हाईवे स्थित चौकड़ी टोल प्लाजा की बदहाल सुरक्षा व्यवस्था अब यात्रियों के लिए गंभीर खतरा बनती नजर आ रही है। टोल प्लाजा से पहले वाहन चालकों को सावधान करने और सही लेन की जानकारी देने के लिए लगाए गए कई दिशा सूचक व चेतावनी बोर्ड टूटकर क्षतिग्रस्त पड़े हैं। वहीं कई महत्वपूर्ण संकेतक झाड़ियों के बीच इस कदर छिप गए हैं कि वाहन चालक उन्हें समय रहते देख ही नहीं पाते। हाईवे पर तेज रफ्तार वाहनों के लिए यह लापरवाही कभी भी भारी पड़ सकती है। पर्याप्त दूरी से टोल प्लाजा की स्पष्ट जानकारी नहीं मिलने के कारण चालक अचानक टोल के सामने पहुंच सकते हैं। ऐसी स्थिति में अचानक ब्रेक लगाने लेन बदलने या वाहन को नियंत्रित करने के प्रयास में टक्कर और बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रहती है।

सवाल यह है कि जब हाईवे पर यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तो सुरक्षा संकेतकों की यह दुर्दशा आखिर किसकी जिम्मेदारी है बैरियर की घटना के बाद भी नहीं चेते जिम्मेदार चौकड़ी टोल प्लाजा पर हाल में बैरियर गिरने से अधिकारी की गाड़ी का शीशा टूटने की घटना भी सामने आ चुकी है। इस घटना के बावजूद टोल परिसर और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं दे रहा। टूटे बोर्ड और झाड़ियों में दबे संकेतक व्यवस्था की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं।टोल वसूली पर जोर सुरक्षा व्यवस्था पर क्यों नहीं टोल प्लाजा से गुजरने वाले यात्रियों का कहना है कि वाहन चालकों से टोल शुल्क की वसूली में कोई लापरवाही नहीं बरती जाती लेकिन यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही से जुड़े जरूरी इंतजामों की नियमित निगरानी क्यों नहीं हो रही यह बड़ा सवाल है। यदि संकेतक ही दिखाई नहीं देंगे तो वाहन चालकों को समय रहते सावधान कैसे किया जाएगा इस विषय में

टोल प्लाजा मैनेजर का पक्ष जानने के लिए उनके मोबाइल नंबर पर कई बार फोन किया गया लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। ऐसे में टोल प्रबंधन की ओर से इस गंभीर मुद्दे पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आ सकी। बड़ा सवाल हादसे के बाद जागेंगे जिम्मेदार चौकड़ी टोल प्लाजा की तस्वीरें और मौके की स्थिति जिम्मेदारों की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं। क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही जिम्मेदारों की नींद टूटेगी यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों से तत्काल निरीक्षण कर टूटे और क्षतिग्रस्त बोर्डो को दुरुस्त कराने झाड़ियों की सफाई कराने तथा पर्याप्त दूरी पर बड़े स्पष्ट और रात में दिखाई देने वाले चेतावनी संकेतक लगाने की मांग लोग उठा रहे हैं।

एक ही जिले मे कम दूरी दो टोल प्लाजा होने से आम जनता पर बोझ बना हुआ टोल टैक्स तो देते है लोग सड़क सुरक्षा साफ सफाई गड्ढों में तब्दील है

गंगापुर में मिट्टी खनन को लेकर उठे सवाल, कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के ग्राम पंचायत गंगापुर में कथित रूप से मिट्टी का खनन किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि संबंधित क्षेत्र में मिट्टी खनन की अनुमति नहीं है, तो इसके बावजूद खनन कैसे जारी है? मामले को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों से कार्रवाई की मांग उठ रही है। बताया जा रहा है कि पत्रकार द्वारा खनन अधिकारी प्रशांत यादव से बातचीत कर मौके पर हो रहे मिट्टी खनन को बंद कराने तथा नियमानुसार कार्रवाई करने की बात कही गई। आरोप है कि सूचना दिए जाने के बावजूद अभी तक मामले में अपेक्षित कानूनी कार्रवाई नहीं हुई है।

उत्तर प्रदेश में उपखनिजों के खनन और निस्तारण के लिए खनन विभाग की निर्धारित प्रक्रिया एवं ऑनलाइन व्यवस्था है। बस्ती जिला प्रशासन की वेबसाइट पर भी खनन विभाग से संबंधित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट और खनन पट्टों से जुड़ी सूचनाएं उपलब्ध हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि गंगापुर में चल रहा मिट्टी खनन वैध अनुमति अथवा निर्धारित प्रक्रिया के तहत हो रहा है या नहीं? यदि खनन बिना अनुमति हो रहा है तो जिम्मेदार विभाग द्वारा मौके की जांच कर खनन तत्काल बंद कराने, मशीनरी/वाहनों की जांच तथा नियमानुसार कानूनी कार्रवाई किए जाने की जरूरत है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी बस्ती और खनन विभाग के उच्चाधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। अब देखना यह है कि शिकायत और उठाए गए सवालों पर प्रशासन कब तक कार्रवाई करता है।

बाढ़ के खतरे पर प्रशासन अलर्ट, डीएम-एसपी ने कलवारी तटबंध का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिलेमें नदियों के बढ़ते जलस्तर और संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। इसी क्रम में जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना और पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने कलवारी क्षेत्र में तटबंधों का संयुक्त निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था और बाढ़ से निपटने की तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से तटबंधों की मजबूती, नदी के जलस्तर, पानी के बहाव और संभावित कटान वाले स्थानों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि तटबंधों पर लगातार निगरानी रखी जाए और संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जाए। साथ ही किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटने के लिए आवश्यक मरम्मत सामग्री और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

वहीं पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने संबंधित थाना क्षेत्रों के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को बाढ़ प्रभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार गश्त और निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपदा की स्थिति में पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जाए और जरूरत पड़ने पर ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में प्रशासन का सहयोग किया जाए।

पुलिस अधीक्षक ने यह भी निर्देश दिया कि बाढ़ को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों पर नजर रखी जाए और ग्रामीणों को सही एवं प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराई जाए। प्रशासन और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। संयुक्त निरीक्षण का उद्देश्य संभावित बाढ़ की स्थिति में जनजीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को और मजबूत करना रहा। प्रशासन की ओर से ग्रामीणों से अपील की गई है कि तटबंध में कटान, पानी के असामान्य बढ़ाव या किसी अन्य आपात स्थिति की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों, नजदीकी थाने या पुलिस कंट्रोल रूम को दें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों को सतर्क रखा गया है और संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जा रही है।

सर्पदंश पर घबराएं नहीं, तुरंत अस्पताल पहुंचें : सीएचसी अधीक्षक

श्रीदत्तगंज, बलरामपुर। सर्पदंश की घटनाओं को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और समय पर उपचार कराने की अपील की है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र श्रीदत्तगंज में शनिवार को सर्पदंश की आशंका में एक व्यक्ति उपचार के लिए पहुंचा। चिकित्सकीय जांच में उसकी हालत स्थिर मिली और सर्प विष के स्पष्ट लक्षण नहीं पाए गए। 20 मिनट की रक्त जमाव जांच भी सामान्य रही, जिसके चलते चिकित्सकों ने तत्काल एंटी स्नेक वेनम देने की आवश्यकता नहीं समझी। चिकित्सकों ने मरीज को प्राथमिक उपचार देने के बाद निगरानी में रखा और परिजनों को सर्पदंश के संभावित लक्षणों की जानकारी दी। सीएचसी अधीक्षक डॉ. आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि सर्पदंश की स्थिति में घबराने के बजाय बिना समय गंवाए नजदीकी अस्पताल पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर सांप जहरीला नहीं होता और हर सर्पदंश में विष का प्रभाव हो, यह जरूरी नहीं है। उपचार का निर्णय चिकित्सकीय जांच के बाद ही किया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से झाड़-फूंक, झोलाछाप चिकित्सकों और अन्य अप्रमाणित उपचार से बचने की अपील की।

रात घर से निकले युवक का सुबह सड़क पर मिला शव, हत्या की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गाजीपुर। गाजीपुर जनपद के बरेसर थाने क्षेत्र के सिपाह गांव निवासी एक युवक को शुक्रवार की देर रात्रि अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी जिसका शव शनिवार को सुबह घर से मात्र दो सौ मिटर की दुरी पर बाराचवर जहुराबाद मुख्य मार्ग पर मिला। युवक की पहचान सिपाह गांव निवासी प्रमोद राजभर के रूप हुई है। शव मिलते ही ग्रामीणों ने परिजनों के साथ मिलकर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया । वहीं सूचना मिलते ही बरेसर पुलिस भी मौके पर पहुंच इस घटना से उच्चाधिकारियों को सूचित किया। कुछ देर के उपरांत क्षेत्राधिकारी सुधाकर पांडेय मौके पर पहुंच परिजनों व ग्रामीणों को समझाते रहे तब जाकर जाम समाप्त हुआ।वहीं फारेंसिक की टीम भी मौके पर पहुंच सबुत इकट्ठा करने में लग गई,

आठ बजे घर से लापता हुआ था प्रमोद

परिजनों ने बताया की शुक्रवार वो जहुराबाद में सब्जी का बाजार लगता है, प्रमोद जहुराबाद में सब्जी का बाजार कर करीब आठ बजे के आसपास घर आया और तुरंत चला गया जब खाना खाने का समय हुआ तो हम लोगों प्रमोद के फोन पर काल किया लेकिन प्रमोद फोन बंद आ रहा था । काफी देर बीत जाने के बाद हम लोगों ने उसकी खोज बीन शुरू की उसे ढुंढते हुए जब हम लोग सड़क की तरफ पहुंचे तो प्रमोद मृत अवस्था में पड़ा मिला। परिजनों ने जब उसे मृत अवस्था में देखा तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई वहीं थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया की मृतक के गले पर गहरे जख्म के निशान हैं। जिससे आशंका है की मृतक प्रमोद का किसी ने धारदार हथियार से हमला किया है। प्रमोद का सीडीआर रिपोर्ट देखा जा रहा है हर उस कड़ी को जोड़ा जायेगा जिससे प्रमोद के मौत से पर्दा उठ सके बहरहाल प्रमोद के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। वहीं क्षेत्राधिकारी सुधाकर पांडेय ने बताया की परिजनों के तरफ से अज्ञात के खिलाफ बरेसर थाने में मुकदमा पंजीकृत कराया गया है। हमारी टीम जल्द ही आरोपियों को पकड़ जेल भेजेगी।

फव्वारा तिराहे पर फुटपाथ तक दुकानें, जाम से राहगीर परेशान

प्रशासन की कार्रवाई पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती शहर के मालवीय रोड स्थित फवारा तिराहा इन दिनों अतिक्रमण और यातायात अव्यवस्था का उदाहरण बनता नजर आ रहा है। तिराहे पर वर्षो से अस्थायी तौर पर लग रही प्लास्टिक के सामानों की दुकानें अब फुटपाथ तक फैल गई हैं। शाम होते ही दुकानों पर खरीदारों की भीड़ और सड़क से गुजरने वाले वाहनों के कारण यहां अक्सर यातायात का दबाव बढ़ जाता है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को जाम की स्थिति का सामना करना पड़ता है। मौके की स्थिति को दर्शाता वीडियो भी सामने आया है, जिसमें सड़क के किनारे बड़े हिस्से में प्लास्टिक के सामानों की दुकानें लगी दिखाई दे रही हैं। दूसरी ओर, उसी सड़क से लगातार मोटरसाइकिल, ई-रिक्शा, कार और अन्य वाहन गुजरते नजर आ रहे हैं। दुकानें और ग्राहकों की आवाजाही सड़क के किनारे यातायात व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव डालती दिखाई देती है।

यातायात पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल.....

सबसे बड़ा सवाल यह है कि फव्वरा तिराहे पर यह स्थिति वर्षों से बनी हुई बताई जा रही है, इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की नजर इस ओर क्यों नहीं जाती? खास बात यह है कि इन अस्थायी दुकानों के ठीक सामने बस्ती विकास प्राधिकरण का कार्यालय भी स्थित है। इसके बावजूद सड़क और फुटपाथ पर अतिक्रमण की स्थिति बनी रहना जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। फुटपाथ पर खड़ी मोटरसाइकिलों का चालान करने और यातायात नियमों का पालन कराने में सक्रिय रहने वाली पुलिस की नजर सड़क किनारे लंबे समय से लगी इन अस्थायी दुकानों पर भी पड़नी चाहिए। लोगों का सवाल है कि यदि फुटपाथ और सड़क के किनारे अतिक्रमण यातायात में बाधा बन रहा है तो उसके खिलाफ भी नियमित कार्रवाई क्यों नहीं की जाती? शाम के समय इस मार्ग पर वाहनों और राहगीरों की संख्या बढ़ जाती है। ऐसे में सड़क किनारे दुकानें और ग्राहकों की भीड़ यातायात व्यवस्था को और प्रभावित कर सकती है। यदि समय रहते अतिक्रमण को व्यवस्थित नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में यहां जाम की समस्या और गंभीर हो सकती क्यों आँख बंद कर बैठा है बस्ती विकास प्राधिकरण बस्ती विकास प्राधिकरण और यातायात पुलिस से मामले का संज्ञान लेते हुए फवारा तिराहे पर अतिक्रमण और यातायात व्यवस्था की जांच कराने तथा नियमानुसार कार्रवाई करते है। अब देखना यह है कि वीडियो सामने आने और लगातार बन रही जाम की स्थिति के बाद जिम्मेदार विभाग इस ओर कब तक ध्यान देते हैं।

थाना दिवस में सात शिकायतें आई, तीन का मौके पर हुआ निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बाजार शुक्ल। थाना बाजार शुक्ल परिसर में शनिवार को थाना दिवस का आयोजन थाना अध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह एवं नायब तहसीलदार राम लखन वर्मा के नेतृत्व में किया गया। थाना दिवस में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याओं और शिकायतों को अधिकारियों के समक्ष रखा। कुल सात शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें तीन शिकायतों का अधिकारियों द्वारा गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से निस्तारण कराया गया। शेष शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित की गई है। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का स्थलीय सत्यापन करते हुए नियमानुसार समयबद्ध ढंग से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादियों को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े।

वहीं, लेखपालों की हड़ताल के चलते राजस्व विभाग के लेखपाल थाना दिवस में शामिल नहीं हो सके। इसके कारण राजस्व से संबंधित अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे कुछ फरियादियों को निराश होकर लौटना पड़ा। हालांकि मौके पर मौजूद नायब तहसीलदार ने फरियादियों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र समाधान कराया जाएगा।नायब तहसीलदार राम लखन वर्मा ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि फरियादियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनकर उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें। थाना अध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह ने भी पुलिस से संबंधित शिकायतों के निस्तारण में पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता बरतने की बात कही वहीं थाना दिवस पर फरियादियों के उठने बैठने और जलपान का थाना अध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह द्वारा उत्तम प्रबंध कराया गया था। थाना दिवस के दौरान कानूनगो संतराम, कानूनगो जगदीश प्रसाद मौर्य सहित पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के संकल्प में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण

रायबरेली, टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत माई भारत वालंटियर अनुभवनात्मक शिक्षण कार्यक्रम के पांचवें एवं अंतिम दिवस का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अनुपम सिंह एवं जिला युवा अधिकारी वर्तिका सिंह के मार्गदर्शन में वालंटियर्स को ग्राम हैबतमऊ एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। डॉ. अनुपम सिंह ने कहा कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से टीबी के प्रति जागरूकता और समय पर जांच को बढ़ावा मिलेगा। स्टेट स्तर से आई विश्व स्वास्थ्य संगठन की डॉ. विजय कार्थे एवं टीएसयू के शैलेंद्र उपाध्याय ने वालंटियर्स के प्रशिक्षण एवं सीखने के स्तर का मूल्यांकन किया। प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले वालंटियर्स को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक करुणा शंकर मिश्र ने कहा कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के लिए ग्राम पंचायत, स्वास्थ्यकर्मियों, युवाओं और आमजन की सामूहिक भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि कोई संभावित मरीज जांच से न छूटे और कोई टीबी मरीज उपचार बीच में न छोड़े, इसके लिए वालंटियर्स जागरूकता अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाएं। कार्यक्रम में जिला प्रोग्राम समन्वयक अभय मिश्रा, जिला पब्लिक प्राइवेट मिक्स समन्वयक मनीष श्रीवास्तव, जिला टीबी-एचआईवी समन्वयक अतुल कुमार सहित एनटीईपी स्टाफ मौजूद रहा।

डीएम-एसपी ने पूरे दूंदी में जलभराव का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। तहसील तिलोई क्षेत्र के ग्राम पूरे दूंदी में जलभराव की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी संजय चौहान एवं पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने शनिवार को संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जलभराव से प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योति सिंह, उप जिलाधिकारी तिलोई अरुणिमा श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी तिलोई, तहसीलदार तिलोई सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि ग्राम पूरे दूंदी में जलभराव की समस्या की जानकारी प्राप्त होने पर पूर्व में उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदार तिलोई को मौके पर भेजकर सर्वे कराया गया था। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर उन्होंने स्वयं पुलिस अधीक्षक के साथ क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर स्थिति का आकलन किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्राकृतिक आपदा अथवा जलभराव के कारण यदि किसी किसान अथवा ग्रामीण को किसी प्रकार की क्षति हुई है तो उसका तत्काल आकलन कर शासन की मंशा के अनुरूप राहत सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित परिवारों तक प्रशासन की सहायता शीघ्र पहुंचनी चाहिए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने जलभराव वाले पूरे क्षेत्र का भ्रमण कर जल निकासी की व्यवस्था का भी अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को ड्रेनों की तत्काल सफाई सुनिश्चित करने तथा जल निकासी के लिए आवश्यक सभी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी अवरुद्ध नालियां अथवा ड्रेन हैं, उनकी सफाई कर जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे ग्रामीणों को राहत मिल सके। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि परिस्थितियों को देखते हुए राहत चौकी अथवा राहत शिविर स्थापित करने की आवश्यकता महसूस हो तो तत्काल उसकी व्यवस्था की जाए।

साथ ही बचाव एवं राहत कार्यों के लिए आवश्यक संसाधनों को भी तैयार रखने के निर्देश दिए गए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन प्रभावित ग्रामीणों एवं किसानों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ा है तथा जनहित में सभी आवश्यक कदम प्राथमिकता के आधार पर उठाए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र की सतत निगरानी बनाए रखने तथा स्थिति सामान्य होने तक नियमित रूप से निरीक्षण करने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन द्वारा जलभराव की समस्या के समाधान एवं प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्यवाही लगातार की जा रही है।

प्रभावित किसानों को तत्काल राहत पहुंचाने तथा ड्रेन सफाई के दिए निर्देश

5850 मेधावी विद्यार्थियों को मिली स्टडी टेबल, घर पर पढ़ाई का बनेगा बेहतर माहौल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ घर पर भी नियमित अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में जनपद में अभिनव पहल शुरू की गई है। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन के निर्देशन में विकास विभाग के सहयोग से कक्षा छह से आठ तक अध्ययनरत 5850 मेधावी छात्र-छात्राओं को स्टडी टेबल उपलब्ध कराई गई हैं। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को महज एक भौतिक सुविधा देना नहीं, बल्कि उनमें नियमित स्वाध्याय, अनुशासन, एकाग्रता और समय के सदुपयोग की आदत विकसित करना है। स्टडी टेबल मिलने से बच्चों को घर पर पढ़ाई के लिए अपना एक निश्चित और व्यवस्थित स्थान मिलेगा। यहां वे विद्यालय में पढ़ाए गए पाठ की पुनरावृत्ति, गृहकार्य और अन्य शैक्षिक गतिविधियां आसानी से पूरी कर सकेंगे।

जिन घरों में पढ़ाई के लिए जगह नहीं, वहां विशेष मदद

यह पहल विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी, जिनके घरों में पढ़ाई के लिए अलग और सुविधाजनक स्थान उपलब्ध नहीं है। स्टडी टेबल मिलने से बच्चों को पुस्तकों और अध्ययन सामग्री को व्यवस्थित रखने के साथ निर्धारित समय पर नियमित पढ़ाई करने की प्रेरणा मिलेगी। स्टडी टेबल प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं में भी इसे लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के प्रति और अधिक प्रेरित करते हुए अपने अध्ययन के समय का बेहतर उपयोग करने तथा निरंतर सीखने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। **अभिभावकों से भी सहयोग की अपील** बच्चों की शैक्षिक प्रगति में अभिभावकों की भूमिका को महत्वपूर्ण मानते हुए उन्हें भी जागरूक किया जा रहा है। अभिभावकों से अपेक्षा की गई है कि वे घर में बच्चों के अध्ययन के लिए सकारात्मक माहौल तैयार करें, उन्हें नियमित पढ़ाई के लिए प्रेरित करें और उनकी शैक्षिक प्रगति पर लगातार नजर रखें। **स्कूल की पढ़ाई और घर के स्वाध्याय के बीच बनेगा बेहतर तालमेल** जनपद में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों के बीच स्टडी टेबल वितरण की यह पहल विद्यालय में होने वाली पढ़ाई और घर पर किए जाने वाले स्वाध्याय के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इससे विद्यार्थियों में नियमित अध्ययन की संस्कृति विकसित होने के साथ उनकी शैक्षिक उपलब्धियों में भी सुधार की उम्मीद है। स्टडी टेबल बच्चों के लिए सिर्फ एक सुविधा नहीं, बल्कि पढ़ाई के लिए अपना स्थान, नियमितता की नई आदत और बेहतर भविष्य की ओर बढ़ता एक महत्वपूर्ण कदम है।

डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन की पहल से सरकारी स्कूलों के बच्चों में नियमित अध्ययन की आदत विकसित करने का प्रयास

'केमिस्ट्री ऑफ सीमेंट एंड ब्लेंडेड सीमेंट के उपयोग' पर तकनीकी व्याख्यान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में दिनांकः 22 अगस्त, 2026 द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), उत्तर प्रदेश राज्य केंद्र, लखनऊ द्वारा दिनांक 22 अगस्त, 2026 को इंजीनियर्स भवन, रिवर बैंक कॉलोनी, लखनऊ में 'केमिस्ट्री ऑफ सीमेंट एंड यूज़ ऑफ ब्लेन्डेड सीमेंट' विषय पर एक महत्वपूर्ण तकनीकी व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अभियंताओं एवं तकनीकी क्षेत्र से जुड़े प्रतिभागियों को सीमेंट की रासायनिक संरचना, उसके प्रमुख घटकों, सीमेंट के गुणों तथा निर्माण कार्यों में ब्लेंडेड सीमेंट के प्रभावी उपयोग से संबंधित नवीन एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। वर्तमान समय में टिकाऊ, गुणवत्तापूर्ण एवं पर्यावरण-अनुकूल निर्माण को बढ़ावा देने में ब्लेंडेड सीमेंट की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता इं. वी.

पी. सिंह, चेयरमैन, द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), उत्तर प्रदेश राज्य केंद्र, लखनऊ द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि 'केमिस्ट्री ऑफ सीमेंट एंड यूज़ ऑफ ब्लेन्डेड सीमेंट' वर्तमान निर्माण क्षेत्र का एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक विषय है। उन्होंने कहा कि सीमेंट की रासायनिक संरचना एवं उसके गुणों की सही समझ के साथ-साथ ब्लेन्डेड सीमेंट के उपयोग से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, टिकाऊपन एवं पर्यावरणीय स्थिरता को बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने अभियंताओं से नवीन तकनीकों एवं आधुनिक निर्माण सामग्री के उपयोग को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने मुख्य वक्ता के व्याख्यान की सराहना करते हुए कहा कि संस्था भविष्य में भी ऐसे ज्ञानवर्धक एवं तकनीकी कार्यक्रमों का निरंतर आयोजन करती रहेगी।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में इं. मुर्गेश भुस्ताली, पूर्व सहायक कार्यकारी निदेशक, डालमिया सीमेंट चेन्नई ने सीमेंट की रासायनिक प्रकृति, उसके विभिन्न घटकों तथा निर्माण कार्यों में उनके प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ब्लेंडेड सीमेंट की अवधारणा, उसके प्रकार, उपयोगिता एवं निर्माण क्षेत्र में इसके लाभों की जानकारी देते हुए बताया कि उपयुक्त प्रकार के सीमेंट का चयन निर्माण की गुणवत्ता, मजबूती, टिकाऊपन तथा दीर्घकालीन प्रदर्शन के लिए अत्यंत आवश्यक है। मुख्य वक्ता ने विभिन्न व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रतिभागियों को सीमेंट के चयन, उपयोग एवं गुणवत्ता संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं से अवगत कराया तथा टिकाऊ एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण में ब्लेंडेड सीमेंट की उपयोगिता पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम के संयोजक इं. जे.बी. सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस प्रकार के तकनीकी व्याख्यान अभियंताओं के तकनीकी ज्ञान को अद्यतन करने तथा उन्हें आधुनिक निर्माण तकनीकों एवं सामग्री के उपयोग से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन इं. जे.बी. सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के मानद सचिव इं. एन.के. निषाद ने मुख्य वक्ता, अध्यक्ष, सभी अभियंताओं, शिक्षाविदों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्टेनोग्राफर्स महासंघ की मांगों पर रक्षा मंत्री के ओएसडी ने दिया समाधान का आश्वासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश सरकार स्टेनोग्राफर्स महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष राजकुमार एवं प्रांतीय महामंत्री पंकज कुमार तिवारी, जवाहर भवन इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ के महामंत्री सुशील कुमार अच्छा उपाध्यक्ष अमित शुक्ला और संगठन मंत्री दिनेश सिंह ने भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) के.पी. सिंह से मुलाकात कर महासंघ की लंबित मांगों के संबंध में विस्तार से अवगत कराया। महासंघ के पदाधिकारियों ने बताया कि शासन स्तर पर हुई विभिन्न बैठकों में महासंघ के पांच सूत्रीय मांगपत्र में से चार मांगों पर लगातार सहमति बनती रही है। इन मांगों को लेकर 11 अप्रैल 2025 को मुख्य सचिव समिति, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा भी अनुमोदन प्रदान किया जा चुका है। इसके बाद वित्त विभाग द्वारा संबंधित प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद के अनुमोदन के लिए जून 2025 में भेज दिया गया था।

महासंघ के पदाधिकारियों के अनुसार, प्रस्ताव भेजे जाने के करीब एक वर्ष बीत जाने के बावजूद अभी तक मंत्रिपरिषद की बैठक में इस पर अंतिम अनुमोदन नहीं हो सका है। इससे स्टेनोग्राफर्स संवर्ग में असंतोष बना हुआ है। मुलाकात के दौरान महासंघ ने के.पी. सिंह से मांगों के शीघ्र निस्तारण के लिए प्रभावी हस्तक्षेप का अनुरोध किया। इस पर रक्षा मंत्री के विशेष कार्य अधिकारी ने तत्काल संबंधित विषय पर पत्र लिखने के साथ ही व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास कर प्रकरण का समाधान कराने का आश्वासन दिया। महासंघ के पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि रक्षा मंत्री के स्तर से किए जा रहे प्रयासों के बाद उनकी लंबित मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय होगा और लंबे समय से प्रतीक्षित प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद से मंजूरी मिल सकेगी।

फ़ोटो0001

डॉ. आरपी वर्मा ने स्वास्थ्य सेवा को जनसेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताया

राजीव गांधी की जयंती पर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

बिसवां, सीतापुर। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष डॉ. आरपी वर्मा की ओर से ग्राम कौवा खेड़ा में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सैकड़ों ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और चिकित्सकीय परामर्श का लाभ लिया। इस अवसर पर डॉ. आरपी वर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा जनसेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। जरूरतमंद लोगों तक चिकित्सा सुविधा पहुंचाना और उन्हें स्वस्थ रहने के प्रति जागरूक करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर आयोजित यह शिविर जनसेवा के संकल्प को समर्पित है। शिविर में जरूरतमंद मरीजों को निशुल्क दवाइयां वितरित की गई तथा ग्रामीणों को बीमारियों से बचाव और बेहतर स्वास्थ्य के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने शिविर की सराहना करते हुए इसे जरूरतमंद लोगों के लिए उपयोगी पहल बताया।

कर्ज और कुर्की की कथित चेतावनी से परेशान 75 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

शारदा सहायक नहर में मिला शव, नहर किनारे चप्पल, गमछा और डंडा बरामद; परिजनों ने बैंक कर्मचारियों पर लगाए गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के महमूदाबाद से बेहद दुखद खबर सामने आई है। कोतवाली महमूदाबाद क्षेत्र में शुक्रवार से लापता 75 वर्षीय बुजुर्ग नत्था पुत्र मुसाहिब का शव शारदा सहायक नहर से बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। नहर किनारे उनकी चप्पल, गमछा और डंडा मिलने के बाद परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई थी।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर कदीम निवासी नत्था शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे घर से पैंतेपुर बाजार जाने की बात कहकर निकले थे। देर शाम तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच पैंतेपुर के 98 पुल के पास शारदा सहायक नहर के किनारे उनकी चप्पल, गमछा और डंडा बरामद हुआ। इसके बाद नहर में तलाश शुरू की गई, जहां बुजुर्ग का शव बरामद हुआ। मृतक

के पुत्र अनवर ने आरोप लगाया कि करीब 10-12 दिन पहले भूमि विकास बैंक के कुछ कर्मचारी उनके घर आए थे।

कथित तौर पर उन्होंने कर्ज जल्द चुकाने और ऐसा न करने पर घर व जमीन कुर्क किए जाने की चेतावनी दी थी। परिजनों के मुताबिक करीब 20 हजार रुपये का कर्ज बढ़कर लगभग 1.40 लाख रुपये हो गया था। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राम हैबतपुर निवासी उदित वर्मा ने कथित तौर पर नत्था की जमीन पर ऋण निकलवाया था, जिसका भुगतान नहीं किया गया। कर्ज बढ़ने और कथित धमकियों के चलते बुजुर्ग मानसिक तनाव में थे। परिजनों को आशंका है कि इसी परेशानी के चलते उन्होंने नहर में कूदकर आत्मघाती कदम उठाया।

घटना के बाद मृतक के चार बेटों और परिवार में कोहराम मचा हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पैंतेपुर चौकी प्रभारी संजय सिंह के अनुसार मामले में प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ है और पुलिस जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही बुजुर्ग की मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। साथ ही परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है।

पुराने मामले में मौलाना रईस के दोनों बेटों पर कार्रवाई

महमूदाबाद- सीतापुर। कोतवाली महमूदाबाद क्षेत्र से जुड़े एक पुराने मामले में मरकज़ के इमाम मौलाना रईस के दोनों बेटों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस द्वारा दोनों को गिरफ्तार किए जाने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से अदालत के आदेश पर उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेजे जाने की जानकारी सामने आई है? बताया जा रहा है कि मामला पूर्व में दर्ज मुकदमे से संबंधित है। मामले की जांच और कानूनी प्रक्रिया पहले से चल रही थी। इसी क्रम में कोतवाली महमूदाबाद पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश किया। न्यायालय के आदेश के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। हालांकि, प्रकरण को लेकर संबंधित पक्ष का पक्ष अभी सामने नहीं आया है। पुलिस और न्यायालयी कार्रवाई के बाद मामले में आगे क्या स्थिति बनती है, यह आगामी कानूनी प्रक्रिया के बाद स्पष्ट होगा।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली से किशोरी बरामद,पॉक्सो एक्ट की धाराएं बढ़ाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी थाना पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने और दुष्कर्म के मामले में नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस के मुताबिक, 24 जुलाई को किशोरी की बहन ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि बब्बू सिंह उसकी करीब 17 वर्षीय बहन को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर किशोरी की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमें गठित की गई थीं।

पुलिस टीमों ने तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के साथ स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से किशोरी और आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने 20 अगस्त को किशोरी को नई दिल्ली से बरामद कर लिया। इसके बाद शनिवार को मुकदमे में नामजद आरोपी बब्बू सिंह (18) पुत्र श्रवण उर्फ श्रवन कुमार, निवासी ग्राम चकदहा, थाना कलवारी, जिला बस्ती को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, मामले में बीएनएस की संबंधित धाराओं के साथ पॉक्सो एक्ट की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक सुबोध कुमार और कांस्टेबल राजकुमार शामिल रहे।

एंटी करप्शन टीम की कार्रवाई के विरोध में लेखपालों का हल्ला बोल, थाना समाधान दिवस का किया बहिष्कार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। अयोध्या के सोहावल तहसील में एंटी करप्शन ऑर्गेनाइजेशन द्वाराय एक लेखपाल को कथित तौर पर गलत तरीके से फंसाए जाने के विरोध में सीतापुर जनपद के महमूदाबाद में लेखपाल संघ ने मोर्चा खोल दिया है। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर 22 अगस्त को लेखपालों ने तहसील मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया और थाना समाधान दिवस का पूर्ण रूप से बहिष्कार किया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर निष्पक्ष जांच की मांग महमूदाबाद उपशाखा के लेखपाल संघ ने तहसील प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपकर एसीओ की इस 'अनुचित ट्रैप कार्रवाई' पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। संघ का कहना

है कि इस घटना से पूरे प्रदेश के लेखपाल संवर्ग में भारी आक्रोश और असुरक्षा का माहौल पनप गया है। लेखपालों ने अयोध्या के सोहावल तहसील में तैनात लेखपाल उत्कर्ष दीप के मामले का हवाला देते हुए मांग की है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की एक निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही, जो भी इस मामले में दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई हो।

'अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए निर्दोष को फंसाया'

महमूदाबाद लेखपाल संघ के अध्यक्ष रमाकांत रावत ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश कार्यकारिणी के निर्देश पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक यह एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया है। उन्होंने कहा, 'हमारे साथी उत्कर्ष दीप को गलत तरीके से ट्रैप करके उन पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसके विरोध में पूरे प्रदेश की तहसीलों में आज समाधान दिवस का बहिष्कार कर धरना दिया जा रहा है। वहीं, संघ के महामंत्री पूर्णेन्द्र प्रकाश ने एंटी करप्शन टीम पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण संगठन ने महज़ अपनी 'टीआरपी' बढ़ाने के लिए उनके साथी को जबरन पैसा देकर फंसाया है। उन्होंने इसे एक गैर-कानूनी और अनुचित कृत्य बताते हुए कहा कि इससे लेखपालों के मान-सम्मान को गहरी ठेस पहुंची है।

मोहब्बते रसूल और मोहब्बते अहले बैत हर इंसान के लिए अनिवार्य

सरकार दो आलम से मोहब्बत करना ही हमारा ईमान है:- सैयद फुरकान वहीद हाशमी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर स्थानीय दरगाह हाफिज असलम मियां में 12 दिवसीय चल रहे जश्ने ईद मिलादुन्नबी के सिलसिले में आयोजित महफिले मिलाद को संबोधित करते हुए सज्जादा नशीन हाजी सैयद फुरकान वहीद हाशमी ने कहा कि अल्लाह और उसके रसूल और अहले बैत से सच्ची मोहब्बत करना ही ईमानदार होने की निशानी है, दूसरों के दुखों को समझना और उनसे अच्छे आचरण का व्यवहार करना ज़रूरी है जिससे लोग हमसे जुड़ेंगे और हमसे मिलकर अच्छी बातों का साझा भी करेंगे औलिया अल्लाह ने जो शिक्षा यानी तालीम दी है उस पर पूरी तरह से हमें अमल करना होगा तभी हमारा समाज बेहतर बनेगा क्योंकि जिसका आचरण अच्छा होता है

वहीं अच्छा मनुष्य कहलाता है। घर वालों और बाहर के लोगों से अच्छे व्यवहार को रखना चाहिए बल्कि तमाम जिंदगी ऐसी ही गुजारनी चाहिए।इसके बाद आपके सुपुत्र सैयद फरमान मियां चिश्ती हाशमी ने सलाम पेश किया और सज्जादा नशीन ने मुल्क में अमन और शांति कायम रहे इसके लिए दुआ भी की इस अवसर पर सैकड़ो की तादाद में लोग मौजूद थे। जिसमें मुख्य रूप से मजा शाह कलंदर लहरपुर के सज्जादा नशीन सैय्यद गयास मियां के अलावा मुतवल्ली दरगाह सैय्यद नवेद असलम हाशमी,सैय्यद फरहान मियां,सैय्यद फरजान मियां, क़ारी इस्लाम अहमद आरफी,क़ारी फ़य्याज़ चिश्ती सैय्यद शुजा रिज़वी मौजूद थे। महफिले मीलाद का क्रम इस्लामी माह की पहली तारीख से प्रारंभ है जो निरंतर 12 तारीख तक चलता रहेगा।

किसानों के धरने से गरजी मोहनलालगंज कोतवाली, एसीपी के लिखित आश्वासन पर खत्म हुआ प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। अवैध कब्जेदारी, अवैध खनन, किसानों के उत्पीड़न और क्षेत्र में बढ़ती चोरी व अपराध की घटनाओं के विरोध में शनिवार को भारतीय किसान क्रांति यूनियन के पदाधिकारियों और सैकड़ों किसानों ने मोहनलालगंज कोतवाली परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। किसानों ने पुलिस की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए इंस्पेक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर नारेबाजी की। काफी देर चले प्रदर्शन के बाद एसीपी के लिखित आश्वासन पर किसान शांत हुए और धरना समाप्त कर दिया। भारतीय किसान क्रांति यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि मिश्रा के निर्देश पर जिलाध्यक्ष अनुरेंद्र कुमार 'अनु' के नेतृत्व में किसान कोतवाली पहुंचे। प्रदर्शन में जिला सचिव अशोक यादव, प्रदेश प्रवक्ता अनिल वर्मा त्रिवेदी, सूरज वर्मा समेत बड़ी संख्या में किसान नेता और कार्यकर्ता शामिल रहे। किसानों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में दबंगों द्वारा जमीनों पर जबरन कब्जे किए जा रहे हैं। वहीं अवैध खनन की शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। किसानों का कहना था कि समस्याओं के समाधान के लिए उन्हें

अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

पुलिस की कार्यशैली पर जताई नाराजगी धरने के दौरान किसानों ने पुलिस की कार्यशैली को लेकर भी नाराजगी जताई। यूनियन पदाधिकारियों का आरोप था कि किसानों और संगठन के लोगों के साथ पुलिस ने उचित व्यवहार नहीं किया, जिससे आक्रोश बढ़ा। प्रदर्शनकारी इंस्पेक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे।

एसीपी ने किसानों को दिया लिखित आश्वासन सूचना पर मोहनलालगंज एसीपी राजेश कुमार सिंह और गोसाईंगंज एसीपी ऋषभ यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एसीपी राजेश कुमार सिंह ने किसानों की समस्याएं सुनीं और संबंधित पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। किसानों के विरोध के बीच उन्होंने इंस्पेक्टर रामबाबू सिंह को मामले में गंभीरता से कार्रवाई के निर्देश दिए और शिकायतों की निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया। एसीपी ने लिखित आश्वासन दिया कि जमीन पर जबरन कब्जे की शिकायतों के निस्तारण के लिए पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित की जाएगी। इसके साथ ही भारतीय किसान क्रांति यूनियन के पदाधिकारियों की टीम भी बनाई जाएगी, जो संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय कर जमीनी विवादों के निस्तारण में सहयोग करेगी। अधिकारियों ने अवैध कब्जेदारी और अवैध खनन की शिकायतों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिया।

सोमवार को मौके पर होगी जांच अधिकारियों के आश्वासन के बाद तय हुआ कि सोमवार को पुलिस टीम, राजस्व टीम और किसान क्रांति यूनियन के पदाधिकारी संबंधित स्थल पर पहुंचकर जमीनी विवाद की जांच करेंगे और निस्तारण की कार्रवाई शुरू करेंगे। इसके बाद किसानों ने धरना समाप्त कर दिया। धरने के दौरान कोतवाली परिसर में पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि तय समय में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो यूनियन दोबारा आंदोलन करने को मजबूर होगी।

....अवैध कब्जे, खनन और किसानों के उत्पीड़न के खिलाफ सैकड़ों किसानों ने किया प्रदर्शन, सोमवार को संयुक्त टीम करेगी जमीन विवाद की जांच।

पति और प्रेमी के साथ रहने पर अड़ी विवाहिता, मामला पहुंचा कोतवाली

दोनों के साथ एक ही छत के नीचे रहने की गुहार, पति और प्रेमी दोनों सहमत, ससुराल पक्ष ने किया बेदखल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर आमतौर पर 'पति, पत्नी और वो' के त्रिकोण में पारिवारिक विवाद या अपराध की खबरें सामने आती हैं, लेकिन सीतापुर जनपद के महमूदाबाद क्षेत्र से रिश्तों की मर्यादा और सामाजिक ताने-बाने को चौंका देने वाला एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक विवाहिता अपने पहले पति और दूसरे पति (कथित प्रेमी) दोनों के साथ एक ही छत के नीचे रहने की जिद पर अड़ गई है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि पति और प्रेमी दोनों ही एक-दूसरे के साथ भाई जैसे संबंध बताते हुए महिला के साथ रहने पर पूरी तरह सहमत हैं। यह अजीबोगरीब मामला अब महमूदाबाद कोतवाली पहुंच गया है। **मांग में दोनों के नाम का सिंदूर** महमूदाबाद के फुलवारीपुर गांव की रहने वाली अंजू देवी जब अपने पति शुभम वर्मा, प्रेमी नितिन शर्मा और अपने दो मासूम बच्चों आराध्या और तनु के साथ कोतवाली

पहुंचीं, तो पुलिसकर्मी भी सन्न रह गए। महिला की मांग में गहरा सिंदूर भरा हुआ था। जब पत्रकारों और पुलिस ने पूछा कि यह सिंदूर किसके नाम का है, तो महिला ने बेबाकी से जवाब दिया– 'यह सिंदूर दोनों के नाम का है। मैं अपने पति और नितिन, दोनों से प्यार करती हूं और दोनों के साथ ही रहूंगी।' **ऑटो की मुलाकात से मंदिर में विवाह तक** महिला के अनुसार, कुछ माह पूर्व महमूदाबाद में बच्चों की पढ़ाई की सामग्री लेने के दौरान उसकी मुलाकात उनेरा निवासी नितिन शर्मा से एक ऑटो में हुई थी। इसके बाद दोनों में बातचीत शुरू हुई और प्रेम परवान चढ़ गया। महिला का दावा है कि उसने मंदिर में नितिन के साथ विवाह कर लिया और इसकी जानकारी उसके पति व ससुराल पक्ष को भी थी। **पति बोला— 'मुझे कोई ऐतराज नहीं, हम सब साथ रहेंगे' मामले** में सबसे चौंकाने वाला पक्ष महिला के पति शुभम वर्मा का रहा। शुभम ने बताया कि शुरुआत में उसने विरोध किया और काफी मानसिक तनाव झेला, लेकिन बाद में उसने अपनी पत्नी की खुशी के लिए इस रिश्ते को स्वीकार कर लिया। शुभम का कहना है कि उसे पत्नी के दूसरे पति के साथ रहने पर कोई आपत्ति नहीं है। वहीं, राजस्थान में सीएनसी ऑपरेटर का काम करने वाले नितिन ने भी कहा कि वह शुभम को अपना भाई मानता है और दोनों बच्चे उनके अपने हैं, वे पांचों एक साथ परिवार की तरह रहना चाहते हैं। **ससुराल पक्ष ने किया बेदखल, कोतवाली में लगाई न्याय की गुहार** विवाद उस समय शुरू हुआ जब शुभम के परिवार (बहनों व अन्य परिजनों) ने इस रिश्ते को सामाजिक रूप से अस्वीकार्य बताते हुए तीनों को घर में रखने से इनकार कर दिया और उन्हें घर से बेदखल कर दिया। इसके बाद तीनों मासूम बच्चों को लेकर कोतवाली पहुंचे। महिला ने पुलिस से गुहार लगाते हुए कहा कि मकान का बीच का हिस्सा उनकी अपनी मेहनत की कमाई से बना है, इसलिए उन्हें वहां रहने दिया जाए। यदि परिवार रहने नहीं देता है, तो उनका सामान वापस दिलवाया जाए ताकि वे बाहर रहकर अपना जीवन यापन कर सकें। फिलहाल, पुलिस पूरे प्रकरण को लेकर दोनों पक्षों की बात सुन रही है और मामले में विधिक पहलुओं की जांच की जा रही है। वहीं, क्षेत्र में 'मांग एक, सिंदूर दो' की यह अनोखी कहानी पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

संपादकीय

जीवन बर्बाद कर सकते है सोशल मीडिया पर मौजूद शिकारी

लडकियों को सोशल मीडिया का उपयोग बहुत सावधानी से करना चाहिए। यहां प्यार दोस्ती का जाल बिछाए बहुत सारे शिकारी बैठे हुए हैं जो दिनरात मीठी मीठी बातों के जाल में नादान लडकियों को फंसाने के लिए जाल फेंकते है सोशल मीडिया का असंयमित उपयोग कई किशोरियों और युवतियों के मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-सम्मान और वास्तविक जीवन को बर्बाद कर रहा है, हालांकि इसे पूरी पीढ़ी की बर्बादी कहना अतिशयोक्ति हो सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलने वाली कृत्रिम चमक और तुलना की संस्कृति गंभीर मानसिक दबाव पैदा कर रही है।सोशल मीडिया पर अजनबी लोगों से दोस्ती करने के बाद कई बार लड़कियां ऑनलाइन धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग और साइबर अपराध का शिकार हो जाती हैं। लोग झूठी पहचान बनाकर भरोसा जीतते हैं और बाद में निजी जानकारी का गलत इस्तेमाल करते हैं। इससे मानसिक तनाव और सामाजिक नुकसान होता है।धोखेबाज असली नाम या तस्वीर छिपाकर गलत पहचान बनाते हैं। निजी तस्वीरें या वीडियो हासिल करके पैसों की मांग करना। महंगे उपहार या विदेश भेजने के नाम पर पैसे ऐंठना। प्यार और शादी का झूठा वादा करके भरोसा तोड़ना। पिछले कुछ वर्षों के दौरान 'फेसबुक', 'इंस्टाग्राम' और 'स्नैपचैट' जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर चंद युवक-युवतियों द्वारा आपस में दोस्ती करने का रुझान बढ़ गया है जिसे 'ऑनलाइन फ्रैंडशिप' कहा जाता है। इनके जरिए युवक दोस्ती के नाम पर अपनी ऑनलाइन फ्रैंड्स को धोखा देने, उनका यौन शोषण करने और ब्लैकमेल करके पैसे वसूलने में भी संकोच नहीं करते जिससे उनकी चाल में फंसने वाली युवतियों की जिंदगियां तबाह हो रही हैं। हाल ही में सुर्खियों में रही कुछ वारदातों का जायजा करिए 6 जनवरी को 'पालघर' (महाराष्ट्र) में एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को 'इंस्टाग्राम' पर प्रेम जाल में फंसा कर अगवा करने, महीनों तक उसका यौन शोषण करने तथा घटना का वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक के विरुद्ध केस दर्ज किया।12 जनवरी को 'पाली' (राजस्थान) की एक नाबालिगा से सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती करने के बाद एक युवक उसे दिल्ली ले आया और किराए के मकान में रखकर उसका कई बार शोषण किया। जब लड़की ने उससे शादी करने के लिए कहा तो उसे पीटा गया। पुलिस ने नाबालिगा की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध 'पोक्सो एक्ट' के तहत केस दर्ज किया। 5 मई को 'सीकर' (राजस्थान) में एक महिला ने अपने 'ऑनलाइन फ्रेंड' पर शादी का झूठा वादा कर उससे बलात्कार करने और उसे जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।20 जून को 'बेंगलुरु' (कर्नाटक) में पुलिस ने एक व्यक्ति को एक महिला से ऑनलाइन दोस्ती करके उसे किराए पर कमरा दिलाने के बहाने एक लॉज में ले जाकर उससे बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया।23 जून को 'बुराड़ी' (दिल्ली) में एक महिला ने अपने 'ऑनलाइन फ्रेंड' के विरुद्ध रील बनाने के बहाने उसे एक होटल में बुला कर उससे बलात्कार करने और घटना का वीडियो बना कर उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई । 16 जुलाई को 'कोलकाता' (पश्चिम बंगाल) में एक महिला ने अपने 'ऑनलाइन फ्रेंड' पर उसे डरा-धमका कर उससे बलात्कार करने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। 5 अगस्त को 'बुलंदशहर' (उत्तर प्रदेश) में एक युवती ने राजस्थान के एक युवक के विरुद्ध उसके साथ 'इंस्टाग्राम' के जरिए दोस्ती करने के बाद उसे नशीली पेस्ट्री खिलाकर बेहोश करके उसके साथ बलात्कार करने और घटना का अश्लील वीडियो बना कर ब्लैकमेल करके लाखों रुपए वसूलने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। 6 अगस्त को 'नागपुर' (महाराष्ट्र) में 'इंस्टाग्राम' पर दोस्ती के बाद एक नाबालिगा को बंधक बना कर अपने पास रखने और उसका यौन उत्पीड़न करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया। 6 अगस्त को ही 'ग्वालियर' (मध्य प्रदेश) में एक युवती ने 'इंस्टाग्राम' पर बने दोस्त के विरुद्ध उसे नौकरी दिलाने के बहाने 'मुरैना' के एक होटल में ले जाकर उससे बलात्कार करने के आरोप में शिकायत दर्ज करवाई। 12 अगस्त को 'सूरत' (गुजरात) में पुलिस ने एक युवक को एक महिला से सोशल मीडिया पर दोस्ती करने के बाद डरा-धमका कर उससे कई बार बलात्कार करने और उसका वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर 36 तोले सोना व नकदी वसूल करने के आरोप में गिरफ्तार किया। और अब 16 अगस्त को 'नई दिल्ली' में एक मेकअप आर्टिस्ट महिला को उसके 'ऑनलाइन फ्रेंड' द्वारा काम दिलाने और शादी का झांसा देकर नशीला पदार्थ पिलाकर बलात्कार करने का मामला सामने आया है। उक्त घटनाओं से स्पष्ट है कि जवानी के जोश में सोशल मीडिया के जरिए युवकों से दोस्ती करना किस कदर खतरनाक हो सकता है। अत: महिलाओं को सावधानी बरतने की जरूरत है। सोशल मीडिया के जरिए ऑनलाइन रिश्तों में फंसकर कई युवतियां भावनात्मक, आर्थिक और शारीरिक शोषण का शिकार हो रही हैं। फर्जी पहचान, धोखेबाजी और ब्लैकमेलिंग के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जिससे कई बार पीड़िताओं की निजी जिंदगी और मानसिक स्थिति पूरी तरह तबाह हो जाती है।सोशल मीडिया पर किसी भी अजनबी की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें।व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रखें: अपना फोन नंबर, पता या वित्तीय विवरण ऑनलाइन साझा न करें।अगर बात करें भी, तो सामने वाले की सच्चाई की पूरी जांच करें।तुरंत शिकायत करें: किसी भी तरह की धमकी मिलने पर तुरंत परिवार को बताएं और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें।

मनोज कुमार अग्रवाल

अतिक्रमण का जाल और रेंगती आम आदमी की जिंदगी

राजीव शुक्ला -(संपादक)

शहरों की पहचान केवल ऊंची इमारतों, चौड़ी सड़कों और चमकते बाजारों से नहीं होती। किसी शहर की असली तस्वीर उसकी सड़कों, फुटपाथों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर दिखाई देती है। जब यही सार्वजनिक स्थान अतिक्रमण की गिरफ्त में आ जाते हैं, तो विकास की चमक के पीछे आम आदमी की जिंदगी धीरे-धीरे रेंगने लगती है। अतिक्रमण आज केवल सड़क किनारे दुकान लगाने या फुटपाथ पर सामान रखने तक सीमित समस्या नहीं रह गया है। सड़क की जमीन पर कब्जा, नालियों के ऊपर निर्माण, फुटपाथों पर स्थायी दुकानें, पार्किंग के नाम पर सार्वजनिक स्थानों का इस्तेमाल और गलियों तक में फैलते अवैध निर्माण ने शहरों की व्यवस्था को प्रभावित किया है। इसका सबसे बड़ा खामियाजा उस नागरिक को भुगतना पड़ता है, जिसके पास न ताकत है, न प्रभाव और न ही व्यवस्था से लगातार संघर्ष करने का समय।

सड़कें छोटी, समस्याएं बड़ी

अतिक्रमण का सबसे सीधा असर यातायात पर पड़ता है। जिस सड़क का निर्माण वाहनों और पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए हुआ था, उसका एक बड़ा हिस्सा दुकानों, ठेलों, पार्किंग या निर्माण सामग्री की भेंट चढ़ जाता है। परिणामस्वरूप सड़क की उपयोगी चौड़ाई कम होती जाती है और यातायात का दबाव बढ़ता जाता है। कुछ किलोमीटर की दूरी तय करने में घंटों लगना अब कई शहरों में असामान्य नहीं है। वाहन ईंधन जलाते रहते हैं, लोग समय गंवाते हैं और प्रदूषण बढ़ता रहता है। इस पूरी व्यवस्था की कीमत अंतत: आम आदमी ही चुकाता है।

फुटपाथ गायब, पैदल यात्री परेशान

फुटपाथ का उद्देश्य पैदल चलने वालों को सुरक्षित रास्ता देना है। लेकिन जब फुटपाथ पर दुकानें, वाहन, विज्ञापन बोर्ड और अस्थायी निर्माण कब्जा कर लेते हैं, तो पैदल यात्री सड़क पर चलने के लिए मजबूर हो जाता है। बुजुर्ग, बच्चे, महिलाएं और दिव्यांग नागरिक ऐसी स्थिति में सबसे अधिक परेशान होते हैं। सड़क पर चलते पैदल यात्री और तेज रफ्तार वाहनों का टकराव दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ाता है। सवाल यह है कि जिस नागरिक के लिए फुटपाथ बनाया गया, उसे आखिर उसी फुटपाथ से हटने के लिए क्यों मजबूर होना पड़े?

जलभराव की समस्या को बढ़ाता अतिक्रमण

अतिक्रमण का एक गंभीर और अक्सर नजरअंदाज किया जाने वाला परिणाम जलभराव है। नालियों और जलनिकासी के रास्तों पर निर्माण होने से बारिश का पानी अपना प्राकृतिक रास्ता नहीं पा पाता। कई जगह नालियां ढक दी जाती हैं या उनका आकार इतना छोटा कर दिया जाता है कि पानी का प्रवाह बाधित होने लगता है। बारिश होते ही सड़कें तालाब में बदल जाती हैं। घरों और दुकानों में पानी घुसता है, यातायात ठप होता है और नागरिकों को घंटों परेशानी उठानी पड़ती है। हर वर्ष जलभराव के बाद सफाई और नाला खुदाई की कवायद होती है, लेकिन यदि जलनिकासी के रास्तों पर कब्जे कायम रहें तो समस्या स्थायी रूप से कैसे समाप्त होगी?

अतिक्रमण और भ्रष्टाचार का सवाल

अतिक्रमण केवल प्रशासनिक कमजोरी का परिणाम है या इसके पीछे किसी स्तर पर मिलीभगत भी है—यह सवाल बार-बार उठता है। किसी सड़क या सार्वजनिक जमीन पर एक दिन में स्थायी कब्जा नहीं हो जाता। पहले अस्थायी कब्जा होता है, फिर वह धीरे-धीरे स्थायी रूप लेता है और अंतत: नागरिक उसे सामान्य स्थिति मानने लगते हैं।

यदि नियम स्पष्ट हैं और सरकारी जमीन की निगरानी होती है तो वर्षों तक अवैध निर्माण कैसे खड़े रहते हैं? यदि कार्रवाई होती है तो कुछ समय बाद वही स्थान फिर अतिक्रमण से कैसे भर जाते हैं?

इन सवालों का जवाब केवल छोटे दुकानदार या ठेले वाले को दोषी ठहराकर नहीं दिया जा सकता। व्यवस्था को यह भी देखना होगा कि अतिक्रमण को पनपने का अवसर कौन देता है और कार्रवाई के बाद उसे दोबारा खड़ा होने से कौन रोकता है।

रोजगार बनाम व्यवस्था—समस्या का कठिन पक्ष

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का दूसरा पहलू भी है। बड़ी संख्या में छोटे दुकानदार, रेहड़ी-पटरी वाले और फुटपाथ पर कारोबार करने वाले लोग अपनी आजीविका के लिए सार्वजनिक स्थानों पर निर्भर हैं। अचानक सामान हटाने से उनकी रोजी-रोटी प्रभावित होती है। इसलिए समाधान केवल बुलडोजर या जबरन हटाने में नहीं है। प्रशासन को व्यवस्थित वेंडिंग जोन, वैकल्पिक बाजार और पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था विकसित करनी होगी। गरीब की रोजी भी बचे और सार्वजनिक रास्ता भी—यह संतुलन ही वास्तविक प्रशासनिक सफलता होगी।

कानून सबके लिए समान होना चाहिए

अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई में सबसे बड़ी आवश्यकता समानता की है। यदि गरीब की छोटी दुकान हटाई जाए लेकिन प्रभावशाली व्यक्ति का बड़ा अवैध निर्माण वर्षों तक खड़ा रहे, तो नागरिकों का कानून और प्रशासन पर विश्वास कमजोर होता है। कानून का अर्थ तभी है जब वह बिना भेदभाव लागू हो। सड़क पर कब्जा करने वाला चाहे छोटा दुकानदार हो या बड़ा कारोबारी, सार्वजनिक जमीन पर अवैध निर्माण करने वाला चाहे कोई भी हो—नियम सभी पर समान रूप से लागू होने चाहिए।

शहर केवल वाहनों के लिए नहीं हैं

शहरी नियोजन में अक्सर सड़क चौड़ी करने, फ्लाईओवर बनाने और यातायात बढ़ाने पर जोर दिया जाता है, लेकिन पैदल चलने वाले नागरिक की जरूरतों को उतना महत्व नहीं मिलता। वास्तव में स्वस्थ शहर वह है जहां व्यक्ति सुरक्षित पैदल चल सके, सार्वजनिक परिवहन तक आसानी से पहुंच सके और बारिश के दिनों में जलभराव से न जूझे। अतिक्रमण हटाना केवल सड़क खाली कराने का अभियान नहीं होना चाहिए। यह शहर को नागरिकों के लिए वापस हासिल करने की प्रक्रिया होनी चाहिए।

आम आदमी की जिंदगी कब तेज चलेगी?

आज आम नागरिक का बड़ा हिस्सा अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में अनावश्यक समय यातायात, जाम, पार्किंग और जलभराव में गंवा देता है। जिस दूरी को कुछ मिनटों में पूरा होना चाहिए, वह घंटों में पूरी होती है। यही वह स्थिति है जिसे कहा जा सकता है—शहर बढ़ रहे हैं, लेकिन आम आदमी की जिंदगी रेंग रही है। अतिक्रमण की समस्या का स्थायी समाधान राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक ईमानदारी और बेहतर शहरी नियोजन से ही संभव है। केवल अभियान चलाकर तस्वीर नहीं बदलेगी। अतिक्रमण हटाने के बाद उस स्थान का नियमित निरीक्षण, डिजिटल रिकॉर्ड, स्पष्ट पार्किंग नीति, व्यवस्थित वेंडिंग जोन और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करनी होगी। सड़कें जनता की हैं, फुटपाथ जनता के हैं, नालियां जनता के लिए हैं और सार्वजनिक जमीन भी जनता की संपत्ति है। जब इन पर कब्जा होता है तो नुकसान केवल सरकार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का होता है। जरूरत इस बात की है कि शहरों को अतिक्रमण मुक्त करने की मुहिम को केवल दिखावटी कार्रवाई न बनाया जाए। प्रशासन को गरीब की आजीविका और नागरिकों के अधिकार—दोनों के बीच संतुलन कायम करना होगा। तभी शहरों की सड़कें खुलेंगी, जलभराव घटेगा, यातायात सुधरेगा और सबसे महत्वपूर्ण—आम आदमी की जिंदगी रेंगने के बजाय आगे बढ़ सकेगी।

सुनीता विलियम्स से शुभांशु शुक्ला तक; अंतरिक्ष में भारत की बढ़ती ताकत ने दुनिया का ध्यान खींचा

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर भारत की अंतरिक्ष यात्रा केवल चंद्रमा तक पहुंचने की कहानी नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, वैज्ञानिक क्षमता और अंतरिक्ष में बढ़ते वैश्विक प्रभाव की कहानी है। 23 अगस्त भारत के लिए केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं, बल्कि देश की वैज्ञानिक उपलब्धियों और अंतरिक्ष में बढ़ते आत्मविश्वास का प्रतीक है। 23 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर ने चंद्रमा की सतह पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रचा। भारत चंद्रमा पर उतरने वाला दुनिया का चौथा देश बना और दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के पास पहुंचने वाला पहला देश बना। इसी ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस भारत की उस लंबी यात्रा को याद करने का अवसर है, जो सीमित संसाधनों से शुरू होकर आज अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सहयोग और मानव अंतरिक्ष उड़ान की महत्वाकांक्षा तक पहुंच चुकी है। भारत की अंतरिक्ष यात्रा की चर्चा सुनीता विलियम्स के बिना भी पूरी नहीं होती। भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स ने अमेरिकी अंतरिक्ष कार्यक्रम में अपनी असाधारण उपलब्धियों से पूरी दुनिया में पहचान बनाई। अमेरिकी नौसेना की अधिकारी और पायलट के रूप में लंबा अनुभव हासिल करने के बाद उन्होंने नासा के अंतरिक्ष यात्री दल में प्रवेश किया। उन्होंने भौतिक विज्ञान में स्नातक और इंजीनियरिंग मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री हासिल की। हेलीकॉप्टर और फिक्स्ड-विंग विमान उड़ाने का व्यापक अनुभव रखने वाली सुनीता ने तीन अंतरिक्ष मिशनों में हिस्सा लिया और अपने करियर में 600 से अधिक दिन अंतरिक्ष में बिताए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की कमान भी संभाली और कई स्पेसवॉक किए। उनकी उपलब्धियां भारतीय मूल के युवाओं के लिए लंबे समय से प्रेरणा का स्रोत रही हैं। सुनीता विलियम्स की उपलब्धियों के बाद अब भारतीय अंतरिक्ष इतिहास में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का नाम एक नए अध्याय के रूप में सामने आया। 25 जून 2025 को वह एक्सिओम-4 मिशन के पायलट के रूप में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे। इसके साथ वह आईएसएस तक पहुंचने वाले पहले भारतीय बने। वह अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय नागरिक हैं। उनसे पहले 1984 में राकेश शर्मा ने सोवियत मिशन के साथ अंतरिक्ष की यात्रा की थी। शुभांशु शुक्ला की यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण रही क्योंकि यह केवल एक अंतरिक्ष यात्रा नहीं थी, बल्कि भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए वास्तविक अनुभव हासिल करने का अवसर भी बनी। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर शुभांशु शुक्ला ने करीब 18 दिन बिताए और भारत से जुड़े कई वैज्ञानिक प्रयोगों में हिस्सा लिया। सूक्ष्मगुरुत्व वातावरण में किए गए इन प्रयोगों में टार्डिग्रेड, मांसपेशियों पर अंतरिक्ष के प्रभाव, मेथी और मूंग के बीजों के अंकुरण, साइनोबैक्टीरिया तथा सूक्ष्म शैवाल जैसे विषय शामिल थे। इन प्रयोगों से मिले परिणाम भविष्य के भारतीय मानव अंतरिक्ष अभियानों के लिए उपयोगी हो सकते हैं। इस मिशन ने यह भी दिखाया कि भारत अब अंतरिक्ष यात्रियों को केवल दूसरे देशों के मिशनों के माध्यम से अंतरिक्ष तक पहुंचाने की स्थिति में नहीं रहना चाहता, बल्कि अपनी मानव अंतरिक्ष क्षमता विकसित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत की यह उपलब्धि अचानक नहीं आई। इसकी नींव उस समय रखी गई थी जब देश के पास संसाधन सीमित थे, लेकिन वैज्ञानिकों के सपने बहुत बड़े थे। 19 अप्रैल 1975 को आर्यभट्ट उपग्रह के प्रक्षेपण से भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई दिशा मिली। इसके बाद भारत ने संचार, मौसम, पृथ्वी अवलोकन, दूरसंचार और नेविगेशन जैसे क्षेत्रों में अपनी क्षमताएं विकसित कीं। इसरो ने धीरे-धीरे ऐसी तकनीक तैयार की जिसने भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया और दुनिया के सामने उसकी अलग पहचान स्थापित की। मंगलयान भारत की अंतरिक्ष यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव रहा। 2013 में लॉन्च हुआ यह मिशन भारत की अंतरग्रहीय क्षमता का प्रतीक बना। इसके बाद चंद्रयान-1 और चंद्रयान-2 ने चंद्रमा के अध्ययन को आगे बढ़ाया। चंद्रयान-3 ने इन प्रयासों को ऐतिहासिक सफलता में बदल दिया। विक्रम लैंडर की सफल सॉफ्ट लैंडिंग और प्रज्ञान रोवर के वैज्ञानिक प्रयोगों ने दुनिया को दिखाया कि भारत जटिल अंतरिक्ष अभियानों को सीमित लागत और संसाधनों में भी सफलतापूर्वक पूरा करने की क्षमता रखता है। चंद्रमा के बाद भारत ने सूर्य की ओर भी अपनी नजरें बढ़ाईं। आदित्य-एल1 मिशन सूर्य के अध्ययन की दिशा में भारत का महत्वपूर्ण कदम है। जनवरी 2024 में इसे सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के एल1 बिंदु के आसपास की कक्षा में स्थापित किया गया। इस मिशन के जरिए वैज्ञानिक सूर्य की गतिविधियों और अंतरिक्ष मौसम को समझने की कोशिश कर रहे हैं। इससे साफ है कि भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा अब केवल चंद्रमा तक सीमित नहीं है। देश ग्रहों, तारों और अंतरिक्ष के व्यापक रहस्यों को समझने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत का अगला बड़ा लक्ष्य मानव अंतरिक्ष उड़ान है। गगनयान कार्यक्रम इसी महत्वाकांक्षा का सबसे बड़ा प्रतीक है। भारत अपने अंतरिक्ष यात्रियों को स्वदेशी तकनीक के माध्यम से अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए भारतीय वायुसेना के चयनित परीक्षण पायलटों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। शुभांशु शुक्ला का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचना इस तैयारी के लिए महत्वपूर्ण अनुभव लेकर आया है। यदि गगनयान मिशन सफल होता है तो भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा जिनके पास अपने नागरिकों को स्वदेशी क्षमता से अंतरिक्ष में भेजने की क्षमता है। अंतरिक्ष कार्यक्रम का महत्व केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। आज अंतरिक्ष तकनीक आम नागरिक के जीवन से सीधे जुड़ चुकी है। मौसम की जानकारी, कृषि, आपदा प्रबंधन, संचार, नेविगेशन, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे की निगरानी में उपग्रहों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम देश की आर्थिक और सामाजिक विकास यात्रा का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। अंतरिक्ष तकनीक का उपयोग जितना बढ़ेगा, उतना ही इसका प्रभाव आम लोगों के जीवन पर दिखाई देगा। भारत की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रतिष्ठा भी लगातार मजबूत हुई है। नासा के साथ सहयोग, विदेशी उपग्रहों के प्रक्षेपण, चंद्र और मंगल मिशन तथा मानव अंतरिक्ष उड़ान की तैयारियों ने भारत को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष समुदाय में महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। निसार मिशन भारत और अमेरिका के बढ़ते अंतरिक्ष सहयोग का उदाहरण है। यह साझेदारी बताती है कि भारत अब केवल अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम को आगे बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक वैज्ञानिक सहयोग में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस नई पीढ़ी के सपनों से भी जुड़ा है। इस दिवस का उद्देश्य केवल चंद्रयान-3 की सफलता का उत्सव मनाना नहीं, बल्कि बच्चों और युवाओं में विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान के प्रति रुचि पैदा करना भी है। आर्यभट्ट से चंद्रयान-3 और वहां से गगनयान तक की यात्रा बताती है कि वैज्ञानिक सपनों को निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास के साथ वास्तविकता में बदला जा सकता है। आज भारत के सामने सवाल यह नहीं है कि वह अंतरिक्ष में पहुंच सकता है या नहीं। चंद्रयान-3, आदित्य-एल1 और शुभांशु शुक्ला की यात्रा इसका जवाब दे चुकी है। अब सवाल यह है कि भारत अंतरिक्ष में कितनी दूर तक जाएगा।

सुनीता विलियम्स का लंबा अंतरिक्ष करियर भारतीय मूल की प्रतिभा की वैश्विक पहचान का उदाहरण है, जबकि शुभांशु शुक्ला की यात्रा भारत की अपनी बढ़ती क्षमता का संकेत है। आर्यभट्ट से शुरू हुई यह यात्रा चंद्रमा की सतह तक पहुंची, सूर्य के अध्ययन तक आगे बढ़ी, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंची और अब भारतीय मानव अंतरिक्ष उड़ान के सपने की ओर बढ़ रही है। यह केवल अंतरिक्ष की कहानी नहीं, बल्कि बदलते भारत की कहानी है।

कांतिलाल मांडोत

प्रतापगढ़ के उत्कृष्ट पाण्डेय ने जैविक एवं प्राकृतिक खेती से आत्मनिर्भरता की बनायी बड़ी मिसाल

प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में धारणीय कृषि (Sustainable Agriculture), मृदा स्वास्थ्य संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण तथा कृषकों की आर्थिक समृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जैविक एवं प्राकृतिक खेती को प्राथमिकता के आधार पर निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर निर्भरता घटाकर पारंपरिक तथा पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को मुख्यधारा में स्थापित करने के लिए अनेक दूरगामी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया है। इन नीतिगत पहलों के परिणामस्वरूप प्रदेश में विषमुक्त, सुरक्षित खाद्यान्न उत्पादन और कृषि लागत में कमी की एक नई कार्यसंस्कृति विकसित हो रही है। राज्य सरकार के इन प्रयासों का प्रत्यक्ष और सकारात्मक प्रभाव जनपदों में धरातल पर स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा है। इसी क्रम में जनपद प्रतापगढ़ अंतर्गत विकास खण्ड मंगरौरा के ग्राम भदौना निवासी युवा कृषक उत्कृष्ट पाण्डेय ने जैविक कृषि मॉडल को अपनाकर न केवल अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है, बल्कि वे समूचे क्षेत्र के काश्तकारों के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरे हैं। उनकी सफलता इस तथ्य को पुष्ट करती है कि आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सटीक प्रबंधन और प्रकृति-अनुकूल सोच के साथ की गई खेती सम्मानजनक आय तथा आत्मनिर्भरता का एक सशक्त माध्यम है। उत्कृष्ट पाण्डेय ने लगभग एक दशक पूर्व पैरामिलिट्री में राजपत्रित अधिकारी पद की सेवा छोड़कर गृह जनपद लौटने और कृषि को पूर्णकालिक व्यवसाय बनाने का साहसिक निर्णय लिया। उन्होंने पारंपरिक रासायनिक खेती के स्थान पर पूर्णत: जैविक कृषि को अपनाया और 'ऋषि ग्राम ऑर्गेनिक्स मण्डल' की स्थापना की। वर्तमान में वे समन्वित कृषि प्रणाली, पौध उत्पादन, मूल्य संवर्धन और विपणन के जरिए प्रतिवर्ष 10 से 12 लाख रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं। रासायनिक आदानों (केमिकल इनपुट) के दुष्प्रभावों को देखते हुए उन्होंने अपने फार्म को एक समग्र जैविक मॉडल के रूप में विकसित किया है। फार्म पर मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए जीवामृत, घनजीवामृत और कम्पोस्ट का नियमित प्रयोग किया जा रहा है, जिससे भूमि में जैविक कार्बन का स्तर सुधरा है। यहां मौसमी खाद्यान्न, दलहन, तिलहन और औषधीय फसलों का चक्रानुक्रम में उत्पादन किया जा रहा है। प्रतापगढ़ के इस कृषि मॉडल की प्रमुख उपलब्धियों में सफेद चन्दन का रोपण शामिल है। फार्म परिसर में लगभग 2500 सफेद चन्दन के वृक्ष रोपित किए गए हैं, जो दीर्घकालिक निवेश की दृष्टि से अत्यंत लाभकारी हैं। चन्दन की स्थानीय स्तर पर उपलब्धता सुनिश्चित करने और अन्य काश्तकारों को जोड़ने के लिए परिसर में ही उच्च गुणवत्तायुक्त पौधशाला भी विकसित की गई है, जहाँ से क्षेत्रीय किसानों को प्रामाणिक पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। औषधीय फसलों के विविधीकरण के अंतर्गत लगभग दो एकड़ क्षेत्रफल में पीली, काली एवं कस्तूरी हल्दी की सघन खेती की जा रही है। औषधीय गुणों से युक्त इन विशिष्ट प्रजातियों की बाजार में अत्यधिक मांग रहती है और सामान्य हल्दी की तुलना में बेहतर मूल्य प्राप्त होता है। उत्कृष्ट पाण्डेय द्वारा स्थानीय स्तर पर किसानों को इन प्रजातियों के शुद्ध बीज भी सुलभ कराए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र में औषधीय कृषि का दायरा बढ़ रहा है। उत्पादन के साथ-साथ मूल्य संवर्धन और प्रसंस्करण को आय वृद्धि का मुख्य आधार बनाया गया है। फार्म पर उत्पादित फसलों को प्रसंस्कृत कर 'ऋषि ग्राम' ब्रांड के तहत विपणन किया जा रहा है। प्रमुख उत्पादों में गुणवत्तापूर्ण हल्दी पाउडर, बिलौना घी, आंवला मुरब्बा, काला नमक चावल और अरहर दाल शामिल हैं। इन प्रसंस्कृत उत्पादों की मांग जनपद एवं प्रदेश के साथ-साथ अन्य राज्यों के बाजारों में भी निरंतर बनी हुई है। यह फार्म अब केवल उत्पादन इकाई तक सीमित न रहकर काश्तकारों के लिए एक व्यावहारिक शिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है। क्षेत्रीय कृषक यहां जैविक पोषण तैयार करने, पौधशाला प्रबंधन, औषधीय फसलों के रोपण और प्राथमिक प्रसंस्करण की बारीकियां सीखने पहुंचते हैं। नियमित तकनीकी संवाद और अनुभवों के आदान-प्रदान से आसपास के कई किसान जैविक विधियों को अपनाने के लिए अग्रसर हुए हैं। राज्य स्तर पर जैविक कृषि के विस्तार के लिए 'नमामि गंगे योजना' के अंतर्गत सघन अभियान संचालित किया जा रहा है। गंगा नदी के प्रवाह क्षेत्र वाले जनपदों में दोनों तटों पर विशेष जैविक कृषि क्लस्टरों का गठन कर किसानों को प्राकृतिक विधियों से आच्छादित किया गया है। इसका उद्देश्य जलग्रहण क्षेत्र में रासायनिक अपवाह को रोककर उपजाऊ कछारी भूमि की प्राकृतिक उर्वरता को सुरक्षित रखना तथा नदी की निर्मलता बनाए रखना है। केंद्र और प्रदेश सरकार के समन्वय से संचालित 'परंपरागत कृषि विकास योजना' और 'राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन' के माध्यम से क्लस्टर आधारित कृषि को वित्तीय व तकनीकी संबल प्रदान किया जा रहा है। किसानों को वर्मीकम्पोस्ट इकाइयों के निर्माण तथा प्राकृतिक पोषण घटकों के उपयोग हेतु सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। समस्त देय लाभ एवं प्रोत्साहन धनराशि को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिए सीधे कृषकों के बैंक खातों में अंतरित किया जा रहा है। ग्रामीण स्तर पर जैविक आदानों (ऑर्गेनिक इनपुट) की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बायो-इनपुट रिसोर्स केंद्रों की स्थापना की जा रही है। इन केंद्रों के माध्यम से किसानों को गुणवत्तापूर्ण जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत और वानस्पतिक कीटनाशक उचित दरों पर उपलब्ध हो रहे हैं, जिससे उन्हें निजी स्तर पर जटिल संसाधन जुटाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। जैविक उत्पादों की प्रामाणिकता और विपणन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 'पार्टिसिपेटरी गारंटी सिस्टम' (पीजीएस-इंडिया) प्रमाणीकरण प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के माध्यम से किसानों को बड़े बाजारों, खुदरा श्रृंखलाओं, प्रसंस्करण उद्योगों और सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ा जा रहा है, जिससे मध्यस्थों की भूमिका समाप्त हो रही है और उपज का प्रीमियम मूल्य प्राप्त हो रहा है। प्रमाणित उत्पादों की सुगम बिक्री के लिए प्रदेश के प्रमुख नगरों में जैविक हाट और विशिष्ट विक्रय केंद्रों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। कृषि विज्ञान केंद्रों और प्रसार तंत्र के माध्यम से किसानों को निरंतर समसामयिक तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वे स्थानीय जलवायु और बाजार की मांग के अनुरूप फसल चक्र निर्धारित कर सकें। प्रदेश में लागू इन सुविचारित नीतियों के फलस्वरूप कृषि क्षेत्र में व्यापक संरचनात्मक सुधार दर्ज हो रहा है। रासायनिक खादों के विकल्प के रूप में प्राकृतिक आदानों के प्रयोग से उत्पादन लागत में उल्लेखनीय गिरावट आई है और प्रति हेक्टेयर शुद्ध लाभ में वृद्धि हुई है। साथ ही, भूमि में जैविक कार्बन का संवर्धन होने से जल-धारण क्षमता और मित्र कीटों की संख्या में सुधार हुआ है। जनपद प्रतापगढ़ में उत्कृष्ट पाण्डेय जैसे प्रगतिशील काश्तकारों द्वारा स्थापित किए गए सफल मॉडल यह स्पष्ट करते हैं कि यदि शासकीय योजनाओं, तकनीकी प्रशिक्षण और उद्यमिता का सही समन्वय हो, तो कृषि युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बन सकती है। प्रदेश सरकार की यह समग्र नीति राज्य को धारणीय कृषि, मृदा संरक्षण और आर्थिक समृद्धि के पथ पर तेजी से आगे बढ़ा रही है।

सूचनाधिकारी जनपद प्रतापगढ़ / डॉ0 सीमा गुप्ता (से0नि0 सहा0निदे0)

मेष : आज जल्दबाजी में कोई नया काम शुरू करने से बचें। भावनात्मक तनाव रह सकता है। कार्यस्थल पर धैर्य से काम लें। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय करें।

वृषभ : परिवार और साझेदारी से जुड़े मामलों में संतुलन बनाए रखें। कारोबार में नए अवसर मिल सकते हैं। खर्च पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मिथुन : कार्यक्षमता और संवाद क्षमता बढ़ेगी। महत्वपूर्ण काम पूरे होने के योग हैं। नौकरी-व्यवसाय में लाभ मिल सकता है। क्रोध और जल्दबाजी से बचें।

कर्क: कामकाज में सुधार के अवसर मिलेंगे। किसी पुराने मामले का समाधान हो सकता है। परिवार का सहयोग मिलेगा। आर्थिक फैसले सावधानी से लें।

सिंह : आत्मविश्वास बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र में आपकी बात को महत्व मिलेगा। नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में सुख-शांति रहेगी।

कन्या : मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च से बचें। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें।

तुला : करियर में आपकी बुद्धिमत्ता और कार्यकुशलता की सराहना होगी। रुके काम पूरे हो सकते हैं। धन लाभ के अवसर मिलेंगे। दिन सकारात्मक रहेगा।

वृश्चिक : भावनाओं में बहकर निर्णय लेने से बचें। कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा।

धनु : भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में लाभ के योग हैं। मित्रों और रिश्तेदारों से सहयोग मिलेगा।

मकर : धैर्य और अनुशासन से काम लेने पर सफलता मिलेगी। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखें।

कुंभ : नई योजनाओं पर काम शुरू करने का अवसर मिल सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। गलत संगति से दूर रहें और अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान दें।

मीन : पुराने काम पूरे होने से राहत मिलेगी। परिवार और संतान का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों की प्रशंसा मिल सकती है।

आर्थिक स्थिति बेहतर होने के संकेत हैं। आज निर्णय लेते समय धैर्य और संयम बनाए रखें। छोटी बातों को लेकर तनाव लेने से बचें।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

घर से कॉलेज जाने निकली छात्रा प्रेमी संग फरार, अपहरण का केस दर्ज

सहजनवा। गोरखपुरः सहजनवा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 21 वर्षीय छात्रा कॉलेज जाने के लिए घर से निकली और देर रात तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। बाद में जानकारी हुई कि गांव का ही एक युवक उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। परिजनों के अनुसार छात्रा क्षेत्र के एक महाविद्यालय में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा है। वह 20 अगस्त को सुबह करीब 11 बजे कॉलेज जाने की बात कहकर घर से निकली थी। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रिश्तेदारों और परिचितों के यहां भी जानकारी ली गई, लेकिन छात्रा का सुराग नहीं मिला। खोजबीन के दौरान परिजनों को पता चला कि गांव का ही धनश्याम यादव छात्रा को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। इसके बाद परिजनों ने सहजनवा थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी धनश्याम यादव के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस छात्रा की तलाश के साथ ही मामले की जांच में जुटी है। पुलिस का कहना है कि छात्रा के बरामद होने के बाद उसके बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्थानांतरण समायोजन सूची जारी करने की मांग को लेकर 23 अगस्त से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेंगे शिक्षामित्र

19 माह बाद भी शिक्षामित्रों को नहीं मिली मूल विद्यालय वापसी

अम्बेडकरनगर। शिक्षामित्र शिक्षक संघ अम्बेडकर नगर द्वारा शिक्षामित्रों के स्थानांतरण समायोजन, मूल विद्यालय वापसी की सूची जारी करने की मांग को लेकर 23 अगस्त 2026 से जिला मुख्यालय स्थित डाक्टर भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। शिक्षामित्र शिक्षक संघ अम्बेडकर नगर के जिला अध्यक्ष व शिक्षामित्र केयर समिति अम्बेडकर नगर के जिला संयोजक राम चन्दर मौर्य ने कहा कि 19 माह पूर्व जनवरी 2025 में शिक्षामित्रों के स्थानांतरण समायोजन का शासना देश जारी हुआ था। लेकिन अभी तक शिक्षामित्रों के स्थानांतरण समायोजन मूल विद्यालय वापसी की प्रक्रिया 19 माह बाद भी पूरी नहीं हुई। शिक्षामित्र शिक्षक संघ अम्बेडकर नगर द्वारा पूर्व में 1अगस्त 2026 को धरना प्रदर्शन के दौरान 15 अगस्त 2026 तक सूची जारी करने का आश्वासन दिया गया था। लेकिन आज तक शिक्षामित्रों के स्थानांतरण समायोजन मूल विद्यालय वापसी की सूची जारी नहीं की गई। सूची जारी न होने से जनपद के शिक्षामित्रों में नाराजगी बढ़ी हुई है। उन्होंने कहा कि सूची जारी करने की मांग को लेकर 23 अगस्त 2026 से स्थानांतरण समायोजन सूची जारी होने तक अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा। जिलाध्यक्ष जिला संयोजक राम चन्दर मौर्य ने कहा कि शिक्षामित्रों के हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। स्थानांतरण सूची जारी होने तक शिक्षामित्रों का आन्दोलन जारी रहेगा। जिलाध्यक्ष जिला संयोजक राम चन्दर मौर्य ने जनपद के शिक्षामित्रों से अपने हक अधिकार की मांग को लेकर हो रहे धरना-प्रदर्शन में शामिल होने की अपील किया है।

एक सप्ताह से अंधेरे में लछमनपुर के ग्रामीण, फ्यूज उड़ने के बाद भी नहीं जागा बिजली विभाग

जेई का फोन नहीं लगने से ग्रामीणों में आक्रोश, उमस भरी गर्मी में परेशान हैं लोग; जिम्मेदारों की कार्यशैली पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

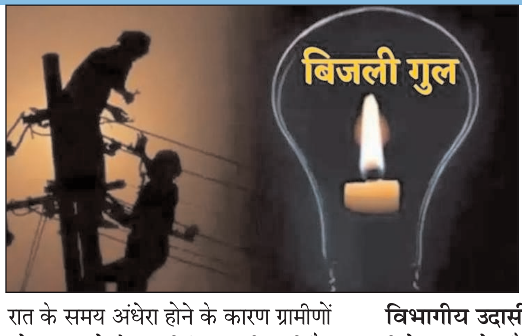

बलरामपुर तुलसीपुर। तहसील तुलसीपुर क्षेत्र के ग्राम रमवापुर के मजरा लछमनपुर में विद्युत विभाग की लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां करीब एक सप्ताह पहले बिजली का फ्यूज उड़ जाने के बाद से ग्रामीण अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि लगातार सूचना देने के बावजूद विभागीय कर्मचारियों ने अब तक फ्यूज नहीं जोड़ा, जिससे गांव की बिजली व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित है। ग्रामीणों के मुताबिक फ्यूज उड़ने के बाद से पूरे मजरे में विद्युत आपूर्ति बाधित है। उमस भरी गर्मी के बीच बिजली नहीं होने से लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। घरों में लगे पंखे, कूलर और अन्य विद्युत उपकरण बंद पड़े हैं। सबसे अधिक परेशानी बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को उठानी पड़ रही है। रात के समय अंधेरा होने के कारण ग्रामीणों को सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रहती है।

शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई ग्रामीणों का कहना है कि विद्युत आपूर्ति बाधित होने की जानकारी संबंधित विभागीय कर्मचारियों और जिम्मेदार अधिकारियों को दी गई, लेकिन इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया। ग्रामीणों ने संबंधित जेई से संपर्क करने का भी प्रयास किया, लेकिन उनका मोबाइल नंबर लगातार नहीं लग रहा है। ऐसे में ग्रामीण अपनी समस्या किस अधिकारी तक पहुंचाएं, यह भी उनके लिए परेशानी का कारण बना हुआ है।

विभागीय उदासीनता पर उठे सवाल

ग्रामीणों का आरोप है कि मामूली तकनीकी खराबी को ठीक करने में भी विभाग को करीब एक सप्ताह का समय लग रहा है। यदि फ्यूज जैसी छोटी समस्या के समाधान में इतनी देरी होगी तो बड़े विद्युत फाल्ट की स्थिति में विभाग की कार्यप्रणाली का अंदाजा लगाया जा सकता है। ग्रामीणों ने कहा कि बिजली का बिल समय से जमा करने के बावजूद उपभोक्ताओं को मूलभूत सुविधा के लिए विभाग के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों से लगाई गुहार

लछमनपुर के ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों से मामले का तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव की बिजली आपूर्ति जल्द बहाल नहीं हुई तो वे संबंधित अधिकारियों के कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने मांग की है कि मौके पर विद्युत कर्मियों को भेजकर फ्यूज तत्काल जोड़ा जाए और भविष्य में ऐसी समस्या उत्पन्न होने पर त्वरित कार्रवाई के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों को निर्देशित किया जाए। अब देखना यह है कि करीब एक सप्ताह से अंधेरे में रहने को मजबूर ग्रामीणों की समस्या पर विद्युत विभाग कब तक कार्रवाई करता है।

चोरी के सामान के साथ दो महिलाएं गिरफ्तार, मंगलसूत्र-पायल और नकदी बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। एम्स थाना पुलिस ने चोरी के अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी का मंगलसूत्र, पायल और 1700 रुपये नकद बरामद किए हैं। दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन, क्षेत्राधिकारी कैंट के पर्यवेक्षण और थानाध्यक्ष एम्स महेंद्र कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम 21 अगस्त को मिशन शक्ति अभियान के तहत क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान दो संदिग्ध महिलाओं को पुलिस ने रोककर पूछताछ और तलाशी ली।

तलाशी के दौरान उनके कब्जे से एक मंगलसूत्र लॉकेट सहित पीली धातु, एक जोड़ी पायल सफेद धातु तथा 1700 रुपये नकद बरामद हुए। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान शालू उर्फ निमकी पत्नी सिकम उर्फ विभीषण तथा सोहाना उर्फ पूजा पत्नी देव उर्फ मालिक खरवार के रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से टिपुरा कालोनी, बेहया भोजपुर, बिहार की निवासी हैं और वर्तमान में डोमिनगढ़ थाना तिवारीपुर क्षेत्र में रह रही थीं। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर एम्स थाने में मु0अ0सं0 262/2026, धारा 303(2) व 317(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस दोनों महिलाओं से पूछताछ कर बरामद सामान के संबंध में आगे की जानकारी जुटा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष महेंद्र कुमार पाण्डेय, चौकी प्रभारी सोनबरसा उपनिरीक्षक नितेश कुमार राय, कांस्टेबल प्रमोद कुमार तथा महिला आरक्षी श्वेता अग्निहोत्री और सुमित्रा शामिल रहीं।

खजनी बीडीओ रमेश शुक्ला को चरगांवा और ब्रह्मपुर का अतिरिक्त प्रभार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जिलाधिकारी गोरखपुर के अनुमोदन के बाद विकास खंडों में खंड विकास अधिकारियों के प्रभार में बदलाव किया गया है। जारी आदेश के अनुसार खजनी के खंड विकास अधिकारी रमेश शुक्ला को चरगांवा विकास खंड का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं, चरगांवा की मूल तैनाती के साथ उन्हें ब्रह्मपुर विकास खंड का भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। आदेश में संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नया प्रभार ग्रहण कर खंड विकास अधिकारी एवं कार्यक्रम अधिकारी के दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि अतिरिक्त प्रभार संभालने के एवज में अधिकारियों को किसी प्रकार का अतिरिक्त वेतन या भत्ता देय नहीं होगा।

प्रशासनिक स्तर पर किए गए इस बदलाव के बाद संबंधित विकास खंडों में विकास योजनाओं, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और ग्रामीण विकास कार्यों की निगरानी की जिम्मेदारी बढ़ गई है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे तत्काल प्रभाव से अपने अतिरिक्त दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें। आदेश का अनुपालन कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

श्रीरामलीला समिति की बैठक में नई कार्यकारिणी गठित, नंदलाल गुप्ता अध्यक्ष चुने गए

सुरियावां। श्रीरामलीला समिति सुरियावां की महत्वपूर्ण बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में आगामी श्रीरामलीला कार्यक्रम को भव्य और व्यवस्थित ढंग से आयोजित कराने को लेकर पदाधिकारियों ने विचार-विमर्श किया। अध्यक्ष पद के लिए हुई चर्चा के बाद सर्वसम्मति से पूर्व चेयरमैन नंदलाल गुप्ता को समिति का नया अध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने समिति के सदस्यों का आभार जताते हुए रामलीला की ऐतिहासिक परंपरा को और बेहतर ढंग से आगे बढ़ाने की बात कही। बैठक में आगामी रामलीला कार्यक्रम की तैयारियों, व्यवस्थाओं और धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि इस वर्ष रामलीला को श्रद्धालुओं के लिए आकर्षक और व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष अवधेश कुमार उमर वैश्य, अशोक कुमार उमर, गुड्डू समेत समिति के अन्य पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

एंटी करप्शन कार्रवाई के विरोध में लेखपालों का प्रदर्शन, एसडीएम को ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवां/गोरखपुरः एंटी करप्शन एवं विजिलेंस द्वारा लेखपालों के खिलाफ की जा रही ट्रैप कार्रवाई के विरोध में शनिवार को सहजनवा तहसील के लेखपालों ने तहसील मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। तहसील लेखपाल संघ के अध्यक्ष दिग्विजयनाथ यादव के नेतृत्व में प्रदर्शन कर रहे लेखपालों ने कार्रवाई को अनुचित, फर्जी एवं दुर्भावनापूर्ण बताते हुए तत्काल रोक लगाने की मांग की। प्रदर्शन के बाद लेखपालों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी सहजनवा नमन मेहता को सौंपा। ज्ञापन में अयोध्या की सोहावल तहसील में लेखपाल के विरुद्ध हुई कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई। लेखपाल संघ ने कहा कि मामले की जांच पुलिस विभाग से अलग किसी स्वतंत्र एजेंसी अथवा एसआईटी से कराई जानी चाहिए, ताकि वास्तविक तथ्यों का सामने आ सकें। लेखपालों ने मांग की कि किसी भी लेखपाल के खिलाफ ट्रैप कार्रवाई से पहले शिकायत की सत्यता की गहनता से जांच हो। साथ ही शिकायतकर्ता की पृष्ठभूमि, संबंधित लेखपाल से उसकी रंजिश, निजी स्वार्थ तथा शिकायत के उद्देश्य की भी विस्तृत जांच को अनिवार्य किया जाए। संघ का कहना है कि बिना समुचित जांच के कार्रवाई होने से कर्मचारियों में भय और असुरक्षा का माहौल बन रहा है। प्रदर्शन में लेखपाल चंद्र प्रकाश पांडेय, संजय वर्मा, सौरभ श्रीवास्तव, लोकेश कुमार, लेखपाल सुभ्रा दुबे, फहमीन शाहिद, राहुल श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार, शिवम मौर्य समेत बड़ी संख्या में लेखपाल मौजूद रहे।

खजनी ब्लॉक को मिली नई खंड विकास अधिकारी, सुप्रिया ने संभाला कार्यभार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी गोरखपुर खजनी विकासखंड को शनिवार को नई खंड विकास अधिकारी (क्ष्छ्ह) मिलीं। सुप्रिया ने आज खजनी ब्लॉक पहुंचकर खंड विकास अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण किया। उनके कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही संबंधित आदेश भी आज जारी हुआ।

मदन मोहन मालवीय और गोरखपुर विवि से हुई है शिक्षा

2017 बैच की अधिकारी सुप्रिया ने अपनी पढ़ाई दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर से की है। इससे पहले वह कैंपियरगंज ब्लॉक में खंड विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत रह चुकी हैं। कार्यभार संभालने के बाद बीडीओ सुप्रिया ने खजनी ब्लॉक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि जनता से जुड़े सभी कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि फरियाद लेकर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की बात सुनी जाएगी और पात्र लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए गंभीरता से कार्य किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों से समयबद्ध तरीके से काम करने और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बीडीओ सुप्रिया के सामने अब खजनी क्षेत्र की जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण और विकास कार्यों को गति देना प्रमुख चुनौती होगी।

कैंपियरगंज के बाद अब खजनी की कमान प्रशासनिक अनुभव की बात करें तो इससे पहले सुप्रिया कैंपियरगंज ब्लॉक में खंड विकास अधिकारी के पद पर अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। कैंपियरगंज में उनके कार्यकाल और बेहतर कार्यशैली को देखते हुए अब उन्हें खजनी ब्लॉक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। **कार्यभार संभालते ही कर्मियों को सख्त निर्देश** चार्ज लेने के पहले ही दिन बीडीओ सुप्रिया एक्शन मोड में नजर आई। उन्होंने खजनी ब्लॉक के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने साफ शब्दों में सख्त निर्देश दिए कि कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी लोग समय से दफ्तर आएं और पूरी पारदर्शिता के साथ काम करें।

बेखौफ रफ्तार का कहरः स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार घायल, चालक फरार

हादसे के बाद मौके पर गिरी नंबर प्लेट, पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इटियाथोक गोंडा। थाना क्षेत्र के भवानीपुर उपाध्याय चौराहे पर तेज रफ्तार और अनियंत्रित स्कॉर्पियो की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक मौके से वाहन लेकर फरार हो गया। घटना ने सड़क पर वाहन चालकों की मनमानी और तेज गति से वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार भवानीपुर उपाध्याय निवासी जगप्रसाद शुक्ल मोटरसाइकिल से खरगूपुर जा रहे थे। इसी दौरान स्कॉर्पियो वाहन संख्या क्32 स्न्ङ्ग 5501 ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से भाग निकला। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल को तत्काल उपचार के लिए सीएचसी खरगूपुर पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत को देखते हुए गोंडा रेफर कर दिया, जहां उनका उपचार चल रहा है। दुर्घटना के बाद स्कॉर्पियो की नंबर प्लेट भी टूटकर मौके पर गिर गई। मौके पर मिली नंबर प्लेट से दुर्घटना में शामिल वाहन की पहचान करने में पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है। घटना की सूचना स्थानीय थाना इटियाथोक को दे दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर कई वाहन चालक तेज रफ्तार से वाहन चलाते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ सख्ती बरतने और प्रमुख चौराहों पर यातायात व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है। इस संबंध में थाना प्रभारी इटियाथोक ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

घाटमपुर में बनेगा मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय

कानपुर ग्रामीण। घाटमपुर की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विधायक सरोज कुरील ने बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह से मुलाकात की। इस दौरान विद्यालयों के समायोजन और नए मॉडल विद्यालय की स्थापना को लेकर चर्चा हुई। मंत्री ने बताया कि प्रदेश में 50 से कम नामांकन वाले विद्यालयों का ही समायोजन किया जाएगा। वहीं घाटमपुर के तिराहा पट्टी में करीब 1500 विद्यार्थियों की क्षमता वाला मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय स्थापित किए जाने की योजना है। प्रस्तावित विद्यालय में विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाएं और बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। विधायक ने क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस, महिला सुरक्षा होगी सर्वोच्च प्राथमिकताः एसपी मार्तंड प्रकाश सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
रमेश कुमार यादव

बलरामपुर। जनपद के नवागत पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों से शिष्टाचार भेंट कर जनपद की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिस की आगामी कार्ययोजना को लेकर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपराधियों के खिलाफ पुलिस का रुख सख्त रहेगा और आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। प्रेस वार्ता में एसपी ने कहा कि जनपद में अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सभी थाना प्रभारियों को सघन गश्त, वाहन चेकिंग और रात्रिकालीन पेट्रोलिंग बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। हिस्ट्रीशीटर, टॉप-10 अपराधी, वांछित एवं वारंटी अभियुक्त पुलिस के रडार पर रहेंगे। इनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ऑपरेशन त्रिनेत्र को और प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया। जनसहयोग से अधिक से अधिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके और घटनाओं के बाद उनकी पहचान में भी मदद मिले।

महिला सुरक्षा पर विशेष जोर एसपी मार्तंड प्रकाश सिंह ने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मिशन शक्ति के तहत एंटी रोमियो टीम, महिला हेल्प डेस्क और शक्ति दीदी टीम को सक्रिय किया गया है। थानों में स्थापित महिला हेल्प डेस्क पर महिला पुलिसकर्मियों की 24 घंटे ड्यूटी सुनिश्चित की गई है। महिला संबंधी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही महिलाओं को 1090 व 112 जैसी आपातकालीन सेवाओं के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। **शिकायतों का समयबद्ध होगा निस्तारण** जनसुनवाई और आईजीआरएस से प्राप्त शिकायतों को लेकर भी एसपी ने अधिकारियों को गंभीरता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। शिकायतों के निस्तारण की नियमित समीक्षा भी की जाएगी, जिससे फरियादियों को अनावश्यक रूप से अधिकारियों के चक्कर न लगाने पड़ें। **गांव-गांव होगी चौपाल, साइबर अपराध पर भी नजर** एसपी ने कम्युनिटी पुलिसिंग को मजबूत करने की बात कही। पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय के लिए गांव-गांव चौपाल लगाने के साथ व्यापारियों, ग्राम प्रधानों और संभ्रांत नागरिकों के साथ गोष्ठियां आयोजित की जाएंगी। वहीं बढ़ते साइबर अपराधों को लेकर 1930 साइबर हेल्पलाइन का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। जनपद में साइबर क्राइम थाना और सभी थानों पर साइबर हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई है। **नेपाल सीमा पर बढ़ेगी निगरानी** नेपाल सीमा से सटे थाना क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी एसपी ने विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। सीमा क्षेत्र में बैरियर लगाकर आने-जाने वाले वाहनों और व्यक्तियों की गहन जांच, पर्याप्त चेकिंग और पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने को कहा गया है, ताकि किसी भी असामाजिक गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों ने पुलिस अधीक्षक से विभिन्न मुद्दों पर सवाल किए, जिनका उन्होंने विस्तार से जवाब दिया। अंत में एसपी ने पत्रकारों से सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि बलरामपुर पुलिस जनपद को अपराधमुक्त एवं सुरक्षित बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय, समस्त क्षेत्राधिकारीगण तथा जनपद के विभिन्न प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार मौजूद रहे।

बारावफात, जन्माष्टमी व रक्षाबंधन को लेकर पीस कमेटी की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी बारावफात, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं रक्षाबंधन सहित अन्य पर्वों को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं धर्मगुरुओं ने प्रतिभाग किया। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व द्वारा अवगत कराया गया कि 26 अगस्त 2026 को बारावफात तथा 4 सितंबर 2026 को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाएगा। आगामी पर्वों के दृष्टिगत जनपद के समस्त थानों में पुलिस एवं प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से गणमान्य नागरिकों एवं धर्मगुरुओं के साथ पीस कमेटी की बैठकें आयोजित कर आवश्यक व्यवस्थाओं एवं तैयारियों की समीक्षा की जा चुकी है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी पर्वों को आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को रोस्टर के अनुसार निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी अधिशासी अधिकारियों को जुलूस मार्गों एवं प्रमुख स्थलों की विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने तथा नालियों की टीम लगाकर सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्वों से पूर्व सभी स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त करा लिया जाए। प्रमुख स्थलों एवं जुलूस मार्गों पर पर्याप्त संख्या में मोबाइल टॉयलेट एवं पानी के टैंकर निर्धारित स्थलों पर उपलब्ध कराए जाएं। मोबाइल टॉयलेट की स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रत्येक तीन घंटे के अंतराल पर सफाई सुनिश्चित कराने हेतु सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए। उन्होंने एआरएम रोडवेज को बस स्टेशन एवं उसके आसपास विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जुलूस मार्गों का पुनः स्थलीय निरीक्षण कर लिया जाए तथा मार्ग में किसी प्रकार की विद्युत, सड़क, जल निकासी, प्रकाश, साफ-सफाई अथवा अन्य समस्या पाए जाने पर उसका समयबद्ध ढंग से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। प्रमुख स्थलों पर नियमित साफ-सफाई के साथ चूना एवं ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग को पर्वों के दौरान मिलावटी एवं दूषित खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोकथाम के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने पुलिस अधिकारियों को आगामी पर्वों के दृष्टिगत विशेष सतर्कता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जुलूस एवं धार्मिक आयोजनों के दौरान निर्धारित मानक से अधिक ध्वनि में डीजे का संचालन न हो, इसका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विशेष निगरानी रखने तथा भ्रामक अथवा अफवाह फैलाने वाली सूचनाओं पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी भ्रामक सूचना को बिना सत्यापन के साझा न करें।बैठक के दौरान सभी थानों से आए गणमान्य नागरिकों एवं धर्मगुरुओं से थानावार संवाद करते हुए उनकी समस्याओं, मांगों एवं सुझावों को सुना गया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने प्राप्त सुझावों पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन देते हुए संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट थनिगईयरसन टी, जिला विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी, अधिशासी अधिकारी सहित विद्युत, लोक निर्माण विभाग, पशुपालन, कृषि, खाद्य एवं सुरक्षा तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हरे पेड़ों की कटान के मामले में निलंबित एनएसआई निदेशक डॉ. सीमा परोहा बहाल

722 पेड़ काटने के मामले में दर्ज हुई थी रिपोर्ट, दो माह से अधिक समय तक रहीं निलंबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई), कानपुर की निलंबित निदेशक डॉ. सीमा परोहा को फिर से बहाल कर दिया गया है। उन्होंने दोबारा निदेशक पद का कार्यभार संभाल लिया है। एनएसआई परिसर में हरे पेड़ों की कटान के मामले में उनके खिलाफ वन विभाग ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसके बाद भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने 15 जून को उन्हें निलंबित किया था। डॉ. सीमा परोहा के निलंबन के बाद शुगर एंड वेजिटेबल ऑयल निदेशालय के निदेशक अरविंद कुमार रावत को एनएसआई निदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। अब खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के आदेश के बाद दो माह से अधिक समय तक निलंबित रहने के बाद उनका निलंबन वापस लेते हुए उन्हें दोबारा

निदेशक पद की जिम्मेदारी दी गई है। वन विभाग ने 3 जून को एनएसआई परिसर में पेड़ों की कटान के मामले में डॉ. सीमा परोहा समेत छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि परिसर में बिना अनुमति बड़े पैमाने पर हरे पेड़ों की कटान की गई और उनकी लकड़ी को बेच दिया गया।

722 पेड़ों की अवैध कटान का आरोप

मामले की शिकायत एनएसआई के कर्मचारी नेताओं ने की थी। शुरुआत में संस्थान की ओर से पेड़ों के आंधी में गिरने के बाद उनकी कटान की बात कही गई थी। हालांकि, वन विभाग की जांच में बिना अनुमति पेड़ों की कटान और लकड़ी की बिक्री का मामला सामने आने के बाद रिपोर्ट दर्ज कराई गई।एफआईआर के अनुसार एनएसआई परिसर में 655 बड़े वृक्ष और 67 बौने कनेर सहित कुल 722 पेड़ों की कटान की गई थी। इनमें नीम, शीशम, यूकेलिप्टस, गूलर, सिरस, चिलबिल, जंगल जलेबी, गोल्ड मोहर समेत विभिन्न प्रजातियों के पेड़ शामिल थे। जांच के दौरान 377 पेड़ों की ठूंठ मिलीं, जिन्हें करीब छह माह के अंतराल में काटे जाने की बात सामने आई। इसके अलावा 250 पेड़ों को जेसीबी से उखाड़े जाने और परिसर में 95 अन्य पेड़ों की ठूंठ मिलने की जानकारी एफआईआर में दर्ज है। कटे पेड़ों की अधिकांश लकड़ी मौके से गायब मिली। वन विभाग के अनुसार, 8 जुलाई 2024 को एनएसआई प्रशासन ने नौ पेड़ों को काटने की अनुमति ली थी। आरोप है कि इसी अनुमति की आड़ में 722 पेड़ों की कटान कर दी गई।

कई लोगों के खिलाफ दर्ज है रिपोर्ट

मामले में एनएसआई की निदेशक डॉ. सीमा परोहा, निजी सुरक्षा कमांडर उदय प्रताप सिंह राठौर, संपदा अधिकारी विनय कुमार, कुमार फार्म के प्रबंधक अशोक कुमार, मेसर्स तिवारी वुड मर्चेंट, अनवरगंज और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। वन विभाग के अनुसार एनएसआई परिसर में काटे गए सभी पेड़ सरकारी संपत्ति थे। नियमानुसार पेड़ों की लकड़ी की बिक्री से प्राप्त धनराशि राजकोष में जमा कराया जाना था। मामले की जांच के दौरान परिसर में कुछ पुरानी भंडारित लकड़ी भी मिली थी, जिसकी उम्र करीब आठ से दस माह बताई गई थी।

सड़क में गहरी गड्ढे होने से हुआ जल भराव ग्रामीण परेशान

बरेली/ करूआ साहिबगंज को नवाबगंज हाईवे से जोड़ने वाला मार्ग बारिश के मौसम में राहगीरों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गया है। हल्की बारिश होते ही सड़क पर बने गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। यह मार्ग दर्जनों गांवों को जोड़ता है, जिससे प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण और अन्य लोग यात्रा करते हैं। गड्ढों में पानी भरने के कारण उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से इन गड्ढों को तत्काल भरवाने और सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है ताकि उन्हें इस समस्या से निजात मिल सके।

खेत में बैठा मिला तेंदुआ, किसानों में मची दहशत

वन विभाग की टीम रात में ही पहुंची गांव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ भदपुरा पिछले एक माह से तेंदुए की क्षेत्र में दहशत बरकरार है। तेंदुआ वन विभाग की टीमों को चकमा देते हुए हर रोज अपना ठिकाना बदल रहा है। शुक्रवार शाम 6 बजे रुकुमपुर नहर के पार रुकुमपुर से गुलड़िया जाने वाले मार्ग से करीब 50 मीटर अंदर दाता राम के खेत में तेंदुआ बैठा दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। खेत में फसल देखने पहुंचे डालचंद, प्रवेश, गंगासागर और अरविंद गंगवार की नजर अचानक तेंदुए पर पड़ी तो तेंदुए को सामने देखकर ग्रामीण घबरा गए और शोर मचाते हुए खेत से बाहर की ओर भागे। उन्होंने गांव जाकर खेतों में तेंदुए के होने की जानकारी दी तो गांव और आस पास दहशत फैल गई। ग्रामीणों के मुताबिक, लोगों के तेज आवाज में शोर मचाने पर तेंदुआ खेत से निकलकर पास ही दाता राम के गन्ने के खेत में चला गया। घटना के बाद आसपास के किसानों

में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुए की मौजूदगी से खेतों की ओर जाने में डर लग रहा है। लोगों ने वन विभाग को इसकी जानकारी दी। तेंदुआ दिखाई देने के बाद ग्रामीणों ने आसपास के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। खासकर शाम के समय अकेले खेतों की ओर जाने से बचने को कहा गया है। इससे पूर्व दर्जनों गांवों में तेंदुए की मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। लेकिन अभी तक तेंदुआ वन विभाग की पकड़ में नहीं आया। इससे लोगों में भय व्याप्त है।

संक्षिप्त खबरें

थाना समाधान दिवस पर नहीं आया कोई भी राजस्व कर्मचारी सुना पड़ा रहा समाधान दिवस

चौथे शनिवार को आयोजित होने वाला थाना दिवस क्यों लड़िया में आयोजित नहीं हुआ क्योंकि यहां पर अधिकारी से लेकर राजस्व विभाग की तरफ से कोई भी उपस्थित नहीं हुआ इस कारण चौथा शनिवार को आयोजित होने वाला थाना दिवस आयोजित नहीं हो सका। यहां के प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह ने बताया राजस्व से कोई भी कर्मचारी यहां उपस्थित नहीं हुआ है इसलिए थाना दिवस का कोई औचित नहीं बनता है इस मामले में उप जिला अधिकारी नवाबगंज सचिन यादव से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया राजस्व टीम गई होगी जब बताया गया कोई नहीं आया है तो कहा जांच करवा कर कार्यवाही की जाएगी यदि थाना दिवस में कोई उपस्थित नहीं हुआ है तो ज्ञात रहे बरसात होने के कारण किसी ने भी शायद आने की हिम्मत नहीं जुटाई जिसके कारण नहीं हो सका थाना दिवस क्यों लड़िया में।

कुत्तों के झुंड के हमले में 35 भेड़ें मर जाने पर की शिकायत

कोंच(जालौन)- आवारा कुत्तों के झुंड के हमले में करीब तीन दर्जन भेंड़ों की मौत हो जाने की शिकायत कर भेड़ पालक ने कार्यवाही किए जाने की गुहार लगाई है। कोतवाली में आयोजित थाना समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र देकर जासूद खान पुत्र शुभान खान ने बताया कि वह नगर में एट तिराहे के समीप एक स्थान पर अपनी भेड़ों को पाले हुए है। शुक्रवार/शनिवार की रात करीब ढाई बजे वह और उसके परिवार के सदस्य गहरी नींद में सो रहे थे तभी अचानक आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला बोलकर करीब तीन दर्जन भेंड़ों को गंभीर रूप से चुटहिल कर दिया जिससे 35 भेंडें मर गई और उसे सवा तीन लाख रुपए का आर्थिक नुकसान पहुंचा है। शिकायतकर्ता जासूद खान ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर नुकसान की भरपाई कराए जाने की गुहार लगाई है।

ब्रह्मनगर चौराहे पर सड़क निर्माण के लिए रहेगा डायवर्सन

कानपुर। ब्रह्मनगर चौराहा का नवनिर्माण व सड़क निर्माण / डामरीकरण के दृष्टिगत आज दिनांक 22.08.2026 को सांय 7 बजे से निर्माण कार्य पूर्ण होने तक यातायात डायवर्सन रहेगा। रामबाग की तरफ से कोई भी वाहन ब्रह्मनगर चौराहा की तरफ नहीं जा सकेगें, ऐसे वाहन बजरिया थाना या पी रोड होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेगें। ईदगाह तिराहा की तरफ से कोई भी वाहन ब्रह्मनगर चौराहा की तरफ नहीं जा सकेगें, ऐसे वाहन चुन्नीगंज या बेनाझावर होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेगें गुमटी न0 5 की तरफ से कोई भी वाहन ब्रह्मनगर चौराहा की तरफ नहीं जा सकेगें, ऐसे वाहन बनारसी चाय की दुकान, भारत पेट्रोल पंप से बाएं मुड़कर हर्षनगर होते अपने गंतव्य को जा सकेगें । जुडियो कट, बाबा सिंह ढाल से आने वाले वाहन ब्रह्मनगर चौराहा की तरफ नहीं जा सकेगें, ऐसे वाहन बालाजी चौक से बाएं मुड़कर अशोक नगर होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेगें।

नगर रामलीला महोत्सव के लिए राघवेन्द्र सिंह धाकरे बने अध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला- नगर के प्राचीन शिव समाधि मंदिर में शुक्रवार शाम नगर रामलीला महोत्सव के आयोजन को लेकर नगरवासियों एवं गणमान्य नागरिकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में इस वर्ष रामलीला महोत्सव को भव्य एवं व्यवस्थित रूप से आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में उपस्थित नगरवासियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सर्वसम्मति से राघवेन्द्र सिंह धाकरे 'रघू' को नगर रामलीला कमेटी का अध्यक्ष मनोनीत किया। इसके साथ ही शशांक प्रताप सिंह को महामंत्री, आशू परमार को कोषाध्यक्ष तथा रिषी यादव एवं बंटी चौधरी को सदस्य बनाया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों का उपस्थित लोगों ने स्वागत करते हुए उन्हें रामलीला महोत्सव के सफल आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी। बैठक में रामलीला महोत्सव की तैयारियों, कार्यक्रम को

भव्य स्वरूप देने तथा नगरवासियों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा की गई। नवनियुक्त अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह धाकरे 'रघू' ने कहा कि नगर की जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष भी रामलीला महोत्सव को बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी वर्गों के लोगों का सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि रामलीला कमेटी की नई कार्यकारिणी की घोषणा जल्द ही की जाएगी। कार्यकारिणी में नगर के सक्रिय एवं जिम्मेदार लोगों को शामिल कर उन्हें अलग-अलग व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, ताकि महोत्सव का आयोजन बेहतर ढंग से संपन्न हो सके। बैठक में उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने कहा कि रामलीला महोत्सव नगर की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसे भव्य स्वरूप देने के लिए सभी मिलकर सहयोग करेंगे। बैठक के दौरान नवगठित कमेटी के पदाधिकारियों ने आयोजन को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं भव्य रूप से संपन्न कराने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

डीएम ने पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय सिविल लाइन डबरई का किया औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने तहसील फिरोजाबाद क्षेत्र अंतर्गत स्थित पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय सिविल लाइन डबरई का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक स्थिति, स्वच्छता एवं उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षण व्यवस्था, मध्यान्ह भोजन सहित विद्यालय की मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। विद्यालय में कुल 355 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं, जिनमें से निरीक्षण के दौरान 274 विद्यार्थी उपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी ने कक्षावार विद्यार्थियों की अध्ययन स्थिति एवं शिक्षण व्यवस्था के संबंध में जानकारी लेते हुए विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मध्यान्ह भोजन व्यवस्था की समीक्षा के दौरान विद्यालय प्रशासन की ओर से जिलाधिकारी को बताया गया कि विद्यार्थियों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार ही

भोजन तैयार कराकर वितरित किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने भोजन की गुणवत्ता एवं व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के शौचालयों की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था तथा कुछ टोटियां खराब पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित प्रधानाचार्य को तत्काल आवश्यक सुधार एवं मरम्मत कार्य कराने के सख्त निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने विद्यालय प्रशासन को निर्देशित किया कि विद्यालय परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण वाला बनाया जाए। साथ ही विद्यालय की सभी व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाए। निरीक्षण के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश अकेला सहित विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीआरसी में लगा मेडिकल कैंप, 30 बच्चों को जारी हुए दिव्यांगता प्रमाणपत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। राज्य परियोजना कार्यालय, लखनऊ के निर्देश पर बेसिक शिक्षा विभाग एवं चिकित्सा विभाग के संयुक्त सहयोग से शनिवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) अरांव में दिव्यांगता प्रमाणपत्र जारी करने के लिए मेडिकल कैंप आयोजित किया गया। कैंप में परिषदीय एवं माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 1 से 8 तक के विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों का मेडिकल परीक्षण किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा गठित मेडिकल बोर्ड की टीम ने कैंप में पहुंचे बच्चों की जांच कर दिव्यांगता की स्थिति का परीक्षण किया। कैंप में कुल 57 बच्चों का पंजीकरण कराया गया। मेडिकल बोर्ड द्वारा परीक्षण के उपरांत 30 बच्चों को दिव्यांगता प्रमाणपत्र (यूडीआईडी) जारी किए गए, जबकि 13 बच्चों को आगे की मेडिकल जांच के लिए रेफर किया गया। कैंप का उद्देश्य विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को दिव्यांगता प्रमाणपत्र उपलब्ध कराकर उन्हें शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ दिलाना है। अधिकारियों ने बताया कि प्रमाणपत्र एवं यूडीआईडी के माध्यम से पात्र

बच्चों को शिक्षा सहित अन्य सरकारी सुविधाओं से जोड़ने में सहायता मिलेगी। मेडिकल कैंप में मेडिकल बोर्ड टीम के रूप में डॉ. आकाश गौतम, डॉ. दुर्ग प्रताप सिंह, डॉ. अल्का अग्रवाल, डॉ. ज्योति सिंह एवं शिवांग पाठक (ऑडियोलॉजिस्ट) मौजूद रहे। टीम ने बच्चों का आवश्यक परीक्षण कर उनकी स्थिति के अनुसार प्रमाणपत्र जारी किए तथा जरूरतमंद बच्चों को आगे की जांच के लिए रेफर किया। कार्यक्रम में खण्ड शिक्षा अधिकारी नंद कुमार की देखरेख में स्पेशल एजुकेटर्स प्रद्युम्न शर्मा, अटल यादव, सुभाषचंद्र, अनामिका शर्मा, स्नेहलता एवं कृपा शंकर वर्मा सहित बीआरसी के समस्त कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें आवश्यक चिकित्सा एवं शैक्षिक सुविधाओं से जोड़ने का प्रयास लगातार किया जा रहा है।

सफलता के लिए अनुशासन, ईमानदारी और दृढ़ संकल्प जरूरी: एडीएम कल्पना जायसवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। ''सफलता का मार्ग अधिकारियों के साथ'' श्रृंखला के अंतर्गत अपर जिलाधिकारी वि. एवं रा. कल्पना जायसवाल ने सुगरा बेगम इंटर कॉलेज पहुंचकर छात्र-छात्राओं को करियर एवं जीवन में सफलता के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में करीब 4150 छात्र-छात्राओं को संबोधित किया गया, जिनमें 150 छात्राएं प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित रहीं। अपर जिलाधिकारी कल्पना जायसवाल ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, ईमानदारी और दृढ़ संकल्प बेहद आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि अपने सपनों और लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मन में जुनून होना चाहिए, लेकिन व्यवहार में विनम्रता बनाए रखना और अहंकार से दूर रहना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को वर्तमान समय में उपलब्ध सूचनाओं के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आज सूचनाओं की बहुलता के साथ भ्रमित करने वाले साधन भी बड़ी संख्या में मौजूद

हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को सही और उपयोगी सूचनाओं का चयन करते हुए सोच-समझकर आगे बढ़ना चाहिए। एडीएम ने छात्राओं से अपनी आंतरिक क्षमताओं एवं रुचियों को पहचानने तथा उसी के अनुरूप करियर का चुनाव करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जीवन में जो भी लक्ष्य निर्धारित करें, उसे लेकर मन और मस्तिष्क में पूरी स्पष्टता होनी चाहिए। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन में आमूल-चूल परिवर्तन लाने की क्षमता रखती है, इसलिए सभी छात्राएं गंभीरता एवं लगन के साथ अध्ययन करें।

पंचतंत्र की कहानी से समझाया व्यवहारिक ज्ञान

अपर जिलाधिकारी ने छात्राओं को व्यवहारिक जीवन की समझ विकसित करने के लिए पंचतंत्र की कहानी का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि जीवन में केवल किताबी ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि परिस्थितियों के अनुसार व्यवहारिक समझ और बुद्धिमत्ता का होना भी आवश्यक है। उन्होंने जैन दर्शन के स्यादवाद सिद्धांत का उदाहरण देते हुए कहा कि किसी विषय को केवल एक ही दृष्टिकोण से देखने के बजाय उसके विभिन्न पहलुओं को समझने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने की प्रवृत्ति विकसित करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि जब व्यक्ति अपने सीमित ज्ञान को ही पूर्ण सत्य मानकर संतुष्ट हो जाता है, तो उसके सीखने की प्रक्रिया रुक जाती है।उन्होंने छात्राओं से सत्य एवं ज्ञान को विभिन्न दृष्टिकोणों से समझने तथा जीवनभर सीखते रहने की आदत विकसित करने का आह्वान किया।

छात्राओं ने पूछे करियर से जुड़े सवाल

कार्यक्रम के दौरान आफरीन शाहिद एवं उजमा नामक छात्राओं ने अपर जिलाधिकारी से करियर से संबंधित सवाल पूछे। अपर जिलाधिकारी ने छात्राओं के प्रश्नों का बेहद सहज, विनम्र एवं शालीनता के साथ जवाब देते हुए उनका मार्गदर्शन किया। जवाब मिलने के बाद छात्राएं संतुष्ट नजर आईं। कार्यक्रम के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक मुदिता पांडे एवं एडीआईओएस सतेंद्र सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

फिरोजाबाद पुलिस का बड़ा एक्शन: मुठभेड़ में 25-25 हजार के दो इनामी बदमाश घायल, तीन गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद/नारखी- नारखी थाना पुलिस, एसओजी, सर्विलांस एवं मक्खनपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने शुक्रवार रात जलेसर पुल सर्विस रोड पर घेराबंदी कर तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया। पुलिस मुठभेड़ के दौरान दो इनामी बदमाशों के पैर में गोली लगी, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। सीओ अरुण चौरसिया ने बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि कुछ बदमाश चोरी का माल बेचने के लिए जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जलेसर पुल सर्विस रोड पर घेराबंदी कर संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अनुज उर्फ अनूप उर्फ मोटा एवं मिथुन पुत्र

वेदप्रकाश, निवासी केरावली, थाना करहल, जनपद मैनपुरी के पैर में गोली लगी। वहीं उनका तीसरा साथी अंशू पुत्र घनश्याम भागने का प्रयास कर रहा था, जिसे पुलिस टीम ने पीछा कर गिरफ्तार कर लिया।

चोरी का सामान व अवैध हथियार बरामद

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से दो चेन, एक अंगूठी, दो जोड़ी पाजेब, तीन करधनी, एक जोड़ी झुमकी, एक जोड़ी टॉप्स एवं 10,500 रुपये नकद बरामद किए हैं। इसके अलावा आरोपियों के पास से दो तमंचे 315 बोर, पांच जिंदा कारतूस एवं तीन खोखा कारतूस तथा एक सुपर स्प्लेंडर बाइक भी बरामद की गई है।

दो इनामी बदमाशों की पुलिस को थी तलाश

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार बदमाश अनुज उर्फ अनूप उर्फ मोटा के खिलाफ तीन दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। इनमें गैंगस्टर एक्ट, चोरी, लूट, बरामदगी एवं आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर मामले शामिल हैं। अनुज और मिथुन पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद द्वारा 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। दोनों बदमाश 18 मार्च को हरीनगर लदपुरा, थाना नारखी तथा 20 अगस्त को राजपुर बलाई, थाना मक्खनपुर क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं में वांछित बताए गए हैं। इस कार्रवाई में थाना नारखी प्रभारी राकेश कुमार गिरी, एसओजी प्रभारी प्रेम शंकर पांडेय, सर्विलांस प्रभारी मुकेश कुमार तथा थाना मक्खनपुर प्रभारी चमन शर्मा सहित पुलिस टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है तथा बरामद सामान के संबंध में आगे की जांच की जा रही है।

शर्मनाक: युवती ने पिता पर जबरन शारीरिक संबंध का दबाव बनाने का लगाया आरोप

कोंच(जालौन)- नगर के एक मोहल्ले की रहने वाली एक युवती ने अपने पिता पर शराब के नशे में धुत्त होकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए जाने का दबाव बनाने और इस घृणित व गलत काम में सौतेली सरकारी शिक्षिका मां पर पिता का साथ देने का गंभीर और सनसनीखेज आरोप लगाते हुए थाना दिवस में शिकायती पत्र देकर कार्यवाही किए जाने की गुहार लगाई है। शनिवार को कोतवाली में आयोजित थाना समाधान दिवस में अपने दादा के साथ पहुंची पीड़ित युवती ने एसडीएम अभिनव कुमार एवं सीओ परमेश्वर प्रसाद को शिकायती पत्र देकर बताया कि उसकी मां की मृत्यु हो चुकी है और उसके पिता ने एक सरकारी शिक्षिका महिला के साथ दूसरी शादी की हुई है। उसकी सौतेली मां कोंच से बाहर रहती है जबकि वह यहां पर पिता के साथ में रहती है। शिकायती पत्र में युवती ने बताया कि उसका पिता शराब के नशे में धुत्त होकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए जाने का उस पर दबाव बनाता है और सौतेली मां भी उसे प्रताड़ित कर पिता की बात मान लेने के लिए उसे धमकाती है। बकौल युवती, पिता धमकी देता है कि यदि शारीरिक संबंध नहीं बनाए तो उसे भी मां की तरह जान से मार देंगे। युवती ने शिकायती पत्र में बताया कि गत 20 अगस्त की रात करीब 11 बजे पिता ने उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की और उसने विरोध किया तो धमकी देकर पिता घर से बाहर कहीं भाग गया। युवती ने मामले को लेकर कार्यवाही किए जाने की गुहार लगाई है। वहीं इस सनसनीखेज मामले में सीओ का कहना है कि शिकायत को गंभीरता से लेकर जांच कराई जा रही है, जांच में यदि शिकायतकर्ता के आरोप सही पाये जाते हैं तो संबंधित आरोपियों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

धसड़ा राजा की बदहाल सड़क पर उठे बड़े सवाल, शिकायतों के बाद भी नहीं हुई मरम्मत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, मीरजापुर। विकास खंड लालगंज की ग्राम पंचायत अतरैला राजा के धसड़ा राजा गांव में सड़क की बदहाली ग्रामीणों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बनी हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क करीब दो वर्षों से खराब हालत में पड़ी है और कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक इसकी मरम्मत नहीं कराई गई। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की स्थिति ऐसी हो गई है कि सामान्य आवागमन के साथ-साथ मरीजों और बुजुर्गों को अस्पताल तक पहुंचाना भी मुश्किल हो रहा है। ग्रामीण हरिओम पांडेय ने बताया कि गांव की यह सड़क मीरजापुर जनपद को प्रयागराज से जोड़ने वाले प्रमुख मार्गों में शामिल है, लेकिन लंबे समय से सड़क की हालत बेहद खराब है। उनका कहना है कि शिकायतें दर्ज कराने और आईजीआरएस के माध्यम से समस्या शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के बावजूद सड़क की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। इससे ग्रामीणों में जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। हरिओम पांडेय ने अपनी परेशानी बताते हुए

कहा कि उनके दादा जी की तबीयत अक्सर खराब रहती है। ऐसे में यदि रात के समय अचानक उनकी तबीयत बिगड़ जाए तो बदहाल सड़क के कारण एंबुलेंस को घर तक पहुंचाने में भी गंभीर परेशानी हो सकती है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि किसी आपात स्थिति में यदि समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंच पाती और मरीज को अस्पताल ले जाने में देरी होती है तो इसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी होगी। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत स्तर पर सड़क से जुड़ी समस्या की निगरानी और आवश्यक कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन संबंधित सचिव के स्तर से भी समस्या के समाधान को लेकर अपेक्षित गंभीरता दिखाई नहीं दे रही है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब सड़क की समस्या लंबे समय से अधिकारियों के संज्ञान में है और आईजीआरएस पर भी शिकायत की जा चुकी है, तो आखिर मरम्मत कार्य अब तक क्यों नहीं कराया गया। ग्रामीणों के मुताबिक सड़क की बदहाली का असर केवल धसड़ा राजा गांव तक सीमित नहीं है, बल्कि इस मार्ग से आवागमन करने वाले आसपास के लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। सड़क खराब होने के कारण यदि किसी ग्रामीण को प्रयागराज की ओर जाना पड़े तो उसे करीब 12 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय कर घूमकर जाना पड़ता है। इससे ग्रामीणों का समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहा है। सड़क की स्थिति को लेकर ग्रामीणों ने अब जिम्मेदार अधिकारियों से तत्काल स्थलीय निरीक्षण कराकर मरम्मत कार्य शुरू कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि विकास कार्यों और ग्रामीण सुविधाओं को लेकर सरकार की ओर से लगातार दावे किए जाते हैं, लेकिन धसड़ा राजा की सड़क की स्थिति उन दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। सवाल यह भी है कि जब ग्रामीण बार-बार शिकायत कर रहे हैं और आईजीआरएस तक मामला पहुंच चुका है, तो संबंधित अधिकारी और पंचायत स्तर के जिम्मेदार आखिर कार्रवाई के लिए किसका इंतजार कर रहे हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत कर मामले को और मजबूती से उठाएंगे। ग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन मौके पर पहुंचकर सड़क की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करे, जिम्मेदारी तय करे और बिना किसी देरी के मरम्मत कार्य शुरू कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को आवागमन के साथ-साथ आपातकालीन चिकित्सा सुविधा के समय होने वाली परेशानी से राहत मिल सके।

मूसलाधार बारिश में राम किशोर सिंह पटेल का मकान ढहा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, मीरजापुर। विकास खंड हलिया क्षेत्र के ग्राम ददरी पहरी निवासी राम किशोर सिंह पटेल के परिवार पर लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने मुसीबतों का पहाड़ खड़ा कर दिया है। शनिवार दोपहर तेज बारिश के बीच अचानक राम किशोर सिंह पटेल का मकान भरभराकर गिर गया, जिससे परिवार के सामने रहने और सोने की बड़ी समस्या खड़ी हो गई। बताया जाता है कि इसी मकान में राम किशोर सिंह पटेल की माता सहित परिवार के अन्य सदस्य सोया करते थे, लेकिन मकान गिरने के बाद उनका आशियाना पूरी तरह उजड़ गया है। मकान गिरने के बाद परिवार के पास रहने के लिए कोई सुरक्षित स्थान नहीं बचा, जिसके चलते अब परिवार किसी तरह टीन सेट लगाकर रहने को मजबूर है। लगातार बारिश के बीच टीन सेट के नीचे परिवार के लोगों को रात गुजारनी पड़ रही है, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई है। बारिश

के कारण परिवार का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है और बच्चों, बुजुर्गों सहित सभी लोगों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। अचानक मकान गिरने से परिवार को काफी नुकसान हुआ है और उन्हें अब अपने सिर पर छत की चिंता सताने लगी है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण क्षेत्र में कई कमजोर मकानों पर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि राम किशोर सिंह पटेल के परिवार की स्थिति का तत्काल मौके पर पहुंचकर जायजा लिया जाए तथा पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता और रहने के लिए आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाए। पीड़ित परिवार का कहना है कि मकान गिरने के बाद उनके सामने सबसे बड़ी समस्या सुरक्षित जगह पर रहने की है और मजबूरी में टीन सेट लगाकर किसी तरह परिवार का गुजारा किया जा रहा है। अब देखना यह है कि प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवार की मदद के लिए कब तक कदम उठाया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

छिवकी गांव की सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे, राहगीरों की बढ़ी परेशानी

नैनी, प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के छिवकी गांव की सड़क इन दिनों बड़े-बड़े गड्ढों के कारण बदहाल हो गई है। सड़क की हालत इतनी खराब है कि राहगीरों को पैदल चलने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर जगह-जगह गड्ढे होने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।स्थानीय लोगों ने क्षेत्रीय सभासद से सड़क की जल्द से जल्द मरम्मत कराए जाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि इस मार्ग से गांव के हजारों लोगों का प्रतिदिन आवागमन होता है। इसी रास्ते से होकर छोटे-छोटे बच्चे स्कूल भी जाते हैं, ऐसे में सड़क की बदहाली उनके लिए भी परेशानी का कारण बनी हुई है।बसपा कार्यकर्ता संदीप कनौजिया ने कहा कि लंबे समय से सड़क की स्थिति खराब है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों का इस ओर ध्यान नहीं जा रहा है।

दुष्कर्म अभियुक्त थाना मऊआइमा पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार

ब्यूरो प्रयागराज- गंगानगर-जोन के थाना मऊआइमा पर पंजीकृत मु0अ0सं0-195/26 धारा-333/ 64(1)/ 352/ 351(3) भा0न्या0सं0 से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त राजू उर्फ दशरथ चौहान पुत्र गजराज निवासी सोनवा का पूरा थाना मऊआइमा कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना मऊआइमा पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-22.08.2026 को थाना मऊआइमा क्षेत्रान्तर्गत सी0एच0सी0 मऊआइमा स्थित चौराहे के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार अभियुक्त उपरोक्त द्वारा मुकदमा वादिनी/ पीड़िता के साथ जबरन दुष्कर्म करने तथा शिकायत करने पर गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देने के सम्बंध में दी गई तहरीर के आधार पर थाना मऊआइमा पर मु0अ0सं0-195/2026 उपरोक्त पंजीकृत किया गया था।

एनएचआई के कामों पर उठे सवाल, लावारिस पशुओं की दर्दनाक मौत से व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, मीरजापुर। बरौंधा क्षेत्र में एनएचआई के निर्माण एवं सड़क किनारे चल रहे कार्यों को लेकर अब गंभीर सवाल उठने लगे हैं। शुक्रवार की रात सड़क के आसपास कई लावारिस पशुओं की दर्दनाक मौत होने से स्थानीय लोगों में आक्रोश देखने को मिला। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण और अन्य कार्यों के दौरान लावारिस पशुओं की सुरक्षा तथा यातायात व्यवस्था पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिसके कारण आए दिन पशुओं के साथ हादसे होने का खतरा बना रहता है। सड़क पर घूमने वाले लावारिस पशु कई बार अचानक वाहनों के सामने आ जाते हैं, जिससे वाहन चालकों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है और यात्री अपनी जान

जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यदि सड़क किनारे उचित सुरक्षा व्यवस्था, संकेतक और पशुओं को सड़क से दूर रखने की व्यवस्था की जाती तो ऐसे दर्दनाक हादसों को रोका जा सकता था। शुक्रवार की रात एक साथ कई पशुओं की मौत की घटना ने एनएचआई की कार्यप्रणाली और सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि एक ओर सरकार पशु संरक्षण और गौवंश की सुरक्षा को लेकर लगातार अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर सड़क पर लावारिस पशुओं की मौत की घटनाएं जिम्मेदार व्यवस्था को चुनौती देती नजर आ रही हैं। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से मामले की जांच कराने, सड़क निर्माण स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, लावारिस पशुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने तथा वाहन चालकों और यात्रियों की सुरक्षा के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो भविष्य में इससे भी बड़े हादसे हो सकते हैं और किसी इंसान की जान भी खतरे में पड़ सकती है।

प्राथमिक विद्यालय धसड़ा राजा में बदहाली का आलम

जलभराव और जर्जर भवन के बीच पढ़ने को मजबूर नौनिहाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, मीरजापुर। विकास खण्ड लालगंज क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय धसड़ा राजा में बारिश के बाद विद्यालय प्रांगण में पानी भर जाने से बच्चों की पढ़ाई और आवागमन प्रभावित हो रहा है। विद्यालय परिसर में जलभराव के कारण छात्र-छात्राओं को कीचड़ और पानी के बीच से होकर विद्यालय पहुंचना पड़ रहा है, जिससे अभिभावकों में भी चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय प्रांगण में मिट्टी डलवाकर परिसर को ऊंचा किया जाए, ताकि बारिश का पानी जमा न हो और बच्चों को विद्यालय आने-जाने में परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं विद्यालय की बिल्डिंग भी जर्जर हालत में बताई जा रही है, जिसके चलते बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार जिस विद्यालय में गांव के नौनिहाल अपना भविष्य संवारने के लिए प्रतिदिन पहुंचते हैं, उसी विद्यालय परिसर की यह स्थिति शिक्षा व्यवस्था की बदहाली को उजागर कर रही है। जलभराव के कारण विद्यालय परिसर में कीचड़

की स्थिति बनी हुई है, वहीं जर्जर भवन के कारण किसी अप्रिय घटना की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। अभिभावकों और ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि विद्यालय परिसर का स्थलीय निरीक्षण कराकर तत्काल मिट्टी डलवाई जाए, जलनिकासी की समुचित व्यवस्था कराई जाए और जर्जर भवन की जांच कर आवश्यक मरम्मत अथवा सुरक्षित भवन की व्यवस्था की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। प्रशासन और शिक्षा विभाग को मामले का संज्ञान लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर विद्यालय की समस्याओं का समाधान कराना चाहिए, ताकि नौनिहालों को सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

साइबर ठगी के पीड़ित को 16,775 रुपये वापस मिले

भदोही। साइबर हेल्प डेस्क थाना चौरी की त्वरित कार्रवाई से साइबर ठगी के शिकार एक व्यक्ति को उसकी 16,775 रुपये की धनराशि वापस मिल गई। पुलिस की कार्रवाई से पीड़ित ने राहत की सांस ली और भदोही पुलिस के प्रति आभार जताया। जानकारी के अनुसार, चौरी थाना क्षेत्र के धनापुर निवासी बनमाली दुबे उर्फ प्रिंस दुबे के साथ साइबर ठगी हुई थी। पीड़ित ने इसकी शिकायत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दर्ज कराई थी। मामले की जानकारी मिलने के बाद साइबर हेल्प डेस्क चौरी ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज शिकायत का अवलोकन कर तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने संबंधित प्रक्रिया पूरी करते हुए माननीय न्यायालय के आदेश के क्रम में पीड़ित के खाते से ठगी गई 16,775 रुपये की धनराशि वापस करा दी। धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी और साइबर हेल्प डेस्क चौरी की सराहना की। पुलिस अधीक्षक ने साइबर हेल्प डेस्क और थाना प्रभारियों को साइबर ठगी, ऑनलाइन धोखाधड़ी तथा सामाजिक माध्यमों के दुरुपयोग से संबंधित शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी ने राजस्व कार्यों की समीक्षा की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा शुक्रवार को ऑनलाइन माध्यम से उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों के साथ बैठक कर तहसीलवार राजस्व कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। उनके द्वारा बैठक में लंबित कोर्ट केस, फार्मर रजिस्ट्री, राजस्व वसूली सहित अन्य कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने पांच साल एवं तीन साल से अधिक पुराने राजस्व वादो को शीर्ष प्राथमिकता पर सुनवाई करते हुए सभी लम्बित राजस्व वादों को शून्य किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने निर्विवादित वरासत से सम्बंधित प्रकरणों को शत-प्रतिशत निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए है। उपजिलाधिकारी बारा को पावरग्रिड के लिए भूमि के अधिग्रहण सम्बंधी कार्य को ससमय पूर्ण करने कृषक दुर्घटना बीमा से सम्बंधित मामलों में समय से सभी कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए है सभी उपजिलाधिकारियों को प्रारूप-1, 2, 3 पर भूमि से सम्बंधित मामलो का निस्तारण कराये जाने के लिए कहा। इसके साथ ही भूमि रजिस्टर तथा ग्राम सभा सम्पत्ति रजिस्टर बनाये जाने के निर्देश दिए है। उपजिलाधिकारी सोरांव, बारा, फूलपुर, मेजा एवं कोरांव को कस्तूरबा गांधी छात्रावास हेतु भूमि उपलब्ध कराये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। थाना दिवस एवं तहसील दिवस से सम्बंधित शिकायतों को निर्धारित समयसीमा में अनिवार्य रूप से निस्तारित किए जाने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर बैठक में अपर जिलाधिकारीगण तथा सभी उपजिलाधिकारी, तहसीलदार ऑनलाइन उपस्थित रहे।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित महिला गिरफ्तार

भदोही। गोपीगंज पुलिस ने धोखाधड़ी और जालसाजी करने वाले संगठित गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर एक्ट में वांछित महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिला गैंग लीडर राजू सेठ के गिरोह की सक्रिय सदस्य है। पुलिस के मुताबिक गैंग लीडर राजू सेठ पुत्र बसंतलाल और उसके 21 सक्रिय सदस्यों के खिलाफ गिरोह बनाकर आर्थिक लाभ के लिए बैंक को नुकसान पहुंचाने, नकली आभूषणों को असली बताकर प्रमाणित कराने, कूटरचना और धोखाधड़ी करने के आरोप में थाना गोपीगंज में उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम की धारा 3(1) के तहत मुकदमा दर्ज है। पुलिस के अनुसार इस मामले में गैंग लीडर समेत गिरोह के नौ सक्रिय सदस्यों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अन्य वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी अभियान जारी है।

थाना समाधान दिवस में 128 शिकायतें आईं, पुलिस से जुड़ी सभी 15 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही:- शासन की मंशा के अनुरूप फरियादियों को त्वरित न्याय की व्यवस्था हेतु प्रत्येक शनिवार आयोजित होने वाले 'थाना समाधान दिवस' के क्रम में जनपद के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी शैलेष कुमार व पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में थाना कोइरौना पर फरियादियों की समस्याओं को सुना गया। इसी क्रम में समस्त थानों पर पुलिस टीम द्वारा सम्बंधित थानों पर प्रशासनिक टीम के साथ समाधान दिवस का आयोजन कर जनता की समस्याओं को सुना गया व उनका निस्तारण राजस्व कर्मियों के साथ उपस्थिति रह कर किया गया। जन सुनवाई के दौरान

प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से सुनते हुए पुलिस विभाग से संबंधित समस्त प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण किया गया तथा राजस्व विभाग से संबंधित समस्त प्रार्थना पत्रों का ,गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। जनता के शिकायतों को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गये, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके। जनपद के समस्त थानों पर प्राप्त कुल- 128 (राजस्व विभाग से सम्बंधित -113 व पुलिस-15) प्रार्थना पत्रों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस विभाग से सम्बन्धित सभी 15 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। 01 प्रकरण में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम का गठन किया गया है तथा शेष प्रकरण में त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु व्यापक निर्देश दिए गए।

वृहद गो-संरक्षण केंद्र के निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश, डीएम-एसपी ने किया संयुक्त निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही:- जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने तहसील ज्ञानपुर अंतर्गत ग्राम नारेपार उपरवार में निर्माणाधीन वृहद गो-संरक्षण केंद्र का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की प्रगति का स्थलीय जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं होना चाहिए तथा शेष कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराते हुए परियोजना को शीघ्र क्रियाशील किया जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि वृहद गो-संरक्षण केंद्र परियोजना को 21 मार्च 2025 को स्वीकृति प्रदान की गई थी। परियोजना की कुल स्वीकृत लागत 160.12 लाख रुपये है तथा 26 जून 2026 को द्वितीय किस्त अवमुक्त की जा चुकी है। उपलब्ध प्रगति के अनुसार चार कैटल शेड में प्लास्टर एवं मेजर कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि फर्श निर्माण का कार्य प्रगति पर है। भूसा-गोदाम में प्लास्टर, फर्श

एवं शेड का कार्य पूरा हो चुका है। कार्यालय भवन में भी प्लास्टर एवं फर्श का कार्य पूर्ण है। परियोजना के अंतर्गत बोरिंग एवं सोलर पंप के लिए बोरिंग का कार्य पूरा हो चुका है। प्रस्तावित तीन एनिमल वाटर चरही में से दो का निर्माण पूर्ण तथा एक का कार्य प्रगति पर है। वहीं 631.97 वर्गमीटर ब्रिक सोलिंग का कार्य भी प्रगति पर बताया गया। निरीक्षण के दौरान ओपन सरफेस ड्रेन, बाह्य जलापूर्ति एवं सीवरेज वर्क, बार्बेड वायर एवं गेट, बाह्य विद्युत संयोजन तथा 5 किलोवाट ऑफग्रिड सोलर बैकअप एवं सोलर लाइट से संबंधित कार्य अभी प्रारंभ न होने की जानकारी दी गई। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने लंबित कार्यों को तत्काल गति प्रदान करते हुए निर्धारित समयसीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में मानक एवं गुणवत्ता की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को आपसी समन्वय से कार्यों को तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने परियोजना स्थल एवं आसपास की सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने पर जोर दिया। जिला प्रशासन का उद्देश्य वृहद गो-संरक्षण केंद्र को शीघ्र क्रियाशील कराकर निराश्रित गोवंश के संरक्षण, देखभाल एवं समुचित व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करना है।

जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक में डीएम ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही:- ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक परिवार को शुद्ध, सुरक्षित एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जनपद में संचालित पेयजल परियोजनाओं की प्रगति, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, जलापूर्ति व्यवस्था तथा आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यदायी संस्थाओं को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी लंबित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर तेजी से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन केंद्र एवं प्रदेश सरकार की अत्यंत महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही, शिथिलता अथवा अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी परियोजनाओं को निर्धारित

समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कर ग्रामीण परिवारों को नियमित पेयजल उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने हर घर जल योजना के अंतर्गत विद्यालयों, सामुदायिक शौचालयों, पशु चिकित्सालयों सहित अन्य सार्वजनिक संस्थानों एवं आवश्यक स्थलों पर भी प्राथमिकता के आधार पर नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेयजल परियोजनाओं से जुड़े सभी आवश्यक संस्थानों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। पेयजल परियोजनाओं में केबिल चोरी की घटनाओं की रोकथाम के लिए जिलाधिकारी ने सभी ओवरहेड टैंक (ओ.एच.टी.) पर इंडिकेटर लाइट लगाने, परिसर में समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा आवश्यकतानुसार क्लोज सर्किट कैमरे (सीसीटीवी) अनिवार्य रूप से स्थापित कराने के निर्देश दिए। बैठक में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों एवं उनके निस्तारण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। वेलस्पन एवं मेसर्स जी.ए. इंफ्रा की आईजीआरएस प्रगति संतोषजनक न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दोनों कार्यदायी संस्थाओं की शिकायत निस्तारण व्यवस्था में तत्काल सुधार कराने तथा लंबित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जलापूर्ति योजनाओं के संचालन में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित स्थलीय निरीक्षण करने, निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करने तथा ग्राम स्तर पर पेयजल आपूर्ति की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब प्रत्येक पात्र परिवार तक सुचारु एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल की सुविधा पहुंचे। योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित की जिम्मेदारी तय की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल, जिला विकास अधिकारी/जिला पंचायत राज अधिकारी सपना अवस्थी, एवं संबंधित विभागीय अधिकारी, जल निगम के अभियंता राजबली सहित कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, आरोपी जेल भेजा

महराजगंज/रायबरेली। कोतवाली महराजगंज क्षेत्र के पूरे सधई मजरे अतरेहटा गांव से 17 वर्षीय नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया है। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने किशोरी को साइकिल स्टैंड के पास से बरामद कर लिया। मामले में नामजद आरोपी रामकरन पुत्र रामबरन निवासी बदरे मजरे पहाड़पुर, थाना हरचंदपुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पीड़ित पक्ष की ओर से दी गई तहरीर के अनुसार घटना 19 अगस्त 2026 को दोपहर करीब तीन बजे की है। आरोप है कि किशोरी को बहला-फुसलाकर घर से ले जाया गया था। परिजनों ने काफी खोजबीन की तो जानकारी मिली कि किशोरी साइकिल स्टैंड के पास मौजूद है और बाहर जाने की फिराक में थी। सूचना पर पहुंची 112 पुलिस टीम ने किशोरी को बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया, जबकि आरोपी मौके से भाग निकला। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी रामकरन को गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद उसे जेल भेज दिया गया। कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव ने बताया कि नाबालिग किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया गया है। मामले में नामजद आरोपी रामकरन को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

प्रमोद व मोना के प्रयास से बाबा घुइसरनाथ धाम में स्थायी पुलिस चौकी को मिली मंजूरी

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना एवं सांसद प्रमोद तिवारी के प्रयास से पौराणिक स्थली बाबा घुइसरनाथ धाम में स्थायी पुलिस चौकी की मंजूरी मिली है। बाबा धाम में स्थायी पुलिस चौकी बन जाने से अब वहां आने वाले श्रद्धालुओं तथा पर्यटकों की सुरक्षा के बेहतर प्रबन्ध होंगे। बता दें अभी तक बाबा धाम में अस्थायी पुलिस चौकी का संचालन किया जा रहा है। इसके लिए सई तटवर्ती क्षेत्र में तीन कमरों का निर्माण भी कराया जा चुका है। क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना तथा सांसद प्रमोद तिवारी ने पिछले वर्ष तीन नवंबर को बाबा धाम में स्थायी पुलिस चौकी स्वीकृत किये जाने को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा था। विधायक व सांसद के पत्र का असर हुआ और बीते ग्यारह अगस्त को शासन के अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद द्वारा निर्गत शासनादेश में प्रतापगढ़ जिले के घुइसरनाथ धाम में शासन की ओर से स्थायी पुलिस चौकी की स्वीकृति की संसूचना जारी की गयी है। मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने यहां स्थायी पुलिस चौकी मंजूरी की शनिवार को जानकारी दी है।

पुलिस जवानों के लिए नवनिर्मित भोजनालय का हुआ लोकार्पण

सिद्धार्थनगर। जिले के उसका बाजार थाना परिसर में पुलिस जवानों के लिए बने नवनिर्मित भोजनालय का शनिवार को डीएम शिवशरणप्पा जीएन और एसएसपी डॉ. अभिषेक महाजन ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया और परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस नई सुविधा से पुलिसकर्मियों को उच्च गुणवत्तायुक्त भोजन और बेहतर सहूलियतें मिल सकेंगी। पूर्व में जो रसोई घर था काफी जर्जर हो चुका था। बरसात में छत टपकती थी और लोगो मे दुर्घटना का भय भी बना रहता था। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार तिवारी के प्रयास और देखरेख में इस नवीन रसोई घर का निर्माण हुआ है।इस अवसर पर उसका बाजार नगर पंचायत के अध्यक्ष प्रतिनिधि हेमंत कुमार जायसवाल ,?अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार , क्षेत्राधिकारी विश्वजीत सौरयान, प्रधान मनोज सहानी, समाजसेवी सोमनाथ मिश्र, सच्चिदानंद चौबे, राकेश आर्य, संतोष अग्रहरी, अश्वनी मिश्र, अमन आदि रहे।

अजगरा महान संवाद-2026 की तैयारियों को लेकर डीएम ने दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। अजगरा महान संवाद-2026 'द ग्रेट अजगरा डिबेट' को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रतियोगिता के सफल, पारदर्शी और निष्पक्ष आयोजन को लेकर जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने कैम्प कार्यालय सभागार में खंड विकास अधिकारियों, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को आयोजन की तैयारियां समय से पूरी करने और अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि 24 से 26 अगस्त तक ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित कर प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा। प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं वार्ड से एक प्रतिभागी का चयन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। इस तरह प्रथम चरण में जनपद के कुल 1,427 प्रतिभागियों को चिन्हित किया जाएगा। इसके बाद 29 एवं 30 अगस्त को 17 विकासखंडों और 19 नगरीय निकायों के स्तर पर प्रतियोगिताएं होंगी, जिनमें 36 विजेताओं का चयन किया जाएगा। 2 एवं 3 सितंबर को चार जोनल महासंवाद में 16 प्रतिभागी तथा 5 सितंबर को जिला स्तरीय महासंवाद में आठ प्रतिभागियों का चयन होगा। अंतिम आठ प्रतिभागियों का 6 से 16 सितंबर तक सार्वजनिक परिचय एवं तैयारी कराई जाएगी, जबकि 17 सितंबर को ग्रैंड फिनाले आयोजित होगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि 'द ग्रेट अजगरा डिबेट' में प्रतिभाग करने के लिए न तो किसी शैक्षिक योग्यता की बाध्यता है और न ही आयु सीमा निर्धारित की गई है। कोई भी निर्धारित प्रारूप पर आवेदन कर प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर सकते हैं। प्रतियोगिता से संबंधित निर्धारित प्रारूप एवं अन्य जानकारी के लिए इच्छुक लोग संबंधित विकासखंड कार्यालय, नगर पालिका अथवा नगर पंचायत कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।बैठक में ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी सदर अनुष्का शर्मा, डीएफओ आशुतोष गुप्ता, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

हर ग्राम पंचायत-वार्ड से होगा प्रतिभागी का चयन

जनपद में खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी, 6 खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गये

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। खाद्य सुरक्षा विभाग ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ अभियान चलाकर छापामार कार्रवाई की। सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड-।। अभय कुमार सिंह के निर्देशन एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में खाद्य सचल दल ने विभिन्न तहसीलों में रेस्टोरेंट, मिष्ठान एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान दूध, पनीर, खोया, घी और मैंगो सीरप समेत कुल छः खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए संग्रहित किए गए। अभियान के दौरान टीम ने पट्टी क्षेत्र में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इसके बाद कुण्डा तहसील के राजापुर बिन्धन स्थित मिश्रा पनीर केंद्र से पनीर का एक नमूना लिया गया। नगर पालिका परिषद क्षेत्र के जीआईसी रोड स्थित सादाब एजेंसी से दूध के दो नमूने संग्रहित किए गए। इसी क्रम में चौक स्थित खोया मंडी से खोया का एक नमूना लिया गया। पृथ्वीगंज स्थित सूरज किराना प्रतिष्ठान से एक घी (ब्राण्ड-अनिक) का नमूना तथा चौक तिराहा स्थित बनवारी लाल एंड सन्स से मैजिंग मैंगो सीरप का नमूना जांच के लिए संग्रहित किया गया। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सभी छः नमूनों को विधिवत संग्रहित कर जांच के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद उसमें सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सचलदल में रोशन सिंह, संतोष कुमार दूबे, डॉ यादव संजय कुमार नन्हकू, शहाब उद्दीन सिद्दीकी एवं डा0 शमशुन नेहा खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण उपस्थित रहे।

शिक्षक अवधेश पाल के असामयिक निधन से शोक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। ब्लॉक संसाधन केंद्र शोहरतगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय गजहड़ा में तैनात सहायक अध्यापक अवधेश कुमार पाल का शनिवार सुबह असामयिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से शिक्षा विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। बताया गया कि अचानक तबीयत खराब होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए लखनऊ ले जाया गया था, जहां उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। अवधेश कुमार पाल मूल रूप से हरदोई जनपद के निवासी थे। शिक्षक के निधन पर बीआरसी शोहरतगढ़ परिसर में शोक सभा आयोजित की गई। इस दौरान बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। शोक सभा में मुस्तन शेरुल्लाह,मनोज यादव,डॉ. आशुतोष सिंह, संजीव राम, पप्पू यादव, दधीचि कुमार, तुलसीराम, बजरंगी, कल्पना, अमरेश कुमार, मनमोहन, रविन्द्र गौड़, पृथ्वी पाल, महेश त्रिपाठी, रामाश्रय लाल, पंकज कुमार जायसवाल, राजीव धर त्रिवेदी, अरविंद यादव, महेंद्र यादव, बाबूलाल, अरविंद दयाल, रोहिणी चौधरी, कंचनलता, प्रीति त्रिपाठी, बिंदु शर्मा, कल्पना, अनूप त्रिपाठी, राकेश राज, पवन चौरसिया, राकेश नायक, तेजेन्द्र प्रताप चौधरी, राकेश जायसवाल, अरुण कुमार, विनोद कुमार आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी पूरी तरह नि:शुल्क, पैसे मांगने वालों की करें शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)-2.0 को लेकर जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) ने योजना के नाम पर किसी भी प्रकार की धनराशि मांगने वाले व्यक्तियों से सावधान रहने की अपील की है। अपर उप जिलाधिकारी/परियोजना अधिकारी डूडा सीमा भारती ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)-2.0 पूर्णतः निःशुल्क योजना है और इसमें किसी भी प्रकार का शुल्क देय नहीं है। उन्होंने बताया कि पूर्व में नामित संस्था के सर्वेयर वर्तमान में नगर पंचायतों में कार्य नहीं कर रहे हैं। इसके बावजूद यदि कोई व्यक्ति सर्वेयर के नाम पर नगर पंचायतों में अभिलेख जमा कराने, लाभार्थी को पात्र कराने अथवा आवास योजना की किसी भी किश्त को जारी कराने के नाम पर पैसे की मांग करता है, तो ऐसे व्यक्ति को किसी भी प्रकार की धनराशि न दें। उन्होने आमजन से अपील की कि यदि कोई व्यक्ति योजना का लाभ दिलाने के नाम पर पैसे मांगता है तो उसके संबंध में उपलब्ध साक्ष्य सहित तत्काल जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी अथवा कार्यालय जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), प्रतापगढ़ में लिखित शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए मामले की जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अज्ञात के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। दस हजार नकदी समेत सोने चांदी के आभूषण चोरी की घटना को लेकर लालगंज पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र के पुरवारा निवासी सुरेश कुमार पाल पुत्र सीताराम ने दी गई तहरीर में कहा है कि बीती बीस अगस्त की रात अज्ञात चोरों ने उसके घर की पक्की दीवार काटकर घर में रखे दस हजार की नकदी समेत जेवरात व कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का केस दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

समाधान दिवस में एसडीएम व सीओ ने सुनीं शिकायतें

लालगंज, प्रतापगढ़। थाना समाधान दिवस में एसडीएम व सीओ ने संयुक्त रूप से शिकायतों की सुनवाई की। सात शिकायतों में हालांकि निस्तारण सिफर रहा। एसडीएम वाचस्पति सिंह तथा सीओ राजीव द्विवेदी ने सभी प्रार्थना पत्रों पर राजस्व एवं पुलिस टीम का संयुक्त रूप से गठन किया। एसडीएम ने थाना समाधान दिवस में राजस्व निरीक्षकों तथा लेखपालों की उपस्थिति का सत्यापन भी किया। वहीं सर्किल के लीलापुर, उदयपुर, सांगीपुर थानों में भी अफसरों ने समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों की सुनवाई की।

रक्षा मंत्रालय में चयनित हुई आंचल, जतायी गयी खुशी

लालगंज, प्रतापगढ़। भेभौरा निवासी प्रधान संघ के पूर्व अध्यक्ष केडी मिश्र की पौत्री आंचल मिश्रा ने रक्षा मंत्रालय में एलडीसी पद पर चयनित होकर लालगंज क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सफलता को लेकर परिजनों में खुशी का माहौल देखा गया। आंचल पूर्व जिपंस दीपक मिश्र की सुपुत्री है। सफलता पर केडी मिश्र व दीपक मिश्र तथा मेधावी की मां बबली मिश्रा ने आंचल का मुंह मीठा कराकर खुशी जतायी है। वहीं क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने भी आंचल की सफलता को लालगंज क्षेत्र में शिक्षा के हब की ओर एक और सफलता भरा कीर्तिमान कहा है। सेवानिवृत्त आईएएस रमेशचंद्र मिश्र, समाजसेवी प्रकाशचंद्र मिश्र, सुनील मिश्र, ब्लाक प्रमुख अमित प्रताप सिंह पंकज, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी आदि ने भी आंचल की सफलता को सराहा है।

ग्राम समाज की सुरक्षित जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप, मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत

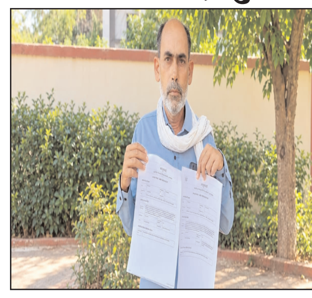

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। तहसील क्षेत्र के दौतरा गांव में ग्राम समाज की सुरक्षित भूमि पर कथित रूप से अवैध कब्जा कर पक्का निर्माण कराए जाने का मामला सामने आया है। गांव निवासी आलमगीर और हजरत अली ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर मामले की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, दौतरा गांव की गाटा संख्या 948 राजस्व अभिलेखों में ग्राम समाज की सुरक्षित भूमि के रूप में दर्ज है। आरोप है कि उक्त भूमि के करीब 10 बिस्वा से अधिक हिस्से पर कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से कब्जा किया जा रहा है और वहां पक्का निर्माण कराया जा रहा है। आलमगीर और हजरत अली ने शिकायत में आरोप लगाया है कि रमेश पुत्र संतलाल तथा गुड्डू पुत्र अब्दुल जलील, निवासी पूरे फेरू मजरे दौतरा द्वारा उक्त भूमि पर निर्माण कराया जा रहा है। शिकायतकर्ताओं का यह भी आरोप है कि इसी परिसर में एक निजी विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि ग्राम समाज की सुरक्षित भूमि सार्वजनिक उपयोग और जनहित के लिए संरक्षित होती है। ऐसे में यदि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण कराया गया है तो यह गंभीर मामला है।

उन्होंने प्रशासन से राजस्व अभिलेखों के आधार पर भूमि की जांच और मौके पर पैमाइश कराने की मांग की है। मुख्यमंत्री पोर्टल के माध्यम से की गई शिकायत में भूमि की निष्पक्ष जांच, पैमाइश कराकर अवैध कब्जे की पुष्टि होने पर उसे हटाने तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है। फिलहाल शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। जिन लोगों पर आरोप लगाए गए हैं, उनका पक्ष भी सामने नहीं आया है। अब प्रशासनिक एवं राजस्व विभाग की जांच के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

थाना समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनी फरियादियों की समस्याएं, समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने थाना कोतवाली नगर पहुंचकर आमजन की शिकायतें सुनीं। थाना समाधान दिवस में राजस्व विभाग की 08 व पुलिस विभाग की 02 शिकायते प्राप्त हुई। अधिकारियों ने फरियादियों द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्रों एवं विभिन्न समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से प्रकरणों की जानकारी ली तथा शिकायतों के निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि थाना समाधान दिवस में प्राप्त प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मौके पर जाकर प्रकरण की वास्तविक स्थिति का सत्यापन किया जाए।उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक फरियादी को उसकी शिकायत पर की गई कार्रवाई से अवगत कराने के निर्देश दिए। डीएम ने भूमि विवाद, आपसी विवाद एवं अन्य संवेदनशील मामलों में विशेष सतर्कता बरतने तथा समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि आमजन को त्वरित न्याय एवं प्रभावी समाधान मिल सके। थाना समाधान दिवस के उपरांत जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने क्षेत्राधिकारी नगर आशुतोष मिश्रा के साथ थाना कोतवाली नगर का निरीक्षण किया। इस दौरान थाना परिसर, कार्यालय, अभिलेखों एवं पुलिसिंग से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने संबंधित पुलिसकर्मियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कर्मचारियों को आमजन की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण करने तथा थाना की समस्त व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

लेखपालों ने एंटी करप्शन कार्रवाई का विरोध किया

● सिद्धार्थनगर जिले के पांचों तहसीलों में धरना / प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पांचों तहसीलों में लेखपालों ने एंटी करप्शन कार्रवाई का विरोध कर धरना प्रदर्शन किया। इटवा तहसील परिसर में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ इटवा तहसील ईकाई के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी के गैरमौजूदगी में नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा ।तहसील अध्यक्ष अमरदीप चौधरी ने कहा प्रांतीय कार्यकारणी द्वारा प्रदेश में लेखपाल साथियों पर भ्रष्टाचार व अत्याचार निवारण संगठन (ACO) द्वारा की जा रही गलत एवं अनुचित ट्रैप कार्रवाई के संबंध में कहा प्रदेश के फील्ड में कार्यरत लेखपाल साथियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण संगठन (ACO), उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा की जा रही गलत एवं अनुचित ट्रैप कार्रवाई से प्रदेश के पूरे लेखपाल संघ में आक्रोश एवं असुरक्षा की भावना व्याप्त है। महामंत्री नवीन चौधरी ने कहा लेखपाल ग्रामीण क्षेत्रों में कठिन से कठिन परिस्थितियों में शासन की योजनाओं एवं राजस्व संबंधी दायित्वों का निर्वहन करते हैं। किसी निर्दोष कर्मचारी के विरुद्ध गलत अथवा सुनियोजित ट्रैप कार्रवाई से उसका सेवाकाल, सामाजिक प्रतिष्ठा एवं पारिवारिक जीवन गंभीर रूप से प्रभावित होता है। तो संगठन भ्रष्टाचार के विरुद्ध निष्पक्ष एवं वैधानिक कार्रवाई का समर्थन करता है, किंतु नियम विरुद्ध एवं अनुचित कार्रवाई किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं की जाएगी। जनपद अयोध्या की तहसील सोहावल में लेखपाल साथी उत्कर्ष दीप के साथ हुई घटना अत्यंत गंभीर है। उपलब्ध है सीसीटीवी रिकॉर्डिंग के अवलोकन से प्रथम दृष्टया रिश्वत की मांग किए जाने का कोई स्पष्ट तथ्य प्रतीत नहीं होता है। उक्त प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराते हुए उनके विरुद्ध की गई कार्रवाई को समाप्त कराए जाना तथा दोषी अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई किया जाना आवश्यक है।लेखपाल संवर्ग के लिए भयमुक्त एवं निष्पक्ष वातावरण

सुनिश्चित कराने हेतु प्रभावी ढंग से कार्रवाई की जाए। इस दौरान जिला अध्यक्ष अजय गुप्ता, लेखपाल संघ तहसील अध्यक्ष अमरदीप चौधरी, महामंत्री नवीन चौधरी, सूर्य प्रकाश त्रिपाठी, राजकुमार कनौजिया, इन्द्र पाल सिंह, अभिषेक कुमार यादव, अरविंद मिश्रा, गिरीशचंद्र, पन्ना लाल यादव, लुकमान अहमद,राम बक्स चौधरी,अजय चौरसिया,विजय कुमार मिश्रा, हिसामुद्दीन, अनूप कुमार, अवधेश प्रताप, राघवेंद्र त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

ग्राम प्रशासक पर जमीन कब्जा करने का आरोप, जांच टीम पहुंची

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। विकास खंड भनवापुर की ग्रामसभा बस्ती बरगदवा में प्रशासक पर नहर और सड़क की सरकारी जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। मामले की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर किए जाने के बाद शनिवार को लोक निर्माण विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। गांव निवासी मोहम्मद आरिफ ने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान ने सरकारी भूमि पर निजी उपयोग के लिए पांच कमरों का मकान बनवा लिया है। इसके अलावा पंचायत भवन और राशन भवन भी इसी भूमि पर बनाए जाने का आरोप है। शिकायत के बाद पीडब्ल्यूडी के जेई राजेंद्र कुमार और अरुण कुमार ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान शिकायतकर्ता समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने जमीन की पैमाइश कराकर नहर और सड़क की भूमि को कब्जामुक्त कराने की मांग की। जेई राजेंद्र कुमार ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर जांच की गई है। रिपोर्ट अधिकारियों को भेज दी गई है। आगे की कार्रवाई नियमानुसार होगी।

उत्तर प्रदेश राजकीय होम्योपैथिक फार्मासिस्ट सेवा संघ के अध्यक्ष बने अंबिका प्रसाद

सिद्धार्थनगर।उत्तर प्रदेश राजकीय होम्योपैथिक फार्मासिस्ट सेवा संघ जनपद सिद्धार्थनगर के संघटनात्मक चुनाव शनिवार को संपन्न हुआ।जिसमें अंबिका प्रसाद अध्यक्ष, आशीष कुमार चौबे सचिव, अविनाश कुमार गुप्ता उपाध्यक्ष, जहांगीर अंसारी कोषाध्यक्ष, मनीष कुमार सिंह संगठन सचिव व गिरीश चन्द्र संरक्षक निर्वाचित हुये। उत्तर प्रदेश राजकीय होम्योपैथिक फार्मासिस्ट सेवा संघ के जनपद शाखा सिद्धार्थनगर के नए कार्यकारी का चुनाव/ गठन शनिवार को जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी सिद्धार्थ नगर की उपस्थिति में हुआ। जिसमें जनपद सिद्धार्थनगर के सभी फार्मासिस्ट की बैठक मंडल अध्यक्ष बस्ती मंडल नितेश शुक्ला की उपस्थिति में हुई। जिसमें सर्वसम्मत से चुनाव संपन्न कराया गया। सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चुनाव सम्पन्न होने पर लोगों ने खुशी जताया। मण्डलीय अध्यक्ष ने यह भी कहा कि कार्यकारिणी सदस्य के तौर पर कृष्णमोहन यादव, आफताब आलम अंसारी, जावेद अख्तर, रवि प्रकाश गुप्ता, विनोद कुमार कुशवाहा को भी मनोनीत किया गया है।

आरोग्यम अस्पताल के नि:शुल्क जांच शिविर में 125 लोगों ने उठाया स्वास्थ्य सेवा का लाभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंड:- शहर के प्रतिष्ठित आरोग्यम सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की ओर से जन्मजात चेहरे एवं जबड़े की समस्याओं से जूझ रहे बच्चों के लिए शनिवार को आयोजित निःशुल्क मेगा जांच एवं परामर्श शिविर में 125 लोगों ने स्वास्थ्य सेवा का लाभ उठाया। सुबह 10 बजे से शुरू हुआ शिविर शाम 4 बजे तक लगातार संचालित रहा। इस दौरान अस्पताल पहुंचे मरीजों एवं उनके अभिभावकों की विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा जांच कर उन्हें समस्या के अनुरूप आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार संबंधी जानकारी दी गई। शिविर का मुख्य उद्देश्य जन्मजात कटे होंठ, कटे तालू, चेहरे की बनावट तथा जबड़े से जुड़ी समस्याओं की समय रहते पहचान कर प्रभावित बच्चों को उचित उपचार का मार्गदर्शन उपलब्ध कराना था। शिविर में बच्चों के अभिभावकों ने उत्साह के साथ भाग लिया और अपने बच्चों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को लेकर विशेषज्ञ चिकित्सक से विस्तारपूर्वक परामर्श प्राप्त किया। शिविर में क्रैनियोमैक्सिलोफेशियल सर्जन डॉ. अमित कुमार ने मरीजों की जांच की। उन्होंने बच्चों में दिखाई देने वाली जन्मजात समस्याओं का चिकित्सकीय आकलन करते हुए अभिभावकों को उपचार की संभावनाओं, आवश्यक सावधानियों तथा आगे की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी। चिकित्सक ने अभिभावकों को बच्चों की ऐसी समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करने तथा समय पर विशेषज्ञ चिकित्सक से सलाह लेने की आवश्यकता पर जोर दिया।

शिविर के दौरान जांच के बाद जिन बच्चों में सर्जरी की आवश्यकता पाई गई है, उनके लिए आरोग्यम अस्पताल की ओर से 23 एवं 24 अगस्त को विशेष निःशुल्क सर्जरी शिविर आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में जरूरतमंद बच्चों की आवश्यक सर्जरी पूरी तरह निःशुल्क की जाएगी। अस्पताल प्रबंधन का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी बेहतर और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि पैसों की कमी किसी भी बच्चे के उपचार में बाधा न बने। जांच शिविर में सर्जरी के लिए चिन्हित किए गए बच्चों को आगे की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। आरोग्यम अस्पताल के निर्देशक हर्ष अजमेरा ने कहा कि अस्पताल की ओर से समय-समय पर आम लोगों और जरूरतमंद मरीजों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहे हैं। इस शिविर का उद्देश्य भी ऐसे बच्चों तक विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श पहुंचाना है, जिन्हें जन्मजात चेहरे एवं जबड़े की समस्याओं के कारण लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद बच्चों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना अस्पताल की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से सर्जरी की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए 23 एवं 24 अगस्त को निःशुल्क सर्जरी शिविर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता देते हुए भविष्य में भी इस तरह के शिविर आयोजित किए जाएंगे। अस्पताल की प्रशासक जया सिंह ने कहा कि कई बार जानकारी या आर्थिक कारणों से अभिभावक बच्चों की जन्मजात समस्याओं का समय पर उपचार नहीं करा पाते हैं। ऐसे परिवारों को उचित चिकित्सा मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह शिविर आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद बच्चों को समय पर उचित चिकित्सा परामर्श दिलाना हमारी प्राथमिकता है। सुबह से ही शिविर में मरीजों और उनके अभिभावकों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था।

गलत ट्रैप कार्रवाई के विरोध में लेखपालों का धरना, निष्पक्ष जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर-शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के प्रांतीय आह्वान पर शनिवार को तहसील परिसर में लेखपालों ने धरना-प्रदर्शन कर गलत ट्रैप कार्रवाई के खिलाफ आवाज बुलंद की। तहसील अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार एवं तहसील मंत्री तरुण प्रताप सिंह के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में लेखपालों ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एसीओ) और पुलिस की ओर से की जा रही कथित अनुचित कार्रवाई पर नाराजगी जताई। धरने को संबोधित करते हुए तहसील अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि प्रदेश में फील्ड में कार्यरत लेखपालों के विरुद्ध हो रही ट्रैप कार्रवाई से पूरे संवर्ग में आक्रोश और असुरक्षा की भावना व्याप्त है। लेखपाल ग्रामीण क्षेत्रों में विषम परिस्थितियों के बीच शासन की योजनाओं को धरातल पर लागू करने तथा राजस्व संबंधी दायित्वों का निर्वहन करते हैं। ऐसे में किसी निर्दोष कर्मचारी के विरुद्ध गलत या सुनियोजित कार्रवाई होने से उसकी सेवा, सामाजिक प्रतिष्ठा और पारिवारिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि लेखपाल संघ भ्रष्टाचार के खिलाफ निष्पक्ष और वैधानिक कार्रवाई का समर्थक है, लेकिन नियमों के विपरीत की जाने वाली किसी भी कार्रवाई को स्वीकार नहीं किया जाएगा। पदाधिकारियों ने अयोध्या जनपद की सोहावल तहसील में लेखपाल उत्कर्ष दीप के साथ हुई ट्रैप कार्रवाई की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। उनका कहना था कि उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन से प्रथम दृष्टया रिश्वत मांगने का कोई स्पष्ट तथ्य सामने नहीं आता। ऐसे में पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर लेखपाल के विरुद्ध की गई कार्रवाई समाप्त करने तथा दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग की गई। लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने प्रदेशभर में लेखपालों के लिए भयमुक्त एवं निष्पक्ष कार्य वातावरण सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इसी मांग को लेकर प्रदेश की विभिन्न तहसीलों में भी धरना-प्रदर्शन आयोजित किए गए। धरने में अंशु बाजपेई, दुर्गेश, शालिनी शर्मा, शिवा गुप्ता, निदा जान समेत लेखपाल संघ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में लेखपाल मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

सामाजिक कार्यकर्ता छत्रु चौधरी के निधन से गांव में शोक की लहर

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- बरही प्रखण्ड अंतर्गत विजैया के ठाकुर टोला विजैया निवासी छत्रु चौधरी (82 वर्ष) का निधन हो गया। वे देवेंद्र यादव, महेश यादव एवं संजय यादव के पिता थे। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उनके परिजनों से मिलने पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त की। स्वर्गीय छत्रु चौधरी सामाजिक एवं धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। वे समाज के लोगों को आपस में जोड़कर चलने और सभी के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार के लिए जाने जाते थे। उनके निधन से गांव के लोगों ने एक मिलनसार, ईमानदार एवं सामाजिक व्यक्ति को खो दिया है। उनके निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति अध्यक्ष मो. कैयूम, पूर्व मुखिया दशरथ यादव, पूर्व उपमुखिया शाहदेव शर्मा, नारायण चौधरी, जगदीश महती, बैजनाथ महतो, निर्मल चौधरी, मथुरा चौधरी, बंसी चौधरी, जागेश्वर यादव, सुरेंद्र यादव, महेंद्र यादव समेत कई ग्रामीण शामिल रहे।

बाबा श्याम की भजन संध्या में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, जमकर झूमे श्याम प्रेमी

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- बरही प्रखंड के करियातपुर निवासी संतोष केसरी के द्वारा आयोजित बाबा श्याम की भव्य भजन संध्या में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्याम भक्तों ने पहुंचकर बाबा श्याम के दरबार में अपनी श्रद्धा-सुमन अर्पित की और परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की। भजन संध्या के दौरान झरिया से पहुंचे कलाकारों ने बाबा श्याम के एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। मधुर भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते और नाचते नजर आए। पूरा वातावरण बाबा श्याम की भक्ति में सराबोर रहा और श्रद्धालुओं ने भक्तिमय माहौल का जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम में करियातपुर पंचायत के मुखिया मनोज कुमार, उप मुखिया प्रतिनिधि संतोष प्रजापति, अनिल केसरी, कैलाश केसरी, दीपक केसरी, दीपू केसरी, प्रकाश केसरी, युवा सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर कुमार, भीम केसरी, शम्भू केसरी, कमलेश कुशवाहा, चन्दन केसरी, पंकज कुमार, सुरेंद्र पंडित सहित बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

चैनपुर प्रखंड की 6 पंचायतों के जनप्रतिनिधियों को डीसी दिलेश्वर महतो ने सौंपा प्रशस्ति पत्र

चैनपुर, झारखंड:- गुमला नगर भवन में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान जिला प्रशासन द्वारा टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों के जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया।गुमला उपायुक्त दिलेश्वर महतो ने चैनपुर प्रखंड की छह पंचायतों को आधिकारिक तौर पर 'टीबी मुक्त पंचायत' का प्रमाणपत्र और प्रशस्ति पत्र देकर उनका हौसला बढ़ाया।सम्मानित होने वाले मुखिया चैनपुर मुखिया शोभा देवी, कातिंग मुखिया मधुरा मिंज, रामपुर, बरडीह, छिछवानी, मालम पंचायतों के मुखिया को दिया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त दिलेश्वर महतो ने कहा कि किसी भी पंचायत को पूरी तरह टीबी मुक्त बनाना एक बहुत बड़ी प्रशासनिक और सामाजिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह सफलता स्थानीय मुखियाओं, पंचायत प्रतिनिधियों और स्वास्थ्य कर्मियों के जमीनी स्तर पर बेहतर तालमेल और कड़ी मेहनत का परिणाम है।

सरकार फंड की कमी नहीं होने का दावा कर रही

सरकारी कर्मी बोले–फंड आया ही नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धनरुआ। एक तरफ सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और सरकारी कर्मियों के वेतन में किसी तरह की परेशानी नहीं होने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर धनरुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ह॥रू के तहत कार्यरत एएनएम को चार माह से प्रथम वेतन का भुगतान नहीं होने का मामला सामने आया है। खास बात यह है कि वेतन भुगतान में देरी की वजह अस्पताल प्रभारी ने फंड उपलब्ध नहीं होने को बताया है। चार माह से वेतन नहीं मिलने से एएनएम आर्थिक परेशानी का सामना कर रही हैं। इसको लेकर एएनएम के एक समूह ने अस्पताल प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को लिखित आवेदन देकर लंबित वेतन के भुगतान की मांग की है। आवेदन में कर्मियों ने बताया है कि वे नियुक्ति के बाद से नियमित रूप से अपनी सेवाएं दे रही हैं, लेकिन अब तक उन्हें वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। मामले में अस्पताल प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि फंड की कमी के कारण अभी एएनएम का भुगतान नहीं हो पाया है। फिलहाल फंड आया नहीं है। फंड प्राप्त होने के बाद सभी संबंधित एएनएम के लंबित वेतन का भुगतान कर दिया जाएगा। ऐसे में सवाल उठता है कि जब सरकार की ओर से सरकारी योजनाओं और कर्मियों के भुगतान के लिए पर्याप्त व्यवस्था होने के दावे किए जाते हैं, तो जमीनी स्तर पर चार माह से वेतन के लिए इंतजार कर रही इन महिला स्वास्थ्यकर्मियों को भुगतान के लिए फंड का इंतजार क्यों करना पड़ रहा है? अब एएनएम को फंड आने और अपने लंबित वेतन के भुगतान का इंतजार है।

कृषि विभाग की जांच पर उठे सवाल, निलंबित खाद विक्रेता को मिली क्लीन चिट

प्रारंभिक जांच में अनियमितताएं मिलने के बाद बदली रिपोर्ट पर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुपौल। त्रिवेणीगंज अनुमंडल में कृषि विभाग की कार्रवाई और जांच रिपोर्ट को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि नगर परिषद वार्ड-25 स्थित पूजा ट्रेडर्स नामक खाद दुकान के खिलाफ प्रारंभिक जांच में गंभीर अनियमितताएं सामने आने के बावजूद बाद की रिपोर्ट में दुकानदार को राहत दे दी गई। मामले में किसानों और स्थानीय लोगों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। जानकारी के अनुसार, गत 4 अगस्त को जिला कृषि पदाधिकारी के निर्देश पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी, त्रिवेणीगंज ने पूजा ट्रेडर्स पर छापेमारी की थी। जांच के दौरान दुकान का संचालन लाइसेंस में दर्ज स्थान से अलग जगह पर किए जाने, स्टॉक और पीओएस मशीन में अंतर तथा बिना बिल के 'हरा सोना' नामक मिक्सर खाद के 10 बैग मिलने जैसी अनियमितताएं सामने आने की बात कही गई थी। इन शिकायतों के आधार पर उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत दुकान का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर बिक्री पर रोक लगाई गई थी। दुकानदार से तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण भी मांगा गया था।

निलंबन के बाद भी बिक्री का आरोप

स्थानीय किसानों का आरोप है कि दुकान का लाइसेंस निलंबित होने और बिक्री पर रोक के बावजूद वहां से खाद की बिक्री जारी रही। किसानों ने सवाल उठाया कि यदि दुकान पर बिक्री प्रतिबंधित थी तो इसकी निगरानी क्यों नहीं की गई। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। इसी बीच मामले की जांच को लेकर विभागीय स्तर पर रिपोर्ट बदलने का आरोप सामने आया है। आरोप है कि अनुमंडल कृषि पदाधिकारी मुकेश कुमार की रिपोर्ट में प्रारंभिक जांच में दर्ज कुछ तथ्यों को अलग तरीके से प्रस्तुत किया गया, जिसके बाद दुकानदार को निलंबन से मुक्त कर दिया गया।

रिपोर्टों में अंतर को लेकर उठे सवाल

मामले को लेकर स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रारंभिक जांच में गंभीर अनियमितताएं मिली थीं तो बाद की जांच में उन्हें किस आधार पर समाप्त माना गया, यह स्पष्ट किया जाना चाहिए। वहीं, यदि प्रारंभिक जांच में कोई त्रुटि थी तो उसके आधार पर दुकान का लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई क्यों की गई, इस पर भी स्थिति स्पष्ट करने की मांग की जा रही है। स्थानीय किसानों ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि जांच में यदि किसी अधिकारी या विक्रेता की लापरवाही अथवा अनियमितता सामने आती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

अधिकारियों ने दी सफाई

अनुमंडल कृषि पदाधिकारी मुकेश कुमार ने कहा कि दुकानदार को लाइसेंस में दर्ज स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है और कोई अनियमितता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि दुकानदार के पास 'हरा सोना' खाद का वैध लाइसेंस है। वहीं, जिला कृषि पदाधिकारी नीतीश कुमार भारती ने कहा कि त्रिवेणीगंज अनुमंडल कृषि पदाधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर दुकानदार को निलंबन से मुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि मामले के संबंध में उन्हें आगे की जानकारी नहीं है। अब प्रारंभिक जांच और बाद की रिपोर्ट में सामने आए अंतर को लेकर सवाल उठ रहे हैं। किसानों ने जिला प्रशासन से दस्तावेजों की जांच कर मामले की वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करने की मांग की है।

जनजातीय गौरव उत्सव में महिला उद्यमिता का दिखा हुनर, 70 स्टॉलों का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंड:- श्री राम जानकी मठ, बड़ा अखाड़ा ठाकुरबाड़ी परिसर में पिछले चार दिनों से जारी जनजातीय गौरव उत्सव-2026 के पांचवें दिन जनजातीय संस्कृति के साथ महिला उद्यमिता का हुनर भी आकर्षण का केंद्र रहा। उत्सव में विभिन्न राज्यों से पहुंचीं महिला उद्यमियों और महिला समूहों की ओर से करीब 70 स्टॉल लगाए गए हैं, जहां महिलाओं के हाथों से तैयार कपड़े, अचार, हस्तशिल्प, सजावटी सामान, घरेलू उपयोग की वस्तुएं और पारंपरिक उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। पांचवें दिन एमएसएमई निदेशक, झारखंड सुरेंद्र कुमार एवं पीएमएस स्कीम के प्रभारी कृष्ण राव उत्सव स्थल पहुंचे। आयोजन समिति की ओर से उनका स्वागत किया गया। दोनों ने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण कर महिला उद्यमियों से उनके उत्पादों और व्यवसाय की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने द्वादश ज्योतिर्लिंग के दर्शन भी किए। सुरेंद्र कुमार एवं कृष्ण राव ने कहा कि

ऐसे आयोजन महिलाओं को अपने हुनर और उत्पादों को बड़े मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर देते हैं। महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प का महत्वपूर्ण हिस्सा है। महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने वाले ऐसे आयोजन आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हजारीबाग में आयोजित जनजातीय गौरव उत्सव महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में सराहनीय पहल है। उत्सव के तहत हजारीबाग आर्ट एंड कल्चरल ट्रस्ट की ओर से आठ दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। पांचवें दिन की सांस्कृतिक संध्या में शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, स्कूलों और कॉलेजों से जुड़े कलाकारों ने गीत, संगीत और नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ सुरेंद्र कुमार, कृष्ण राव, बिरसा मुंडा जनकल्याण योजना प्रचार अभियान के राष्ट्रीय अभियान प्रमुख राजमणि, प्रदेश अध्यक्ष रामकिशोर सावंत, सुबोध सिन्हा हजारीबाग सदर विधायक सांस्कृतिक कला विभाग प्रतिनिधि हजारीबाग जनजातीय गौरव उत्सव की प्रभारी पूनम मिश्रा, मरियम टुडू, ज्योतिष्ण देवी, मंजू मिश्रा एवं सीमा गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। आयोजन मंडली की ओर से सुरेंद्र कुमार एवं कृष्ण राव को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा राजेंद्र प्रसाद, शंकर पाठक, भैया अभिमन्यु प्रसाद, सुदेश चंद्रवंशी, देबू जैन, पप्पू जैन, बजरंग अग्रवाल, मनोज कुमार दास, विजय दुबे एवं सुजीत कुमार को भी स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विकास सिन्हा ने ऑर्गन, सूरज दयाल ने पैड, कपिल कुमार ने नाल और सुभाष सेन ने गिटार वादन से प्रस्तुति दी। गायन में दीपक सिन्हा, अक्षत सिन्हा, मनोज कुमार एवं सोनी कुमारी ने प्रस्तुति दी। एकल नृत्य में रिद्धि गुप्ता, शांभवी गुप्ता, स्नेहा कुमारी एवं मानसी कुमारी ने अपनी प्रतिभा दिखाई। समूह नृत्य में डीएवी पब्लिक स्कूल के सीनियर छात्रों, हिप हॉप डांस अकादमी, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर एवं डीएवी पब्लिक स्कूल जूनियर के विद्यार्थियों ने शानदार प्रस्तुति दी। मंच संचालन आर्ट एंड कल्चरल ट्रस्ट के सचिव एवं उद्घोषक सुबोध आकाश सिन्हा ने किया। कार्यक्रम में ज्ञान सागर, पंकज सिन्हा, अखिलेश वर्मा, बद्रीराम, राजीव रंजन मिश्रा, सविता देवी, सलीम रजा, शशिकांत सिन्हा, डॉ. गौतम गुप्ता, आकाशदीप, माथुर साहब सहित शहर के कई लोग मौजूद रहे।

26 अगस्त को पाकुड़िया प्रखंड में मनाया जाएगा ईद-मिलादुन्नबी का त्योहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंड:- बीते शनिवार को पाकुड़िया थाना परिसर में शांति समिति की आवश्यक बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमनाथ बनर्जी की अध्यक्षता में विधिवत संपन्न हुई। बैठक में थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो, जिला सहकारिता पदाधिकारी, एएसआई महादेव चौधरी एवं पुलिस स्टाफ, बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा, झामुमो जिला उपाध्यक्ष हरिवंश चौबे, नजरूल इस्लाम, लाल मोहम्मद सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग उपस्थित हुए। लोगों ने पर्व को लेकर अपने सुझाव दिए तथा संबंधित आवेदन पत्र भी सौंपे। शांति समिति की बैठक में थाना प्रभारी मनोज महतो ने कहा कि ईद-मिलादुन्नबी का पर्व शांति एवं सामाजिक सौहार्द के साथ मनाएं। बाइक रैली को नियंत्रित रखें तथा कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए पर्याप्त संख्या में वॉलेंटियर अवश्य रखें। बैठक में मुस्लिम समाज के लोगों ने बताया कि वर्ष 1501 में इस्लाम के अंतिम पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब के जन्म के अवसर पर उनकी जीवनी के आलोक में विस्तृत जानकारी दी जाएगी तथा बाइक रैली निकाली जाएगी। वहीं 25 अगस्त की संध्या बच्चों के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। पर्व को पूर्ण शांति एवं सामाजिक सौहार्द के साथ संपन्न कराने के लिए पुलिस बल की तैनाती रहेगी। सभी उपस्थित लोगों को धन्यवाद देते हुए बैठक का समापन थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो ने किया।

लखपति दीदी योजना और ई-केवाईसी में तेजी लाने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चैनपुर, झारखंड:- चैनपुर अनुमंडल स्थित जेएसएलपीएस कार्यालय में ब्लॉक मिशन प्रबंधन इकाई चैनपुर में आजीविका से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और प्रगति की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला स्तरीय पदाधिकारियों डीएम लिवलीहुड बिरेन मिंज और डीपीओ बीमलेन्दु सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता बीएमएमयू चैनपुर की प्रखंड मिशन प्रबंधक बबिता बड़ाईक ने की, जिसमें बीएमएमयू के समस्त स्टाफ और कैडर शामिल हुए।बैठक के दौरान क्षेत्र में चल रहे विभिन्न डोमेन के कार्यों की गहन समीक्षा की गई और कई अहम दिशा-निर्देश जारी किए गए स्वयं सहायता समूह की दीदियों का जल्द से जल्द शत-प्रतिशत ई केवाईसी पूरा करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही, योग्य सदस्यों को चिन्हित कर उन्हें 'लखपति दीदी' योजना से जोड़ने के लिए गति बढ़ाने पर जोर दिया गया।समूहों के सामुदायिक निवेश कोष, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति व सुरक्षा बीमा योजना और अन्य वित्तीय समावेशन संबंधी लाभों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की रणनीति बनाई गई।ग्रामीण महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए पशुपालन गतिविधियों और आजीविका संवर्धन के अन्य साधनों को बढ़ावा देने की चर्चा हुई।दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के तहत ग्रामीण युवाओं के प्रशिक्षण और रोजगार के अवसरों की समीक्षा कर इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए गए।बैठक के अंत में अधिकारियों ने सभी कैडर और स्टाफ को समन्वय बनाकर समयबद्ध तरीके से लक्ष्य हासिल करने को कहा, ताकि क्षेत्र की महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया जा सके।

गिद्दी में पुलिस और राहुल दुबे गैंग के सदस्यों के बीच मुठभेड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, हजारीबाग, झारखंड:- गिद्दी थाना क्षेत्र में कोयला खनन एवं ट्रांसपोर्टिंग इलाके में बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी कर रहे राहुल दुबे गैंग के कथित दो सक्रिय सदस्यों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उनके पास से दो देशी पिस्टल, दो जिंदा गोलियां, एक मिस फायर गोली, चार खोखे, एक मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन और राहुल दुबे के नाम के तीन पर्चे बरामद किए हैं। एक अन्य आरोपी अंधेरे का लाभ उठाकर जंगल की ओर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, 21/22 अगस्त 2026 की रात करीब 2:30 बजे पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग को सूचना मिली थी कि राहुल दुबे गिरोह के सक्रिय सदस्य गिद्दी थाना क्षेत्र में कोयला खनन एवं ट्रांसपोर्टिंग क्षेत्र में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना थी कि गिरोह के सदस्य भुरकुंडा की ओर से मोटरसाइकिल से आने वाले हैं।

सूचना के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बड़कागांव अमित आनंद (भापुसे) के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। टीम ने उरीमारी ओपी प्रभारी सहित विभिन्न थाना एवं ओपी के सशस्त्र बलों के साथ बुकरू गांव के जंगल क्षेत्र में अपराधियों की तलाश शुरू की। इसके बाद गिद्दी-भुरकुंडा रोड स्थित पुराने कांटा घर के पास सघन जांच एवं वाहन चेकिंग शुरू की गई। पुलिस के मुताबिक, करीब 3:50 बजे भुरकुंडा की ओर से एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन वे मोटरसाइकिल मोड़कर भागने लगे। इसी दौरान मोटरसाइकिल असंतुलित होकर गिर गई और तीनों जंगल की ओर भागने लगे। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। आरोप है कि इसी दौरान तीनों ने पुलिस टीम को निशाना बनाकर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने सुरक्षित स्थान लेकर कई बार उन्हें हथियार डालकर आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन फायरिंग जारी रहने पर पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो आरोपी घायल हो गए। एक के दाहिने पैर में घुटने के पास तथा दूसरे के बाएं पैर में एड़ी के ऊपर गोली लगी। वहीं तीसरा आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर भाग निकला। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बादल कुमार, पिता मेवा राम उर्फ बिनोद राम, निवासी हनुमानगढ़ी, सीसीएल कॉलोनी, पतरातू, रामगढ़ तथा मोहित कुमार उर्फ पीटर, पिता अशोक कुमार साव, निवासी रसदा, थाना बासल, रामगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने खुद को राहुल दुबे गैंग का सक्रिय सदस्य बताया। पुलिस का दावा है कि दोनों ने बताया कि जेल में बंद दीपक करमाली उर्फ नेपाली के कहने पर उन्हें एक अन्य साथी के साथ गिद्दी थाना क्षेत्र में लेवी वसूली के उद्देश्य से भय एवं दहशत पैदा करने के लिए भेजा गया था। कथित तौर पर कोयला खनन क्षेत्र एवं ट्रांसपोर्टिंग रोड पर चलने वाले हाईवा वाहनों में फायरिंग करने की योजना थी। घायल दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस अभिरक्षा में इलाज के लिए सदर अस्पताल, हजारीबाग भेजा गया, जहां दोनों का उपचार चल रहा है। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो देशी पिस्टल, एक मोटरसाइकिल, दो जिंदा गोलियां, एक मिस फायर गोली, चार खोखे, दो मोबाइल फोन तथा राहुल दुबे के नाम के तीन पर्चे बरामद किए हैं। छापामारी टीम में एसडीपीओ बड़कागांव अमित आनंद, पुलिस निरीक्षक बड़कागांव अंचल शाहिद रजा, गिद्दी थाना प्रभारी मो. इकबाल हुसैन, मुफ्फसिल थाना प्रभारी मुकेश कुमार, केरेडारी थाना प्रभारी वेद प्रकाश पाण्डेय, उरीमारी ओपी प्रभारी रथू उरांव सहित गिद्दी थाना के सशस्त्र बल तथा तकनीकी शाखा और संगठित अपराध शाखा के पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी शामिल रहे।

ट्रैप कार्यवाही को अनुचित बताते लेखपालों ने दिया धरना

ज्ञापन एसडीएम को सौंपकर ट्रैप कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- भ्रष्टाचार निवारण संगठन, एंटी करप्शन एवं विजिलेंस टीम पर प्रदेश भर में लेखपालों के विरुद्ध गलत, अनुचित और दुर्भावनापूर्ण ट्रैप कार्रवाई किए जाने का आरोप लगाते हुए उप्र लेखपाल संघ के आह्वान पर तहसील कोंच क्षेत्र के लेखपालों ने शनिवार को यहां तहसील कार्यालय स्थित चबूतरे पर नारेबाजी करते हुए धरना दिया। धरने के बाद लेखपालों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपकर ट्रैप कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की। उप्र लेखपाल संघ के कोंच तहसील अध्यक्ष चंद्रप्रकाश साहू की अगुवाई में शनिवार को थाना दिवस का बहिष्कार कर लेखपालों ने एक दिवसीय कलमबंद हड़ताल करने के साथ धरना देने के उपरांत एसडीएम अभिनव कुमार को सौंपे अपने ज्ञापन में गत 20 अगस्त को अयोध्या जनपद की तहसील सोहावल में लेखपाल उत्कर्ष दीप से जुड़े एक प्रकरण का उल्लेख करते हुए सीसीटीवी फुटेज, वायरल वीडियो, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और प्री-ट्रैप प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच की मांग की।

लेखपालों ने कहा कि भ्रष्टाचार का समर्थन नहीं किया जाएगा और दोषी कर्मचारी पर नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए लेकिन निर्दोष कर्मचारी को फंसाना किसी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। कहा कि लेखपाल राजस्व विभाग का अग्रिम पंक्ति का कर्मचारी है जो गांव-गांव जाकर भूमि विवाद, पैमाइश, अतिक्रमण और अन्य राजस्व कार्यों का निर्वहन करता है। नियमों के विपरीत कार्य करने से इनकार करने पर कई बार झूठी शिकायत का सामना लेखपालों को करना पड़ता है। पूरे मामले में लेखपालों ने ट्रैप कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की है। इस दौरान संघ के जिला मंत्री चंदन सिंह, तहसील मंत्री दिलीप पटेल, उपाध्यक्ष आशीष दीक्षित, कोषाध्यक्ष विवेक कुमार, उप मंत्री अनुराग चौधरी, ऑडिटर अंकित झा, सदर लेखपाल दिग्विजय सिंह आदि लेखपाल मौजूद रहे।

जूते में छुपे बैठे सर्प ने छात्र को काटा

कोंच(जालौन)- स्कूल जाने के लिए जूते पहन रहे 18 वर्षीय एक छात्र को जूते के भीतर छुपे बैठे सर्प ने काट लिया जिससे छात्र की हालत बिगड़ गई, आनन फानन में छात्र को उपचार के लिए सीएचसी ले जाया गया जहां चिकित्सकों द्वारा छात्र का उपचार किया गया। जानकारी के अनुसार, नगर के मोहल्ला गांधी नगर निवासी छात्र अभिनव (18) पुत्र प्रदीपचंद्र ताम्रकार स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में कक्षा 12 का छात्र है। रोज की तरह शनिवार की सुबह करीब 8 बजे अभिनव घर से स्कूल जाने के लिए तैयार हो रहा था। वह जब जूते पहनने लगा तो जूते के अंदर छुपे बैठे एक जहरीले सर्प ने उसके पैर में काट लियाजिससे उसकी हालत बिगड़ गई। यह देख परिजन घबरा गये और आनन फानन में उसे उपचार के लिए सीएचसी ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार किया। बगैर समय गंवाए चिकित्सकीय उपचार मिलने के बाद उसकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। इस घटना ने बारिश के इन दिनों में कपड़ों और जूतों से लेकर अन्य सामान का उपयोग करने से पहले अच्छी तरह जांचने की जरूरत सामने ला दी है।

महंगाई के विरोध में समाजवादी पार्टी के 78 वार्डों पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर संगठन ने महानगर के कैन्ट, आर्यनगर, सीसामऊ, गोविन्द नगर, किदवई नगर के 78 वार्डों के 342 केन्द्रों पर महंगाई के विरोध में सभी कार्यकर्ताओं, पीडीए टीम ने काली पट्टी बांधकर सपा महानगर अध्यक्ष फजल महमूद के नेतृत्व में प्रदर्शन कर 2027 में परिवर्तन का संदेश दिया। सपा अध्यक्ष फजल महमूद ने सम्बोधन में कहा कि महंगाई से आम जनता की जेबों पर डाका पड़ रहा है जिसके कारण घर चलाना मुश्किल हो गया है, एक कप चाय 20 रुपये की हो गयी है। बिस्कुट, सब्जी, मिठाई के दामों में रक्षा बन्धन, नवरात्र, दीपावली में भी चीनी सौ रुपये प्रति किलो पार कर जायेगी क्योंकि चीनी का निर्यात कर जनता के साथ खिलवाड़ कर चीनी की कड़वाहट से उसकी रंगत डूबी है। सपा अध्यक्ष फजल महमूद ने सम्बोधन में कहा कि अरहर की दाल 150 रुपये प्रति किलो, मूंगदाल 130 रुपये प्रति किलो, चीनी 70 रुपये प्रति किलो, चावल साधारण 72 रुपये प्रति किलो, लाल मिर्च 500 रुपये प्रति किलो, हल्दी 270 रुपये प्रति किलो, जीरा 410 रुपये प्रति किलो, काली मिर्च 960 रुपये किलो, सरसों का तेल 225 रुपये प्रति किलो, गुड़ 74 रुपये प्रति किलो, चना दाल 95 रुपये किलो, आटा 35 रुपये प्रति किलो से जनता त्रस्त है। सपा अध्यक्ष फजल महमूद ने सम्बोधन में कहा कि, रोजमर्रा की चीजों की जो महंगाई बढ़ी है उस पर भाजपा सरकार की नीयत ठीक नहीं रही क्योंकि सरकार निगरानी व्यवस्था से बचने के लिये जमाखोरों को बढ़ावा देकर स्थिति को भयावह बना दी है। सपा कानपुर ने महंगाई से त्रस्त लोगों का आकलन सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को भेजकर स्थिति से अवगत कराया है।

घंटाघर एक्सप्रेस रोड पर फूड विभाग का छापा, भड़के व्यापारी

कानपुर। कानपुर के घंटाघर एक्सप्रेस रोड पर शनिवार को फूड विभाग की टीम ने दुकानों पर छापेमारी की, छापेमारी की कार्यवाही से नाराज व्यापारियों ने जमकर विरोध किया और अपनी-अपनी दुकानें बंद कर दीं। बताया गया है कि इसके बाद बड़ी संख्या में व्यापारी सड़क पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दी इससे प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने व्यापारियों को समझा-बुझाकर शांत कराया। पुलिस को जाम खुलवाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसके बाद सड़क को जाम से मुक्त कराया गया। मौके पर व्यापारी नेता ज्ञानेश मिश्रा भी पहुंचे और उन्होंने व्यापारियों से बातचीत की। कार्यवाही को लेकर व्यापारियों में नाराजगी देखने को मिली है। फिलहाल मौके पर पुलिस मौजूद है और स्थिति सामान्य कराने का प्रयास जारी है।

चुनाव से पहले सी.आर. पाटिल बने पंजाब भाजपा के चुनाव प्रभारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सी.आर. पाटिल को 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है। नियुक्ति के बाद पाटिल ने पंजाब में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। वह पार्टी नेताओं और संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठकें कर चुनावी तैयारियों और संगठन को मजबूत करने को लेकर विचार-विमर्श कर रहे हैं। भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को तेज करने में जुटी है। संगठन क्षमता और चुनाव प्रबंधन के अनुभव के लिए पहचाने जाने वाले पाटिल की भूमिका पंजाब में भाजपा की चुनावी रणनीति तैयार करने और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उनके जिम्मे पार्टी संगठन को मजबूत करना, जमीनी स्तर पर तैयारियों की समीक्षा करना, राज्य नेताओं के साथ समन्वय स्थापित करना और बदलते राजनीतिक माहौल का आकलन करना प्रमुख रूप से शामिल होगा। भाजपा पंजाब में अपनी संगठनात्मक गतिविधियों को भी तेज कर रही है। पार्टी का जोर जमीनी स्तर पर अपनी मौजूदगी बढ़ाने, कार्यकर्ताओं के नेटवर्क को मजबूत करने और सभी विधानसभा क्षेत्रों में संगठन को विस्तार देने पर है। 2027 के विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही भाजपा ने अपनी चुनावी रणनीति और तैयारियों पर चर्चा तेज कर दी है। पार्टी की ओर से पंजाब विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने की बात कही जाती रही है। ऐसे में संगठन को मजबूत करना और प्रभावी चुनाव प्रबंधन भाजपा की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। पाटिल की नियुक्ति को पंजाब में भाजपा की चुनावी तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पार्टी नेतृत्व आने वाले महीनों में बैठकें, विधानसभा क्षेत्रवार समीक्षा और संगठनात्मक कार्यक्रमों को और गति देने की तैयारी में है।

'खेडां वतन पंजाब' की टॉर्च रिले जालंधर पहुंची, मंत्री मोहिंदर भगत ने किया स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जालंधर। पंजाब के बागवानी, रक्षा सेवा कल्याण एवं स्वतंत्रता सेनानी मंत्री मोहिंदर भगत ने 'खेडां वतन पंजाब' सीजन-4 के तहत जालंधर पहुंची टॉर्च रिले का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर उपायुक्त वरजीत वालिया, जिला योजना समिति के चेयरमैन अमृतपाल सिंह सहित कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। लोगों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार खेल क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता दे रही है। सरकार ने खेलों के लिए 700 करोड़ रुपये का बजट रखा है, जिससे जमीनी स्तर पर खेल ढांचे को मजबूत करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का विशेष ध्यान गांवों में खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने और युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने के बेहतर अवसर देने पर है। गांव स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए मॉडल खेल मैदानों का निर्माण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मंत्री ने कहा कि खेलों को पंजाब सरकार के नशा विरोधी अभियान से भी जोड़ा गया है। युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने और उन्हें नशे से दूर रखने में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवाओं से खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। उपायुक्त वरजीत वालिया ने बताया कि 'खेडां वतन पंजाब दियां-2026-27' सीजन-4 के तहत ब्लॉक स्तर की खेल प्रतियोगिताएं 3 से 15 सितंबर 2026 तक, जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं 20 से 30 सितंबर तक और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं 10 से 28 नवंबर तक आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी आधार कार्ड और आयु प्रमाण पत्र सहित आवश्यक दस्तावेजों के साथ पंजाब खेल विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

ग्रामीणों की सूचना पर गांव पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री

पटियाला। पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह शनिवार शाम अपने विधानसभा क्षेत्र पटियाला ग्रामीण के कसियाना गांव पहुंचे। ग्रामीणों से मिली सूचना के आधार पर उन्होंने मौके पर पहुंचकर कथित रूप से नशे की आपूर्ति कर रहे एक व्यक्ति को पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि ग्रामीणों ने उन्हें सूचना दी थी कि गांव में एक व्यक्ति नशीले पदार्थों की आपूर्ति कर रहा है। सूचना मिलते ही उन्होंने अपने सुरक्षा कर्मियों को मौके पर भेजा और स्वयं भी गांव पहुंच गए। इसके बाद संदिग्ध व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले किया गया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को नशा तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार नशे के खिलाफ निर्णायक अभियान चला रही है। नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ-साथ नशे की लत से जूझ रहे लोगों के उपचार और पुनर्वास पर भी सरकार का विशेष ध्यान है। उन्होंने कहा कि जो लोग नशे की लत छोड़कर सामान्य जीवन में लौटना चाहते हैं, सरकार उनके उपचार, परामर्श, कौशल विकास और रोजगार से जोड़ने के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशा तस्करों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, जबकि नशे की लत से पीड़ित लोगों को उपचार और पुनर्वास के माध्यम से मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जाएगा। डॉ. बलबीर सिंह ने लोगों से अपील की कि नशीले पदार्थों की तस्करी या आपूर्ति से जुड़ी किसी भी जानकारी को तुरंत पुलिस के साथ साझा करें। उन्होंने ग्रामीणों की जागरूकता की सराहना करते हुए कहा कि पंजाब को नशामुक्त बनाने के अभियान को जनसहयोग से ही और प्रभावी बनाया जा सकता है। इस मौके पर डीएसपी जंगजीत सिंह रंधावा भी मौजूद रहे।

विधायक डॉ. इशांक कुमार ने विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

होशियारपुर। चब्बेवाल विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए विधायक डॉ. इशांक कुमार ने अधिकारियों को विकास परियोजनाओं की गति तेज करने और सरकारी योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर पर प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक पहुंचाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त आशिका जैन की मौजूदगी में जिला प्रशासनिक परिसर में आयोजित बैठक के दौरान विधायक ने शिक्षा, ग्रामीण विकास और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा स्वीकृत विकास कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि पांच शिक्षा ब्लॉकों के कुल 19,772 विद्यार्थियों को मुफ्त वर्दी वितरित की गई है, जिस पर 1.18 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। 'स्कूल ऑफ हैप्पीनेस' पहल के तहत मोना कलां, पट्टी, मेहना और चब्बेवाल के चार सरकारी प्राथमिक विद्यालयों का चयन किया गया है। प्रत्येक विद्यालय को 10 लाख रुपये की दर से कुल 40 लाख रुपये की अनुदान राशि दी गई है। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2025-26 के मरम्मत एवं रखरखाव कार्यक्रम के तहत 10 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में नागरिक निर्माण कार्यों के लिए करीब 18.73 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। इसके अलावा 25 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में नई चारदीवारी के निर्माण के लिए 87.45 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। विधायक ने इन कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने और उन्हें समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। डॉ. इशांक कुमार ने विधानसभा क्षेत्र में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न योजनाओं के तहत कुल 28,083 लाभार्थियों को सहायता मिल रही है। इनमें 17,425 लाभार्थी वृद्धावस्था पेंशन, 6,656 विधवा एवं बेसहारा महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता, 1,434 आश्रित बच्चों के लिए वित्तीय सहायता तथा 2,568 दिव्यांग लाभार्थी वित्तीय सहायता योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। विधायक ने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा पात्र लाभार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समीक्षा बैठक का उद्देश्य विकास परियोजनाओं और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं की पहचान कर उनका समयबद्ध समाधान करना है। विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए तथा सरकारी योजनाओं का लाभ बिना अनावश्यक देरी के प्रत्येक पात्र निवासी तक पहुंचाया जाए। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त राकेश कुमार मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पंजाब सरकार की संत परंपरा को बचाने की कोशिश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बठिंडा- सभी धर्मों को ध्यान में रखते हुए, पंजाब सरकार राज्य में आपसी भाईचारा और सद्भाव बनाने के लिए कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर रही है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के मार्गदर्शन में, एक शाम, भगवान शिव के नाम, मथुरा, ऋषिकेश, सालासर और वृंदावन जैसे सनातन धर्म के धार्मिक स्थलों पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि हमारे लोग अपनी विरासत से जुड़े रहें। पंजाब मीडियम इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बोर्ड के चेयरमैन नील गर्ग ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह जानकारी दी। उनके साथ पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अमरजीत मेहता, नगर सुधार ट्रस्ट के चेयरमैन जतिंदर भल्ला, सनातन सेवा समिति के जोन कोऑर्डिनेटर अमरीक सिंह और सनातन सेवा समिति के जोन इंचार्ज जीतपाल जस्सी भी थे। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी के तहत पंजाब सरकार 24 अगस्त को लोकल बलवंत गार्गी ऑडिटोरियम में मशहूर बॉलीवुड एक्टर आशुतोष राणा और राहुल भूचर द्वारा तैयार हमारे राम नाटक पेश करेगी। इस मौके पर पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अमरजीत मेहता ने आम जनता को इस नाटक का हिस्सा बनने के लिए इनवाइट किया और कहा कि भगवान राम जी को समर्पित यह नाटक जनता की मांग को देखते हुए दूसरी बार आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नाटक के जरिए पंजाब सरकार युवाओं और बच्चों को अपनी गौरवशाली विरासत से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रही है।

युवक का शव नाले में मिला, नशे में गिरने की आशंका

कानपुर। एयरपोर्ट के पीछे एक युवक का शव नाले में मिलने से हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने पहुंचकर शव को निकाला। सहायक पुलिस आयुक्त चकेरी आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि दिनांक 22 अगस्त 2026 को समय करीब 11:00 बजे थाना महाराजपुर पर सूचना प्राप्त हुई कि एयरपोर्ट के पीछे बहने वाले नाले में एक अज्ञात व्यक्ति का शव दिखाई दे रहा है। सूचना पर तत्काल स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नाले से बाहर निकलवाया गया। आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर शव की पहचान मनीष, उम्र करीब 23 वर्ष, निवासी शेखपुरा, थाना महाराजपुर के रूप में हुई। स्थानीय लोगों द्वारा बताया गया कि मृतक को विगत दिवस शाम करीब 4:00 बजे नाले के पास स्थित पुलिया पर बैठे हुए देखा गया था और वह नशे की स्थिति में प्रतीत हो रहा था। मौके पर एफएसएल टीम को बुलाकर आवश्यक साक्ष्य संकलित किए गए। शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है। परिजनों द्वारा अभी तक कोई तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर प्राप्त होने पर तथ्यों के आधार पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी।

अभ्युदय संस्था ने चलाया वृक्षारोपण अभियान,100 से अधिक पौधे लगाए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। 'अभ्युदय-एक नई शुरुआत' संस्था के तत्वावधान में शनिवार को नांगल देवत मंदिर के पीछे स्थित सामुदायिक पार्क में विशेष वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। अभियान के माध्यम से लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया कार्यक्रम में महिपालपुर वार्ड के पार्षद इंद्रजीत सहरावत उद्यान विभाग, नगर निगम की टीम के साथ मौजूद रहे। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत रंगपुरी स्थित केंद्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य हरिपद दास, शिक्षक और 70 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने पौधे लगाने के साथ-साथ स्थानीय लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक भी किया वृक्षारोपण अभियान में नांगल देवत के स्थानीय नागरिकों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। अभियान के दौरान सौ से अधिक पौधे लगाए गए। संस्था की निधि डंगवाल ने अभियान में सहयोग के लिए पार्षद इंद्रजीत सहरावत, केंद्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य हरिपद दास और उद्यान विभाग की टीम का आभार जताया।निधि डंगवाल ने कहा कि सभी के सहयोग से अभियान सफल रहा। संस्था की ओर से लगाए गए पौधों के रखरखाव और उनकी नियमित देखभाल का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जाएगा।कार्यक्रम में रीना टोकस का विशेष सहयोग रहा। इसके अलावा अभ्युदय संस्था के सभी स्वयंसेवकों ने भी अभियान को सफल बनाने में सराहनीय योगदान दिया।

सलिल विश्नोई ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आर्यनगर की समस्याओं से अवगत कराया

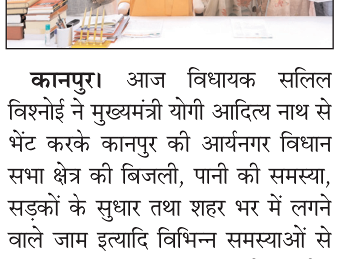

कानपुर। आज विधायक सलिल विश्नोई ने मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ से भेंट करके कानपुर की आर्यनगर विधान सभा क्षेत्र की बिजली, पानी की समस्या, सड़कों के सुधार तथा शहर भर में लगने वाले जाम इत्यादि विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया तथा शीघ्रातिशीघ्र समस्याओं के निराकरण करवाने हेतु कहा। मुख्यमंत्री ने गम्भीरता पूर्वक समस्याओं को सुनकर समस्याओं दूर करवाने का आश्वासन दिया है।

एसडीएम ने सीएचसी का निरीक्षण कर परखी स्वास्थ्य सुविधाएं और व्यवस्थाए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं और व्यवस्थाओं को परखने के लिए एसडीएम अभिनव कुमार ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जो कमियां मिली उन्हें दूर किए जाने के एसडीएम ने निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने ओपीडी, इमरजेंसी और प्रसव कक्ष सहित दवा वितरण कक्ष, रोगी पर्चा काउंटर, पैथॉलाजी, आयुष्मान केंद्र की व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने उपलब्ध दवाओं, जांच सुविधाओं एवं चिकित्सकीय उपकरणों के बारे में केंद्र अधीक्षक से समुचित जानकारी ली। एसडीएम ने एंबुलेंस की उपलब्धता और रखरखाव की भी समीक्षा की। एसडीएम ने जन्म प्रमाण पत्र से संबंधित कार्यों की भी जानकारी ली। सीएचसी केंद्र सहित केंद्र परिसर में साफ सफाई, शौंचालय, स्वच्छ पेयजल व्यवस्था जांचते हुए एसडीएम ने सभी चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति विवरण रजिस्टर चेक किया। निरीक्षण के दौरान साफ सफाई सहित अन्य जो कमियां पाई गई, एसडीएम ने उन्हें शीघ्र ही दूर किए जाने की निर्देश केंद्र अधीक्षक को दिए। एसडीएम ने निर्देश दिए कि आने वाले हर एक रोगी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाए। इस दौरान केंद्र अधीक्षक डॉ अनिल शाक्य, डॉ रामकरण गौर, डॉ एमएस शर्मा, सुनीता पटेल सहित स्टॉफ के अन्य लोग मौजूद रहे।

तीन महीने में 40% महंगी हुई चीनी

खड़गे ने मोदी सरकार से पूछा- इस महंगाई की मार के लिए कौन जिम्मेदार है?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने त्योहारों से पहले चीनी की कीमत में ''बढ़ोतरी'' और देश में चीनी का भंडार कम होने को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। खड़गे ने केंद्र से सवाल किया कि ऐसी स्थिति में भी पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण (E20) की नीति की समीक्षा क्यों नहीं की जा रही कांग्रेस अध्यक्ष ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह दावा भी किया कि देश में चीनी का भंडार नौ साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है और 10 लाख टन चीनी का शुल्क-मुक्त आयात करने की नौबत आ गई है। उन्होंने सवाल किया, ''दुनिया के बड़े चीनी उत्पादक और निर्यातक भारत में आज चीनी का भंडार नौ साल के निचले स्तर पर क्यों है? नौबत निर्यात रोकने और 10 लाख टन चीनी का शुल्क-मुक्त आयात करने तक कैसे पहुंच गई?'' राज्यसभा में विपक्ष के नेता खड़गे ने कहा कि तीन महीने में चीनी करीब 40 प्रतिशत महंगी हो गई है और सरकार को इसका जवाब देना चाहिए कि त्योहारों से पहले जनता पर पड़ने वाली इस महंगाई की मार के लिए कौन जिम्मेदार है। खड़गे ने देश में चीनी की कथित कमी के बीच एथेनॉल नीति पर भी सवाल उठाया। न्होंने पूछा कि जब सरकार विदेश से चीनी मंगा रही है, तो पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण (ई20) के लिए गन्ने और अनाज को इस्तेमाल करने की नीति की समीक्षा क्यों नहीं की जा रही। उन्होंने सवाल किया, ''ये कैसा 'आत्मनिर्भर भारत' है?'' खड़गे ने अपनी पोस्ट में कहा, ''पहले चीनी का उत्पादन घटा, फिर भंडार नौ साल के निचले स्तर पर पहुंचा, अब हम विदेश से चीनी आयात कर रहे हैं और दूसरी तरफ गन्ने को पेट्रोल में मिलाने के लिए एथेनॉल में झोंक रहे हैं!''कांग्रेस अध्यक्ष ने इन मुद्दों के जरिए केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि त्योहारों के मौसम में चीनी की कीमतों में वृद्धि का बोझ आम लोगों पर पड़ रहा है। पिछले कुछ महीनों से करीब 44 रुपये प्रति किलो के आसपास खुदरा बाजार में बिक रही चीनी के दाम अब तेजी से बढ़कर 65 रुपये प्रति किलो के पार पहुंच गए हैं। चीनी की कीमतों में अचानक आए इस उछाल ने आम उपभोक्ताओं से लेकर छोटे दुकानदारों और मिठाई कारोबारियों तक की चिंता बढ़ा दी है। त्योहार को देखते हुए कीमतें और भी बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

राहुल गांधी के धरने से झुकी दिल्ली पुलिस, दर्ज किया पेलेट गन मामले में एफआईआर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली- दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी की मांग मान ली है और पेलेट गन के मामले में स्त्रढ्ढक्रदर्ज कर ली है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस के नेता पीड़ित लोचब को लेकर संसद मार्ग थाने में धरने पर बैठे हुए थे। नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा संसद स्ट्रीट पुलिस स्टेशन पर धरना देने के कुछ घंटों बाद, दिल्ली पुलिस पीड़ित छात्र साहिल लोचव की शिकायत पर एफआईआर दर्ज करने को तैयार हो गई है। साहिल उन 10 लोगों में शामिल है, जिसे 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन से चोटें आईं थीं। इस मामले में राहुल गांधी के धरने के बावजूद पुलिस एफआईआर को तैयार नहीं हो रही थी। लेकिन जब संसद मार्ग पुलिस के आसपास भीड़ जुटने लगी तो पुलिस ने आखिरकार घुटने टेक दिये और राहुल गांधी को भरोसा दिया कि वो इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर एफआईआर दर्ज करेगी। यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है। क्योंकि इससे पहले संसद में, सुप्रीम कोर्ट में, मीडिया से बातचीत में मोदी सरकार के मंत्रियों ने जंतर मंतर की घटनाओं को इस तरह पेश किया था कि जैसे वहां कुछ हुआ ही नहीं है। पैलेट गन पर एफआईआर दर्ज होने के बाद इस केस की कानूनी वैधता बढ़ जाएगी। अभी कम से कम नौ लोग और हैं, जो पैलेट गन से घायल हुए हैं। पुलिस को सभी की एफआईआर दर्ज करना पड़ेगी, वरना मामला अदालत में जाएगा। संसद मार्ग थाने पर धरना शुरू करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि जब तक एफआईआर दर्ज नहीं होगी, वो यहां से जाने वाले हैं। हालांकि बीजेपी ने धरना देने के लिए उन पर अपाजकता फैलाने का आरोप लगाया है। यह FIR घटना के 31 दिन के बाद दर्ज की जा रही है।राहुल गांधी ने कहा कि यह न्याय की दिशा में पहला कदम है। केस दर्ज हो गया है। उसे गोली लगे हुए एक महीना हो चुका है। उसके शरीर में अभी भी छर्रे (पेलेट्स) फंसे हुए हैं, तीन तो उसकी आंख में हैं, और वह उससे देख नहीं पा रहा है। तीन या चार छर्रे उसके दिल के पास हैं। इस नौजवान के साथ बहुत बड़ा अन्याय हुआ है। तब आज 21 अगस्त को राहुल गांधी पीड़ित साहिल लोचव के साथ थाने पहुंच गए और मामले पर जोर दिया।

पुलिस अधिकारी एफआईआर दर्ज करने को तैयार नहीं हुए। राहुल गांधी ने मीडिया को बताया कि पुलिस अधिकारियों ने अपने ऊपर के लोगों का हवाला देते हुए एफआईआर दर्ज करने में असमर्थता जताई। चूंकि यह एक संज्ञेय अपराध है, इसलिए एफआईआर त दर्ज होनी ही चाहिए थी, लेकिन दिल्ली पुलिस ने तभी किया जब नेता विपक्ष ने पूरी तरह दबाव बना दिया।

मद्रास हाईकोर्ट ने कांचीपुरम मंदिर में जातिगत भेदभाव पर रोक लगाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु के कांचीपुरम में भगवान विष्णु को समर्पित अरुलमिगु देवराजास्वामी मंदिर में गैर-ब्राह्मण भक्तों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार को खत्म करते हुए कहा है कि पूजा स्थलों पर जाति-आधारित भेदभाव के लिए धार्मिक परंपराओं का सहारा नहीं लिया जा सकता।डिविजन बेंच ने कहा कि 'भगवान की नज़र में सभी जीव समान हैं' और 'पूजा स्थल पर भेदभाव की कोई जगह नहीं है'। यह मामला 2019 में माधवन रामानुज दासन द्वारा जनहित याचिका (PIL) के तौर पर शुरू किया गया था। वे एक स्थानीय निवासी और भक्त हैं, जिन्होंने गैर-ब्राह्मणों, खासकर थेनकलई उप-संप्रदाय के सदस्यों के साथ व्यवस्थित भेदभाव का आरोप लगाया था। याचिकाकर्ता ने कोर्ट का ध्यान कई चौंकाने वाले आरोपों की ओर खींचा।उन्होंने बताया कि जहां ब्राह्मण भक्तों को श्री मनवाला मामुनिगल मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार का उपयोग करने की अनुमति थी, वहीं 'गैर-ब्राह्मण भक्तों को मुख्य प्रवेश द्वार से अंदर जाने की अनुमति नहीं थी और उन्हें केवल साइड वाले प्रवेश द्वार का उपयोग करने के लिए कहा जाता था'। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गैर-ब्राह्मणों को मंदिर के बाहर खड़ा किया जाता था जहां उन्हें प्रसाद तो मिलता था, लेकिन 'उन पर सतारी नहीं रखी जाती थी'। याचिकाकर्ता ने आगे दावा किया कि गैर-ब्राह्मण भक्तों को मंदिर परिसर के विभिन्न मंदिरों में पवित्र तमिल भजन (नालयिरा दिव्य प्रबंधम) गाने से रोका जाता था।याचिकाकर्ता ने कहा कि ये प्रथाएं श्री मनवाला मामुनिगल के 10 दिनों तक चलने वाले जन्मदिन समारोह के दौरान सबसे ज़्यादा देखी जाती थीं। याचिकाकर्ता ने यह भी बताया कि वह थेनकलई वैष्णव हैं और देवता देवराजास्वामी (विष्णु का अवतार) के भक्त हैं। हालांकि पारंपरिक अध्यापक मिरासी अधिकार विशिष्ट अनुष्ठानों के लिए सुरक्षित हैं, अदालत ने फैसला सुनाया कि 'याचिकाकर्ता या किसी अन्य व्यक्ति या समूह को पूजा के उद्देश्य से मंदिर के किसी भी मंदिर में प्रबंधम का पाठ करने से नहीं रोका जाएगा।

पीठ ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता का इरादा देवता की स्तुति में किए जाने वाले किसी भी पारंपरिक अनुष्ठान में बाधा डालना नहीं है। चूंकि उन्होंने खुद कहा है कि वह देवराजस्वामी की पूजा करते हैं, इसलिए यदि उन्हें भी मंदिरों में भजन पाठ करने का मौका मिलता है, तो यह भेदभाव नहीं माना जाएगा। अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि ऐसी व्यवस्था बनाए रखकर जिसमें हर भक्त को भजनों में भाग लेने और सम्मान प्राप्त करने का मौका मिले, मंदिर यह सुनिश्चित करता है कि 'किसी परंपरा का पालन करने से कोई भेदभाव न हो।

हॉफ एनकाउंटर पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच के आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने उत्तर प्रदेश में हॉफ एनकाउंटर पर तल्ख टिप्पणी करते हुए पूछा कि पुलिस वालों को छर्रा तक नहीं लगता है और अभियुक्त को हमेशा घुटने के नीचे गोली कैसे लगती है. श्रावस्ती के अलाऊद्दीन एनकाउंटर को लेकर सीबीआई जांच के आदेश दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में हुए कथित हॉफ एनकाउंटर को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सीबीआई जांच के आदेश दिया है. साथ ही हाईकोर्ट ने पुलिस की कहानी को प्रथम दृष्टया गलत माना है. हाईकोर्ट ने मामले की टिप्पणी करते हुए कहा कि पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर में कई गंभीर भी विसंगतियां हैं. प्रथम दृष्टया थाना प्रभारी द्वारा घटना का गलत विवरण प्रस्तुत किया गया प्रतीत होता है. हाईकोर्ट ने अपने आदेश में सीबीआई को जांच पूरी कर रिपोर्ट यथासंभव 3 महीने में पेश करने को कहा है। हाईकोर्ट लखनऊ बेंच ने अलाउद्दीन उर्फ छोटकऊ की ओर से दाखिल अपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया है. श्रावस्ती के इकौना थाना में बीएनएस की धारा 109 और आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत दर्ज एफआईआर की सत्यता की जांच करने का निर्देश सीबीआई को दिया है. हाईकोर्ट ने थाना प्रभारी अश्विनी कुमार दुबे की निशानेबाजी क्षमता की भी जांच करने को कहा है। इसमें यह देखा जाएगा कि क्या वह रात में करीब 15 मीटर की दूरी से केवल हथियार लोड किए जाने की आवाज सुनकर 9 एमएम सर्विस पिस्टल से सटीक निशाना लगा सकते हैं कि नहीं. साथ ही 9 एमएम की गोली से मेडिकल रिपोर्ट में बताए गए घावों के आकार को लेकर थाना प्रभारी के स्पष्टीकरण पर भी कोर्ट ने सवाल किया। मामला उस कथित हॉफ एनकाउंटर से जुड़ा है, जिसमें अलाउद्दीन के दोनों पैरों में गोली लगी थी. पुलिस का दावा था कि अलाउद्दीन ने 23 सदस्यीय पुलिस टीम पर फायरिंग की थी. थाना प्रभारी के मुताबिक हथियार लोड किए जाने की आवाज सुनने के बाद आत्मरक्षा में उन्होंने दो गोलियां चलाईं और दोनों गोलियां आरोपी के पैरों में लगी। अलाउद्दीन के अधिवक्ता ने पुलिस की कहानी पर सवाल उठाते हुए कहा कि एफआईआर के अनुसार 13 पुलिसकर्मी एक ही सरकारी वाहन में सवार थे और बाद में तीन टीमों में बंट गए. जबकि किसी अन्य वाहन का जिक्र फर्द में नहीं है. इसके बाद 10 सदस्यीय स्वॉट टीम भी मौके पर पहुंची और पुलिसकर्मियों की कुल संख्या 23 हो गई।

अधिवक्ता ने सवाल उठाया की 10 स्वॉट कर्मियों समेत 23 सशस्त्र पुलिसकर्मी एक ई रिक्शा पर सवार व्यक्ति को रोकने में कैसे असफल रहे. ये भी कहा गया कि यह बात समझ से परे है कि पुलिस टीम कथित रूप से एक देसी तमंचा और केवल दो कारतूस रखने वाले व्यक्ति से निपटने के लिए छिप गई और अतिरिक्त बल बुलाया गया. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने गोली लगने के बाद अलाउद्दीन से कथित रूप से कराए गए इकबालिया बयान पर भी सवाल उठाए. 7 वर्षीय बच्ची के अपहरण से संबंधित मूल घटना के 61 मिनट के भीतर एफआईआर दर्ज हो गई थी. लेकिन उसमें दुष्कर्म, रक्त स्राव या बच्ची के घायल होने का कोई जिक्र नहीं था। हाईकोर्ट ने कहा कि यह बातें बाद में कथित इकबालिया बयान में सामने आई. कोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना कि पुलिस ने संभवत झूठा इकबालिया बयान दर्ज किया. कोर्ट ने जिक्र किया कि मुठभेड़ में शामिल सभी 23 पुलिस कर्मियों को अच्छे कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया था. इनमें उसे अपराध के संबंध में आरोपी से कथित इकबालिया बयान हासिल करना भी शामिल था . जिसमें पहले ही अलाउद्दीन को बरी किया जा चुका था। पुलिस मुठभेड़ की जांच के संबंध में सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों का हवाला देते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि वर्तमान मामले में गंभीर चोट वाले पुलिस मुठभेड़ मामलों की जांच के लिए निर्धारित प्रक्रिया का प्रथम दृष्टया पालन नहीं किया गया. हाईकोर्ट ने याची को राहत देते हुए श्रावस्ती की सेशन कोर्ट के 2 जुलाई के उस आदेश के क्रियान्वयन पर भी रोक लगा दी, जिसमें अलाउद्दीन की डिस्चार्ज अर्जी खारिज की गई थी. मामले की अगली सुनवाई 23 नवंबर को होगी।

शिव महापुराण कथा के श्रवण से मोक्ष की प्राप्तिः श्याम भूषण जी महाराज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। सावन माह में रुद्राभिषेक एवं शिव महापुराण कथा का श्रवण करने से मनुष्य को आध्यात्मिक शांति के साथ मोक्ष की प्राप्ति होती है। भगवान शिव की आराधना और शिव महापुराण का श्रवण जीवन को सफल बनाने का मार्ग प्रशस्त करता है। यह बातें बिठूर, कानपुर से आए श्री श्याम भूषण जी महाराज ने नैनी में आयोजित शिव महापुराण अमृत कथा के दौरान श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहीं।उन्होंने कहा कि शिव महापुराण भगवान भोलेनाथ की महिमा का विस्तृत वर्णन करने वाला पवित्र ग्रंथ है। सावन के पावन महीने में भगवान शिव का विधि-विधान से पूजन, रुद्राभिषेक एवं शिव महापुराण कथा का श्रवण करने से मनुष्य के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और उसे भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर शिव महापुराण का श्रवण किया। इस अवसर पर कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव ने श्री श्याम भूषण जी महाराज का माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम में श्री राजा जी महाराज, हनुमान प्रसाद तिवारी जी महाराज, भाजपा नेता आलोक सिंह, बाबूजी यादव, डॉ. सुभाष कुशवाहा, पंडित दामोदर प्रसाद तिवारी, कृष्ण कुमार शुक्ला, राणा श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तगण मौजूद रहे।

सुंदरकांड पाठ में शामिल हुए पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री वीरेंद्र तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। नई जेल रोड स्थित मोहारीकला गांव में शनिवार को श्री सुंदरकांड पाठ एवं धार्मिक आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रदेश मंत्री एवं यूपीसीएलडीएफ के पूर्व चेयरमैन वीरेंद्र कुमार तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद श्रद्धालुओं के साथ प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान वीरेंद्र कुमार तिवारी ने सत्यम शर्मा की ओर से मोहारीकला में शुरू किए गए नवीन प्रतिष्ठान 'शर्मा टेंट, लाइट एंड कैटर्स हाउस' का फीता काटकर शुभारंभ किया। उन्होंने प्रतिष्ठान संचालक को नई शुरुआत की बधाई देते हुए कारोबार की सफलता और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए वीरेंद्र तिवारी ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की ओर से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के सभी वर्गों के विकास और जनहित के लिए लगातार कार्य कर रही है। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान कर पार्टी की सरकार को दोबारा सत्ता में लाने की अपील की। सुंदरकांड पाठ के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से सहभागिता की। धार्मिक आयोजन से पूरे गांव का माहौल भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर गोसाईंगंज भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवकुमार रावत, मोहनलालगंज ब्लॉक प्रमुख ओमप्रकाश शुक्ला, पूर्व जिला पंचायत सदस्य नागेश्वर द्विवेदी, भाजपा के पूर्व जिला मंत्री शम्भूनाथ पाण्डेय 'गुड्डू', समाजसेवी लक्ष्मीप्रसाद रावत समेत क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक, ग्राम प्रधान और ग्रामीण मौजूद रहे।

बारावफात,रक्षाबंधन व जन्माष्टमी को लेकर पीस कमेटी की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। बारावफात, रक्षाबंधन एवं जन्माष्टमी पर्व को लेकर नैनी थाना क्षेत्र के एक गेस्ट हाउस में शनिवार को पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नैनी थाना प्रभारी बृज किशोर गौतम ने की। इस दौरान पर्वों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों के साथ चर्चा की गई।थाना प्रभारी बृज किशोर गौतम ने कहा कि जुलूस एवं धार्मिक आयोजनों में पूर्व से निर्धारित नियमों का ही पालन किया जाए। जुलूस में नियमानुसार डीजे एवं वाद्य यंत्रों का प्रयोग किया जाए तथा निर्धारित समय का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि पुराने नियमों के अनुसार ही कार्यक्रम आयोजित किए जाएं और कोई नया नियम लागू न किया जाए। साथ ही उन्होंने सभी लोगों से शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।बैठक में विद्युत विभाग, नगर निगम एवं जल संस्थान के अधिकारी भी मौजूद रहे। क्षेत्र की व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में प्रमुख रूप से व्यापारी नेता एवं पार्षद राकेश जायसवाल, पार्षद दिलीप केशरवानी, पार्षद रणविजय सिंह डब्बू, मंडल अध्यक्ष रजत दुबे सहित नैनी व्यापार मंडल के महामंत्री घनश्याम जायसवाल मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन घनश्याम जायसवाल ने किया। बैठक में नैनी थाना क्षेत्र के सभी चौकी प्रभारी भी उपस्थित रहे।इस अवसर पर नाजिम खान, तारिक भाई, हाशिम खान, नरेंद्र चौरसिया, राजेश जायसवाल, अनिल चौरसिया, शानू कुरैशी, जहीर भाई प्रधान सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

एफसीआई गोदाम के पास निकला विशाल अजगर, मची अफरा-तफरी

नैनी, प्रयागराज। नैनी क्षेत्र स्थित एफसीआई गोदाम के गेट के पास शनिवार को एक विशाल अजगर निकल आने से आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। अजगर को सड़क पर रेंगते देख राहगीरों और स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अजगर काफी बड़ा था। कुछ लोगों ने उसे पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन उसके विशाल आकार को देखते हुए किसी की हिम्मत नहीं हुई। अजगर काफी देर तक धीरे-धीरे सड़क पर रेंगता रहा, जबकि आसपास मौजूद लोग दूरी बनाकर उसे देखते रहे।मौके पर भीड़ बढ़ने के बाद स्थानीय लोगों ने वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद विशाल अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया।वन विभाग की टीम ने अजगर को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर जंगल में छोड़ दिया। अजगर के पकड़े जाने के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।

इनसिडियस फ्रैंचाइज़ी एक नए परिवार और एक ऐसे डर के साथ लौट रही है, 740 मिलियन डॉलर से ज़्यादा की कमाई की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। जब मैं इनसिडियस: आउट ऑफ द फर्दर लिख रहा था, तब मेरी पत्नी प्रेग्नेंट थी और मुझे पिता बनने से बहुत डर लग रहा था': राइटर-डायरेक्टर जैकब चेस 5 फिल्मों में ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 740 मिलियन डॉलर से ज़्यादा की कमाई करने के बाद, 'इनसिडियस' फ्रैंचाइज़ी एक नए परिवार और एक ऐसे डर के साथ लौट रही है, जो 'द फर्दर' की ताकत को नए सिरे से परिभाषित करता है: 'इनसिडियस: आउट ऑफ द फर्दर' में अमेलिया ईव ने जेम्मा का रोल निभाया है। जेम्मा एक युवा माँ है, जो अपनी बेटी की परवरिश उसी घर में कर रही है, जहाँ वह खुद बड़ी हुई थी। उसे पता चलता है कि वह 'द फर्दर' में जा सकती है, यह 'इनसिडियस' की दुनिया के केंद्र में खोई हुई आत्माओं की एक डरावनी जगह है। जब कोई बुरी चीज़ उसका पीछा करती है, तो जेम्मा को अपनी एक ऐसी शक्ति का पता चलता है, जो सब कुछ बदल देती है: वह न सिर्फ 'द फर्दर' में जा सकती है, बल्कि वहाँ रहने वाली चीज़ों को असली दुनिया में भी ला सकती है। जब राक्षसों को उसकी शक्ति का पता चलता है, तो हमारी दुनिया उनका खेल का मैदान बन जाती है। लिन शे के एलिस रेनियर के मशहूर रोल में वापसी और जैकब चेस (कम प्ले) के निर्देशन में, 'इनसिडियस: आउट ऑफ द फर्दर' 21 अगस्त, 2026 को पूरे भारत में अंग्रेज़ी, हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज़ होगी। हॉरर जॉनर के लिए चेस का प्यार कई सालों और कई तरीकों से रहा है। वे याद करते हैं, 'मुझे थिएटर से प्यार है, और इसी वजह से मैंने कई सालों तक हॉन्टेड हाउस अट्रैक्शन बनाए। मैं हाई स्कूल से लेकर 20 साल की उम्र तक चैरिटी इवेंट के लिए अपने दोस्तों के साथ ऐसा करता था, और यह बहुत सफल रहा। हॉन्टेड हाउस में सब कुछ होता है, फिल्म मेकिंग, कहानी सुनाना, बेहतरीन किरदार और सबसे ज़रूरी बात, यह एक सामूहिक अनुभव है। किसी को चिल्लाते और हँसते हुए देखने से बेहतर कोई एहसास नहीं होता, चाहे वे हॉन्टेड हाउस से बाहर भाग रहे हों या मूवी थिएटर में हों।' 'इनसिडियस: आउट ऑफ द फर्दर' के लिए डरावना माहौल बनाने के लिए, चेस ने अपनी ज़िंदगी और अपने डर का भी सहारा लिया, खासकर तब, जब उन्होंने उन डरों को इंसानी ज़िंदगी की रोज़मर्रा की, सामान्य और सुरक्षित गतिविधियों के साथ जोड़ने का तरीका देखा। एक उदाहरण: तकियों से बना किला जो एक कभी न खत्म होने वाली, ऐसी भूलभुलैया बन जाता है, जिससे बचा नहीं जा सकता, और दो तरफ से मरे हुए लोग पास आ रहे होते हैं। मुझे बंद और तंग

जगहों से बहुत डर लगता है। यदि मुझे अपने बिस्तर के नीचे भी कुछ ढूँढना हो, तो मुझे घुटन महसूस होती है। और तकियों से बने किले का बुरे सपने में बदल जाना, उस बहुत ही आम और बे-नुकसान चीज़ के साथ सबसे बुरा क्या हो सकता है?' वे कहते हैं, 'डेंटिस्ट के साथ भी ऐसा ही है। उस कुर्सी पर बैठना ही डरावना होता है। इसलिए, मेरे लिए यह ज़रूरी था कि मैं हाइजीनिस्ट जेमा को ही डेंटिस्ट की कुर्सी पर बिठाऊँ। ड्रिल को उसकी तरफ आते देखना, एक फिल्ममेकर के तौर पर मेरे लिए बहुत डरावना पल था।' लेकिन किसी हॉरर फिल्म को सच में डरावना होने के लिए, सिर्फ इतना काफी नहीं है कि दर्शक अपनी उंगलियों के बीच से उसे देखें। इसमें ऐसे किरदार होने चाहिए जो ज़िंदा रहने के सच में डरावने और खौफनाक अनुभव से गुज़रें। और चेस के लिए, 'इनसिडियस' एक ऐसी फ्रैंचाइज़ी है जिसने शुरू से ही ऐसा बहुत अच्छे से किया है, क्योंकि इसके किरदारों के लिए दांव पर बहुत कुछ लगा होता है। वे कहते हैं, 'ज़ाहिर है, इनमें ज़बरदस्त डरावने पल और तनाव होता है, लेकिन इन फ़िल्मों के केंद्र में परिवार पर केंद्रित, दिल को छू लेने वाली फिल्में होती हैं। लैम्बर्ट परिवार, एलिस और नए किरदारों के साथ, इसमें ऐसे शानदार किरदार हैं, जिनसे मैंने जुड़ाव महसूस किया। और फिर, जब आपके अपनों पर कोई मुसीबत आती है, तो वह डर सच में आपके अंदर तक महसूस होता है।' यही बात 'इनसिडियस' फ्रैंचाइज़ी को चेस के लिए निजी बनाती है। वे कहते हैं, 'जब मैं 'इनसिडियस: आउट ऑफ द फर्दर' लिख रहा था, तब मेरी पत्नी प्रेग्नेंट थी और मुझे पिता बनने से बहुत डर लग रहा था। इसी भावना का इस्तेमाल करते हुए, वे कहते हैं, 'यह एक असली, निजी अनुभव से 'इनसिडियस' फिल्म शुरू करने का एक शानदार मौका था।'

होलागढ़ पुलिस द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

ब्यूरो प्रयागराज। थाना होलागढ़ पर पंजीकृत मु0अ0सं0-106/26 धारा-80(2)/85 भा0न्या0सं0 व 3/4 डी0पी0 एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त धर्मेन्द्र सरोज उर्फ तमन्ने पुत्र स्व0 रामकुमार निवासी रामगुलाम का पुरा थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना होलागढ़ पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-22.08.2026 को थाना होलागढ़ क्षेत्रान्तर्गत ग्राम रामगुलाम का पुरा के पास से गिरफ्तार किया गया तथा कब्जे/ निशांदेही पर घटना में प्रयुक्त 01 लोहे की आयताकार राड बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी/ बरामदगी के पश्चात नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्त द्वारा अपने परिवार-जनों के साथ मिलकर मुकदमा वादी की बहन को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करते हुए हत्या कर देने के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना होलागढ़ पर मु0अ0सं0-106/2026 उपरोक्त पंजीकृत किया गया था।

दुबौलिया में सनसनीखेज वारदात: प्रेमी-प्रेमिका ने मिलकर प्रेमिका के पिता की हत्या की

बांस में बंधे हंसिए से हमला करने का आरोप, शव नहर किनारे फेंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्तीजिले के दुबौलिया थाना क्षेत्र के बभरौली गांव में शुक्रवार रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। गांव के पास नहर किनारे करीब 50 वर्षीय कृष्णा प्रसाद का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के गले और कान के पीछे धारदार हथियार से वार किए जाने के निशान पाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कृष्णा प्रसाद ने कथित तौर पर अपनी नाबालिग बेटी को उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। इसके बाद दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान प्रेमी ने बांस में बंधे हंसिए से कृष्णा प्रसाद पर कई वार कर दिए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद शव को नहर के पास छोड़ दिए जाने की बात सामने आई है। सूचना मिलते ही दुबौलिया पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान प्रेमी-प्रेमिका समेत कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस हत्या के पीछे की पूरी परिस्थितियों और घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

प्रेम प्रसंग का विरोध करने पर पिता की हत्या, बेटी और प्रेमी गिरफ्तार

बस्ती जिले में प्रेम प्रसंग का विरोध करने पर एक पिता की हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। दुबौलिया थाना क्षेत्र के बभरौली गांव के पास नहर किनारे करीब 50 वर्षीय कृष्णा प्रसाद का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक के गले और कान के पीछे धारदार हथियार से चोट के निशान पाए गए हैं। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान मृतक की बेटी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, कृष्णा प्रसाद अपनी बेटी के प्रेम संबंध का विरोध कर रहे थे। आरोप है कि शुक्रवार को बेटी और उसके प्रेमी ने मिलकर कृष्णा प्रसाद को रास्ते से हटाने की साजिश रची। बताया जा रहा है कि पशुओं के लिए चारा काटने के दौरान नहर के पास दोनों ने कृष्णा प्रसाद पर हमला कर दिया। आरोपियों ने कथित तौर पर बांस में बंधे हंसिए से उन पर वार किया और बाद में गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी।घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। शनिवार सुबह नहर के पास शव मिलने की जानकारी ग्रामीणों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही दुबौलिया पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस की जांच में बेटी और उसके प्रेमी की भूमिका सामने आने के बाद दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दोनों की गिरफ्तारी की गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हत्या की साजिश कब और कैसे रची गई तथा वारदात में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका थी या नहीं। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। वहीं गांव में भी इस वारदात को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले में पुलिस अधीक्षक डॉ.यशवीर सिंह ने कहा कि प्रेम प्रसंग में बाधा बन रहे पिता को प्रेमी प्रेमिका द्वारा हंसी से मारकर और बॉडी को गांव के बाहर फेंक दिया गया। जिसमें सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। वारदात के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पूछताछ के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क निर्माण की मांग को लेकर किसानों का धरना चौथे दिन भी जारी

......वन विभाग की एनओसी मिलते ही तीनों सड़कों के निर्माण का दावा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। नगराम क्षेत्र की जर्जर और कच्ची सड़कों के निर्माण की मांग को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के तत्वावधान में कुबहरा सामुदायिक मिलन केंद्र पर चल रहा किसानों का अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को चौथे दिन भी जारी रहा। धरने में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे सैकड़ों किसान, मजदूर और महिलाएं शामिल हुए। किसानों ने साफ कहा कि सड़कों का निर्माण शुरू होने तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। शनिवार को पीडब्ल्यूडी के सर्वेयर सर्वेश मिश्रा दोबारा धरना स्थल पहुंचे। उन्होंने कमलापुर-विचिलखा माइनर से कुबहरा तक जाने वाले कच्चे मार्ग की लंबाई की माप की। इसके बाद उन्होंने किसानों को बताया कि विभागीय अधिकारियों के निर्देश पर क्षेत्र की तीनों प्रस्तावित सड़कों की माप की जा रही है और इसकी रिपोर्ट शनिवार शाम तक अधिकारियों को उपलब्ध कराई जानी है। सर्वेयर ने बताया कि माप की रिपोर्ट के बाद वन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लेने के लिए रिपोर्ट भेजी जाएगी। वन विभाग की एनओसी मिलते ही तीनों सड़कों के निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। हालांकि विभागीय कार्रवाई की जानकारी मिलने के बावजूद किसानों ने धरना समाप्त करने से इनकार कर दिया। किसानों का कहना है कि सड़कों के निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही है। जर्जर और कच्चे मार्गों के कारण ग्रामीणों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि अब आश्वासन नहीं, बल्कि मौके पर निर्माण कार्य शुरू होना चाहिए। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के मंडल महामंत्री लखनऊ हरिपाल सिंह ने कहा कि किसानों की मांग पूरी होने तक संगठन आंदोलन से पीछे नहीं हटेगा। सड़क की माप कर रिपोर्ट तैयार किए जाने की कार्रवाई सकारात्मक है, लेकिन किसानों को अब निर्माण कार्य शुरू होने का इंतजार है। धरने में ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश कुमार, राजेश कुमार, रामपाल राजपूत, राम कुमार प्रधान पति, केशव राम लोधी, पृथ्वीराज, ब्रजपाल यादव, राम-लखन, पूर्व प्रधान राजू समेत सैकड़ों किसान, मजदूर और महिलाएं मौजूद रहे। किसानों ने दोहराया कि सड़क निर्माण शुरू होने तक उनका अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा।

जनसत्ता दल की बैठक में विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी ने संगठन को गांव, पंचायत और बूथ स्तर तक मजबूत करने की तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को पार्टी के प्रदेश प्रधान महासचिव डॉ. ब्रजेश सिंह राजावत ने जालौन जिले में पार्टी संगठन की समीक्षा की। उन्होंने कहा, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति मजबूत संगठन, समर्पित कार्यकर्ता, जागरूक युवा और सर्वसमाज का विश्वास है। उन्होंने कहा, युवा केवल देश का भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति और देश का सजग प्रहरी भी है। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और आकांक्षाओं को सकारात्मक दिशा देने के लिए उनके साथ मजबूती से खड़ी है। रोजगार, शिक्षा और बेहतर भविष्य को लेकर आज का युवा चिंतित है। उरई रोड स्थित अपने आवास पर बुलाई गई समीक्षा बैठक में उन्होंने संगठन की वर्तमान स्थिति, आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों तथा बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा, पार्टी का उद्देश्य केवल संगठन में पदों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि ऐसे समर्पित कार्यकर्ता तैयार करना है, जो जनता के सुख-दुःख में उसके साथ खड़े हों, उसकी समस्याओं को समझें और उसकी आवाज बनकर मजबूती से सामने आएं। पार्टी जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि पार्टी जनहित, सामाजिक न्याय और सर्वसमाज के सम्मान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा, पार्टी को गांव-गांव, घर-घर और बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा। इस दौरान ब्रजबल्लभ सिंह सेंगर, अखिलेश सिंह चौहान, लाल सिंह गुर्जर, सत्येंद्र सोनी, अमित रावत, विष्णु दयाल कुशवाहा, वृषभान सिंह गुर्जर, गिरेंद्र सिंह सेंगर, संजय सिंह राजावत चितौरा, समरजीत सिंह, तिलक सिंह तोमर रूपापुर, अवनीत गुर्जर, सचिन प्रधान, दीपू अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

मवेशी लदे 21 ट्रक जब्त, बरही थाने में प्राथमिकी दर्ज

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- बरही थाना क्षेत्र के करियातपुर नईटांड़ के समीप जीटी रोड पर शनिवार अहले सुबह पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मवेशी लदे 21 ट्रकों को जब्त किया। गश्ती के दौरान करीब पांच बजे बरही पुलिस ने सभी वाहनों को रोककर जांच की। ट्रकों में बड़ी संख्या में मवेशी लदे हुए थे। वाहनों के आगे और पीछे एनीमल कैरियर के बैनर लगे हुए थे। पुलिस निरीक्षक सह बरही थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि सभी वाहनों को रोककर पशुओं के परिवहन से संबंधित दस्तावेजों की जांच की गई। मामले में बरही थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, 21 ट्रकों में बछड़ो समेत करीब 200 पशु पाए गए। पशुओं की सुरक्षा और सुरक्षित रखरखाव को देखते हुए बरकट्ठा पुलिस के सहयोग से सभी पशुओं को ट्रकों से उतारकर घंघरी में रखा गया है। इसके लिए घंघरी निवासी कुलदीप प्रसाद, रामेश्वर प्रसाद और राजेश सिंह के खटालों में व्यवस्था की गई है। पुलिस द्वारा पशुओं के खरीद-बिक्री, परिवहन, टैक्स एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की जा रही है। साथ ही यह भी सत्यापित किया जा रहा है कि पशुओं का परिवहन नियमानुसार किया जा रहा था या नहीं। पुलिस पशुओं के दुधारू होने तथा उनके परिवहन से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है।

पीबीएल की राज्य स्तरीय कार्यशाला में मुजफ्फरपुर के केशव कुमार सम्मानित

मुजफ्फरपुर जिले को मिला सर्वाधिक अनुशंसा प्राप्त सम्मान, 1,386 विद्यालयों में समय से पहले पूरा हुआ पीबीएल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग (पीबीएल) के विद्यालय स्तर पर प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के तत्वावधान में 20 और 21 अगस्त को दो दिवसीय राज्य स्तरीय आवासीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में मुजफ्फरपुर जिले के डिस्ट्रिक्ट टेक्निकल टीम लीड केशव कुमार को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य कक्षा 6 से 8 के गणित और विज्ञान विषय में पीबीएल आधारित परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जिलों की उत्कृष्ट कार्य-पद्धतियों के आदान-प्रदान तथा तकनीकी सहयोग और मार्गदर्शन को मजबूत करना था। इसमें बिहार के सभी 38 जिलों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। मुजफ्फरपुर से जिला शिक्षक शिक्षा समन्वयक मनोज कुमार, डिस्ट्रिक्ट टेक्निकल टीम लीड केशव कुमार और कुमार अभिषेक शामिल हुए। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि बिहार शिक्षा परियोजना परिषद की जिला कार्यक्रम पदाधिकारी गार्गी कुमारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, पटना के उपनिदेशक संजय कुमार, प्राथमिक शिक्षा के सहायक निदेशक चंदन द्विवेदी और बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी कौशल किशोर ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने पीबीएल के प्रभावी क्रियान्वयन और आपसी सीख-साझाकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन मंत्रा फॉर चेंज की टीम ने किया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों से बिहार के दो ऐसे जिलों की अनुशंसा करने को कहा गया, जहां पीबीएल के क्रियान्वयन की कार्य-पद्धति अन्य जिलों के लिए उपयोगी और अनुकरणीय रही हो। इस प्रक्रिया में मुजफ्फरपुर जिले को सर्वाधिक अनुशंसा प्राप्त हुई। इसके आधार पर जिला शिक्षक शिक्षा समन्वयक मनोज कुमार, डिस्ट्रिक्ट टेक्निकल टीम लीड केशव कुमार और कुमार अभिषेक को 'सर्वाधिक अनुशंसा प्राप्त सम्मान' श्रेणी में प्रशंसा-पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुजफ्फरपुर को मिली इस मान्यता में जिले में विकसित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी), तकनीकी सहयोग, सतत अनुश्रवण और समयबद्ध कार्य-पद्धति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिले ने जुलाई में निर्धारित 31 जुलाई की समय-सीमा से पहले ही 20 से 25 जुलाई के बीच सभी 1,386 विद्यालयों में पीबीएल आधारित माइक्रो इंप्रूवमेंट प्रोजेक्ट (एमआईपी) का दीक्षा एप पर शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया। इसके साथ ही मुजफ्फरपुर बिहार में दीक्षा एप पर पीबीएल आधारित एमआईपी को शत-प्रतिशत पूरा करने वाला पहला जिला बना। जिले के लिए विकसित एसओपी तैयार करने में मुजफ्फरपुर के पूर्व जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान, बिहार शिक्षा परियोजना के सुजीत कुमार दास, जिला तकनीकी दल के नेतृत्वकर्ता केशव कुमार और कुमार अभिषेक की महत्वपूर्ण भूमिका रही। केशव कुमार ने बताया कि प्राप्त प्रशंसा-पत्र पर गार्गी कुमारी, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना और चंदन द्विवेदी, सहायक निदेशक, प्राथमिक शिक्षा, शिक्षा विभाग, बिहार के हस्ताक्षर हैं। प्रशंसा-पत्र मुजफ्फरपुर जिले के तीनों प्रतिभागियों को राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी कौशल किशोर ने प्रदान किया।

युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए: चन्द्रमणि पाण्डेय सुदामा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के हरैया विधानसभा क्षेत्र के युवा नेता चंद्रमणि पांडे द्वारा युवा संवाद अभियान के 23वें दिन बीआर इंटर कॉलेज, हर्रैया में छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने कहा कि युवाओं को अपना समय और ऊर्जा दूसरों को परेशान करने में नहीं, बल्कि अपने लक्ष्य की प्राप्ति और राष्ट्र निर्माण में लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान उसकी सकारात्मक सोच, विकास की आकांक्षा और अपने लक्ष्य के प्रति निरंतर आगे बढ़ने की क्षमता से है। हमें पाकिस्तान की तरह दूसरों को परेशान करने में अपनी शक्ति व्यय करने के बजाय भारत की तरह अपने विकास और लक्ष्य पर केंद्रित रहना चाहिए। पाण्डेय ने कहा कि हम किसी राजनीतिक दल के समर्थक या विरोधी हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्रविरोधी नहीं हो सकते। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, पर राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए। देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के विरुद्ध कार्य करने वाली ताकतों को समाज को अपनी एकजुटता का परिचय देते हुए लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से करारा जवाब देना चाहिए। युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि आज का युवा जिस वातावरण में रहेगा और समाज से जिस प्रकार का ज्ञान एवं संस्कार प्राप्त करेगा, उसके व्यवहार और भविष्य के परिणाम भी उसी अनुरूप होंगे। उन्होंने कम्प्यूटर का उदाहरण देते हुए कहा कि कम्प्यूटर में जैसा इनपुट दिया जाता है, उसी के अनुरूप आउटपुट प्राप्त होता है। इसी प्रकार युवाओं के मन-मस्तिष्क में ज्ञान, संस्कार, राष्ट्रभक्ति और सकारात्मक सोच का इनपुट दिया जाएगा तो समाज को उसी प्रकार का सकारात्मक परिणाम मिलेगा।उन्होंने कहा कि नवयुवकों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ-साथ उन्हें समाजोन्मुखी और राष्ट्र निर्माण की भावना से भी जोड़ना आवश्यक है। आने वाले समय में देश की बागडोर आज के इन्हीं युवाओं के हाथों में होगी। इसलिए शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि जिम्मेदार, संवेदनशील, अनुशासित और राष्ट्रहित के प्रति समर्पित नागरिक तैयार करना भी होना चाहिए। चन्द्रमणि पाण्डेय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में हुए विभिन्न विकास कार्यों एवं परिवर्तन की चर्चा करते हुए कहा कि आज भारत वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 के बाद कानून-व्यवस्था, विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को पिछली सरकारों के दौरान व्याप्त गुण्डाराज और जंगलराज की छवि से निकालकर विकासोन्मुख प्रदेश बनाने के लिए योगी सरकार ने व्यापक स्तर पर कार्य किया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका होती है, लेकिन राजनीतिक दलों को अपनी कार्यशैली और नीतियों में सुधार करते हुए जनता के हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरोध को ही राजनीति का आधार बनाने से देश या समाज का भला नहीं हो सकता। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नकारात्मक राजनीति और अनावश्यक विवादों में अपनी ऊर्जा लगाने के बजाय अपने लक्ष्य, शिक्षा, रोजगार, नवाचार और राष्ट्र निर्माण पर ध्यान केंद्रित करें।

नारायणपुर में मनरेगा की प्रखंड स्तरीय जनसुनवाई संपन्न

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंड:- नारायणपुर प्रखंड सभागार में आयोजित मनरेगा की प्रखंड स्तरीय जनसुनवाई शनिवार को संपन्न हुई। दो दिनों तक चली जनसुनवाई में प्रखंड की सभी 25 पंचायतों में संचालित मनरेगा योजनाओं से संबंधित मामलों की सुनवाई की गई। सामाजिक अंकेक्षण और पंचायत स्तरीय जनसुनवाई के बाद प्रखंड स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गई। पंचायत स्तरीय जनसुनवाई के दौरान जिन मामलों को प्रखंड स्तर पर भेजा गया था, उनकी सुनवाई यहां की गई। कई मामलों में जुर्माना लगाया गया, जबकि कुछ मामलों में संबंधित पक्षों को सुधार करने का निर्देश दिया गया। शनिवार को आयोजित जनसुनवाई में बीडीओ कमलेश कुमार दास भी शामिल हुए। टोपाटांड़ पंचायत के बड़बहाल गांव में कैटल शेड में प्रधानमंत्री आवास बनाने का मामला भी सामने आया। मामले की सुनवाई के बाद इसकी जांच कराने की बात कही गई। बताया गया कि मनरेगा योजनाओं से जुड़े कुल 590 मामलों का निरीक्षण किया गया था, जिनमें से 89 मामलों को प्रखंड स्तरीय जनसुनवाई के लिए भेजा गया था।

घाटमपुर क्षेत्र के गांव में प्रेमी के साथ महिला ने खाया जहर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना घाटमपुर क्षेत्र के गांव में एक महिला 30 वर्ष और प्रेमी 18 वर्ष ने ज़हरीला पदार्थ खा लिया, दोनों की हालत बिगड़ने पर प्रेमी युवक ने अपने परिजनों को फोन कर जानकारी दी, युवक के परिजन उसे निजी वाहन से कानपुर ले गए, वहीं खेत में मौजूद महिला की जानकारी ग्रामीणों ने पुलिस को दी, पुलिस ने महिला को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाटमपुर पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया,, घटना घाटमपुर थाना क्षेत्र के फरीदपुर गांव के किनारे की हैं, ग्रामीणों के अनुसार महिला शादीशुदा हैं,और गांव के ही युवक के साथ उसका 02 साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था, दोपहर 11 बजें दोनों गांव के ही खेत पहुंचे, और ज़हरीला पदार्थ खा लिया, इसके बाद दोनों की तबियत बिगड़ने लगी तो युवक ने अपने घर पर फोन किया , मौके पर युवक के परिजन पहुंचे और उसे कानपुर के निजी अस्पताल में ले गए, वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला को एंबुलेंस की मदद से महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाटमपुर पहुंचाया, यहां डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल कानपुर रेफर कर दिया गया,, पुलिस दोनों के बीच प्रेम संबंध और घटना के पीछे की वजह समेत पूरे मामले की जानकारी जुटा रही है, पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही घटना की सही वजह साफ हो सकेगी, मामले से जुड़े लोगों से पूछताछ की जा रही है,,, घाटमपुर एसीपी कृष्ण कांत यादव ने बताया कि युवक और महिला के ज़हरीला पदार्थ खाने की सूचना मिली है, युवक को परिवार के लोग कानपुर ले गए है, जबकि महिला को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया हैं, मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

श्रीभूमि में विश्व हिंदू परिषद की जिला बैठक,संगठन विस्तार पर मंथन, नई जिम्मेदारियों का ऐलान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की श्रीभूमि जिला इकाई की महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को गौड़ीय मठ में आयोजित हुई। बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं आयामों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान संगठन के आगामी कार्यक्रमों, विस्तार और विभिन्न दायित्वों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के मुख्य वक्ता विहिप के दक्षिण-पूर्व प्रांत के संपादक गोपीव्रत गोस्वामी ने संगठन की कार्यपद्धति, नीति, आचार-व्यवहार और अनुशासन की जानकारी कार्यकर्ताओं को दी। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों एवं संगठन की कार्ययोजना पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। बैठक में संगठन के विभिन्न स्तरों पर नई जिम्मेदारियों की घोषणा की गई। संदीप मजूमदार को जिला सह-संपादक, मुन्ना बनिक को जिला बजरंग दल संयोजक तथा विश्वजीत दत्त को सह-संयोजक बनाया गया। बापन चक्रवर्ती को जिला बजरंग दल के व्यायामशाला प्रमुख तथा रमेन घोष को बदरपुर प्रखंड संपादक की जिम्मेदारी सौंपी गई। जिला संपादक महेश भट्टाचार्य ने विहिप के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रस्तावित कार्यक्रमों को सफल बनाने पर जोर दिया। उन्होंने प्रत्येक हिंदू परिवार तक संगठन का संदेश पहुंचाने तथा कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन के विस्तार में जुटने का आह्वान किया। जिला संगठन मंत्री विवेक पांडे ने संगठन की जमीनी गतिविधियों को मजबूत करने और विभिन्न आयामों को सक्रिय बनाने पर जोर दिया। बैठक में क्षेत्र गोरक्षा प्रमुख समर घोष, दक्षिण-पूर्व प्रांत गोरक्षा प्रमुख पंकज श्याम, प्रांत प्रचार प्रमुख सुजय श्याम सहित जिला एवं प्रखंड स्तर के विभिन्न पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में जिला अध्यक्ष हिमाद्री दास ने सभी उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। संगठन के प्रचार एवं प्रसार प्रमुख स्वप्नजीत नाथ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बैठक की जानकारी दी।

असम में पहली बार फाइव-स्टार रेटिंग पाने वाले श्रीभूमि के शंकरदेव एलपी स्कूल को जिला स्तर पर विशेष सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ विद्यालय परिसर के निर्माण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए श्रीभूमि जिले के मोहनपुर स्थित पीएम श्री 1367 नंबर शंकरदेव एलपी स्कूल को श्रीभूमि जिला स्तर पर विशेष सम्मान प्रदान किया गया है। उल्लेखनीय है कि यह विद्यालय असम का पहला विद्यालय है, जिसने फाइव-स्टार रेटिंग हासिल की थी। विद्यालय की स्वच्छता, पर्यावरण-अनुकूल पहल और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के प्रयासों की सराहना करते हुए यह सम्मान दिया गया। हाल ही में श्रीभूमि के जिला आयुक्त प्रदीप कुमार द्विवेदी के हस्ताक्षरयुक्त डिस्ट्रिक्ट लेवल रिकग्निशन सर्टिफिकेट विद्यालय प्रबंधन को प्रदान किया गया। जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी नीलम ज्योति दास के माध्यम से विद्यालय के प्रधानाध्यापक नसीम उद्दीन ने यह गौरवपूर्ण प्रमाणपत्र ग्रहण किया। विद्यालय की निरंतर उपलब्धियों के लिए इससे पहले भी संस्था को कई सम्मान मिल चुके हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को रामकृष्णनगर उप-जिला प्रशासन की ओर से प्रधानाध्यापक नसीम उद्दीन को सम्मानित किया गया था। इससे पहले रामकृष्णनगर ब्लॉक एलिमेंटरी एजुकेशन ऑफिस की ओर से भी उन्हें सम्मानित किया जा चुका है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्रीभूमि जिला विद्यालयों के उप-निरीक्षक खैरुल इस्लाम हजारी, डीपीओ संजीव सिन्हा, श्रीभूमि जिला प्राथमिक शिक्षक सम्मेलन की सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष अब्दुल बासित सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विद्यालय की लगातार उपलब्धियों पर खुशी व्यक्त करते हुए प्रधानाध्यापक नसीम उद्दीन ने सभी संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति आभार जताया। उन्होंने विशेष रूप से श्रीभूमि जिले की एडीसी (एजुकेशन) सप्तति एंडो, रामकृष्णनगर खंड प्राथमिक शिक्षा अधिकारी और ब्लॉक अकाउंटेंट जयंत देव के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही ब्लॉक एमआईएस अधिकारी यूसुफ अली, जिला एवं ब्लॉक स्तर के विभिन्न अधिकारियों तथा हरिनगर जीपी अध्यक्ष बिलाल उद्दीन के ग्रुप सदस्य के प्रतिनिधि एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नासिर उद्दीन और हरिनगर जीपी की उप-सभा नेत्री के प्रतिनिधि सादिकुर रहमान दे को भी उन्होंने धन्यवाद दिया। प्रधानाध्यापक नसीम उद्दीन ने कहा कि दुर्गम एवं दूरदराज के मोहनपुर क्षेत्र में सभी के सहयोग के बिना विद्यालय को यह सफलता मिलना संभव नहीं था। उन्होंने शिक्षकों, रसोइयों, विद्यालय प्रबंधन समिति, अभिभावकों और स्थानीय लोगों के सामूहिक प्रयास को इस उपलब्धि की मुख्य कुंजी बताया। विद्यालय की इस लगातार सफलता से शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों, अभिभावकों और स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। प्रधानाध्यापक ने भविष्य में विद्यालय को और आगे ले जाने के लिए सभी से इसी तरह निरंतर सहयोग की अपील की।